R.N.I. No.ÙPHIN/2010/39063

हिन्दी दैनिक

सिन्धु टाइम्स

वर्ष : 11
अंक : 259
पृष्ठ : 8
मूल्य - 2 रुपये

सिन्ध सदियों से हमारे देश की पहचान है, यह नदी गुज़रे जहां से समझो हिन्दुस्तान है।

3 वेस्ट यूपी को नई उड़ान देगी मेट्रो से तीन गुना तेज रैपिड रेल

लखनऊ, शुक्रवार, 02 जुलाई 2021

कोरोना की रिकवरी दर बढ़कर 96.97 फीसदी 8

संक्षिप्त- समाचार

नीरव मोदी की बहन ने सरकार को लौटाये 17.25 करोड़

नयी दिल्ली वार्ता। भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी की बहन पूर्वी मोदी ने सरकार को 17.25 करोड़ रुपये की राशि लौटाई है।

प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को बताया कि वादा माफ गवाह बन चुकी पूर्वी मोदी ने लंदन के उसके एक बैंक खाते से 23,16,889.03 डॉलर (17.25 करोड़ रुपये) भारत सरकार के बैंक खाते में भेजे हैं। इस प्रकार नीरव मोदी मामले में 17.25 करोड़ रुपये की वसूली हो गई है। नीरव के खिलाफ पंजाब नेशनल बैंक से दो अरब डॉलर की जालसाजी का आरोप है।

नीरव मोदी मामले में विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष 24 मई 2018 और 28 फरवरी 2019 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर दो शिकायतों में पूर्वी मोदी (उर्फ पूर्वी मेहता) और उसके पति मयंक मेहता को भी आरोपी बनाया गया था।

बंगलादेश के सभी भारतीय वीजा केंद्र अनिश्चितकाल के लिए बंद

ढाका, 01 जुलाई (वार्ता) बंगलादेश में स्थित सभी भारतीय वीजा केंद्रों को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है।

ढाका में भारतीय उच्चायोग ने गुरुवार को एक वक्तव्य जारी कर इस आशय की जानकारी दी।

बयान में कहा गया है कि बंगलादेश सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन के मद्देनजर, बंगलादेश में सभी भारतीय वीजा आवेदन केंद्र एक जुलाई से अगली सूचना तक बंद रहेंगे। लॉकडाउन के दौरान हालांकि आपातकालीन यात्रा आवेदनों पर विचार भी किया जाएगा।

उच्चायोग ने आपातकालीन यात्रा, विशेष रूप से चिकित्सा यात्रा के लिए इन्फोञ्चआईवीएबीसीडी डॉटकॉम पर संपर्क करने और दो फोन नंबर 096123337, 096143337 किसी भी तरह की पूछताछ करने के लिए जारी किये हैं।

चिकित्सकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाई’

नयी दिल्ली वार्ता। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि ये फरिश्ते हैं जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाई है।श्री कोविंद ने गुरुवार को ट्वीट करके कहा, आइए, अपनी योग्यता और क्षमता का उत्कृष्ट इस्तेमाल करके बीमारों के इलाज के प्रति चिकित्सकों के समर्पण भाव के श्रद्धांजलि के तौर पर ‘राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस’ मनाएं।

वैश्विक स्तर पर स्थान बनाएं भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट : पीयूष

कहा, आईसीएआई के 75 वर्ष का होने विश्व के उपभोक्ताओं के बारे में सोचना चाहिए

नयी दिल्ली वार्ता। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने देश के चार्टर्ड एकाउंटेंटों से वैश्विक स्तर पर स्थान बनाने का आह्वान करते हुए कहा है कि उन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

श्री गोयल ने गुरुवार को यहां 73 वें चार्टर्ड एकाउंटेंट्स दिवस पर एक समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि पेशेवरों को समग्रता में सोचना चाहिए और महत्वाकांक्षाओं को फिर से निर्धारित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कंपनियों को विलय, अधिग्रहण, साझेदारी और बड़े उपक्रमों पर ध्यान देना चाहिए और विश्व स्तरीय बनना चाहिए।

कार्यक्रम का आयोजन भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान- आईसीएआई ने किया था।श्री गोयल ने कहा कि आईसीएआई के 75 वर्ष का होने विश्व के उपभोक्ताओं के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्थान को विश्व स्तर की नैतिकता, तकनीकी ज्ञान और कड़े मानकों पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि इससे कारोबार का क्षेत्र बढ़ता है। उन्होंने कहा कि अगर हमें दुनिया की सद्भावना, सम्मान और विश्वास अर्जित करना है, तो हम में से प्रत्येक को शत प्रतिशत विश्वसनीयता की आवश्यकता होगी।

श्री गोयल ने संस्थान से राष्ट्र के टीकाकरण अभियान में सक्रिय भागीदार बनने और टीकाकरण प्रदान करने के लिए जागरुकता पैदा करने और यहां तक ??कि कुछ गांवों या कुछ क्षेत्रों को गोद लेने में लोगों की मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश भर में टीकाकरण अभियान तेजी से चल रहा है।

बस्ती में आक्सीजन संयंत्र का उद्घाटन

नयी दिल्ली वार्ता। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री मनसुख मांडविया ने आज वर्चुअल रूप से उत्तर प्रदेश के बस्ती स्थित ओपीईसी कैली अस्पताल में पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र का उद्घाटन किया।

उर्वरक एवं रसायन त्रावणकोर लिमिटेड (एफएसीटी) ने पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित किया है। इस अवसर पर श्री मांडविया ने कहा कि कोविड महामारी के चुनौतीपूर्ण समय ने हमें अपने स्वास्थ्य और चिकित्सा बुनियादी ढांचे पर पुनर्विचार करने और उनका पुनर्विकास करने और स्थानीय आपूर्ति नेटवर्क विकसित करने का अवसर दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने महामारी से लड़ने के लिए हर संभव कदम उठाए हैं और देश के लोगों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने बताया कि 500 लीटर प्रति मिनट (एलपीएम) क्षमता का प्रेशर स्विंग ऐडजार्बसन (पीएसए) ऑक्सीजन प्लांट सार्वजनिक क्षेत्र की उर्वरक कंपनी एफएसीटी के कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) परियोजना के रूप में स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह विभिन्न अस्पतालों के लिए एफएसीटी द्वारा चिकित्सा ऑक्सीजन की मांग को पूरा करने के लिए आदेश दिए गए पांच पीएसए ऑक्सीजन संयंत्रों में से एक है। चार अन्य संयंत्र केरल के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में स्थापित किए जाएंगे।इस कार्यक्रम में बस्ती के सांसद हरीश द्विवेदी, बस्ती सदर के विधायक दयाराम चौधरी ,बस्ती के जिलाधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

डाक्टरों की सेवा और बलिदान को नमन किया मोदी ने

नयी दिल्ली वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न संकट के दौरान निस्वार्थ और त्याग की भावना से देश सेवा के दायित्व का निर्वहन करने के लिए देश की 130 करोड़ आबादी की ओर से चिकित्सक समुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

श्री मोदी ने गुरूवार को डॉक्टर दिवस के मौके पर भारतीय चिकित्सा संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेन्सके माध्यम से संबोधित किया और उनकी सेवाओं के लिए नमन किया।

उन्होंने कहा , डॉक्टर्स को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है, तो ऐसे ही नहीं कहा जाता। कितने ही लोग ऐसे होंगे जिनका जीवन किसी संकट में पड़ा होगा, किसी बीमारी या दुर्घटना का शिकार हुआ होगा, या फिर कई बार हमें ऐसा लगने लगता है कि क्या हम किसी हमारे अपने को खो देंगे? –

प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी से लड़ते हुए मानवता की सेवा में अपना जीवन बलिदान करने वाले डाक्टरों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि डाक्टरों ने अपने अनुभव और विशेषज्ञता के बल पर कोरोना की चुनौतियों के समाधान को खोजा है । प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में ढांचागत चिकित्सा सुविधाओं की लंबे समय से उपेक्षा और आबादी के दबाव के बावजूद देश में विकसित देशों की तुलना में प्रति एक लाख की आबादी में संक्रमण और मृत्यु दर अपेक्षाकृत काबू में है। लोगों की जान जाना दुख का विषय है लेकिन अनेक लोगों की जान बचायी भी गयी है और इसका श्रेय डाक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं की मेहनत को जाता है।उन्होंने कहा , आज जब देश कोरोना से इतनी बड़ी जंग लड़ रहा है तोडॉक्टर्स ने दिन रात मेहनत करके, लाखों लोगों का जीवन बचाया है। ये पुण्य कार्य करते हुए देश के कई डॉक्टर्स नेअपना जीवन भी न्योछावर कर दिया। मैं उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, उनके परिवारों के प्रति अपनीसंवेदना व्यक्त करता हूं। पिछली सरकारों द्वारा की गयी चिकित्सा क्षेत्र की उपेक्षा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा , हमारी सरकार ही है, जिसने स्वास्थ्य पर सबसे अधिक बल दिया है। पहली लहर के दौरान लगभग 15 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए थे, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने में मदद मिली। इस साल हेल्थ सेक्टर के लिए बजट का आवंटन दोगुने से भी ज्यादा यानि दो लाख करोड रुपये से भी अधिक किया गया।श्री मोदी ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचागत सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए 50 हजार करोड़ रुपये की एक रिण गारंटी योजना लेकर आयी है। बच्चों के लिए जरूरी स्वास्थ्य सुविधाओं को सशक्त करने के लिए भी 22 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा आवंटित किए हैं।

उन्होंने कहा , देश में तेजी से नए एम्स खोले जा रहे हैं, नए मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं, आधुनिक हेल्थ इनफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जा रहा है। 2014 तक जहां देश में केवल 6 एम्स थे, वहीं इन 7 सालों में 15 नए एम्स का काम शुरू हुआ है। मेडिकल कॉलेजेज़ की संख्या भी करीब डेढ़ गुना बढ़ी है। इसी का परिणाम है कि इतने कम समय में जहां अंडरग्रेजुएट सीट्स में डेढ़ गुने से ज्यादा की वृद्धि हुई है, वहीं पीजी सीट्स में 80 फीसदी इजाफा हुआ है। मेडिकल सेक्टर में हो रहे इन बदलावों के बीच, डॉक्टर्स की सुरक्षा के लिए भी सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार ने डॉक्टर्स के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए पिछले वर्ष ही, कानून में कई कड़े प्रावधान किए हैं। इसके साथ ही, हम कोरोना यौद्धाओं के लिए मुफ्त बीमा योजना भी लेकर आए हैं।

श्री मोदी ने आईएमए से कहा कि वह योग पर साक्ष्य आधारित वैज्ञानिक अध्ययन को आगे बढ़ाये और अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रों में प्रकाशित कराये ताकि विश्व भर में आने वाली पीढ़ी को उसका लाभ मिले।

डिजिटल इंडिया से हो रही समय, श्रम और धन की बचत : मोदी

नयी दिल्ली वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड-19 महामारी के दौरान लोगों को सीधे उनके बैंक खातों में वित्तीय मदद पहुँचाने, संक्रमण रोकने और सुचारू टीकाकरण के लिए डिजिटल समाधानों की तारीफ करते हुये आज कहा कि डिजिटल इंडिया से समय, श्रम और धन की बचत हो रही है।

डिजिटल इंडिया के छह साल पूरे होने के अवसर पर इसके लाभार्थियों से संवाद के दौरान श्री मोदी ने कहा कोरोना काल में डिजिटल इंडिया अभियान देश के कितना काम आया है, यह हम सभी ने देखा है। जिस समय बड़े-बड़े समृद्ध देश लॉकडाउन के कारण अपने नागरिकों को सहायता राशि नहीं भेज पा रहे थे, भारत हजारों करोड़ रुपये, सीधे लोगों के बैंक खातों में भेज रहा था। कोरोना काल में जो डिजिटल समधान भारत ने तैयार किए हैं उनकी पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है।

उन्होंने कहा कि कॉनटैक्ट ट्रेसिंग के लिए दुनिया के सबसे बड़े ऐप में से एक आरोग्य सेतु से संक्रमण को रोकने में बहुत मदद मिली है। टीकाकरण के लिए भारत के कोविन ऐप में भी अनेक देशों ने दिलचस्पी दिखाई है। वैक्सीनेशन की प्रक्रिया के लिए ऐसा निगरानी माध्यम होना हमारी तकनीकी कुशलता का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री ने कहा डिजिटल इंडिया यानि समय, श्रम और धन की बचत। डिजिटल इंडिया यानि तेज़ी से लाभ, पूरा लाभ। डिजिटल इंडिया यानि मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिम गवर्नेंस।श्री मोदी ने कहा कि देश में आज एक तरफ इनोवेशन का जुनून है तो दूसरी तरफ उन को तेजी से अपनाने का जज़्बा भी है। इसलिए, डिजिटल इंडिया भारत का संकल्प, आत्मनिर्भर भारत की साधना और 21वीं सदी में सशक्त होते भारत का जयघोष है। ड्राइविंग लाइसेंस हो, जन्म प्रमाणपत्र हो, बिजली का बिल भरना हो, पानी का बिल भरना हो, आयकर रिटर्न भरना हो - इस तरह के अनेक कामों के लिए अब प्रक्रियाएं डिजिटल इंडिया की मदद से बहुत आसान, बहुत तेज हुई हैं। गाँवों में भी लोग घर के पास सीएससी केंद्रों से ये काम करा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया से सबको अवसर और समान सुविधा मिली है। इससे सबकी भागीदारी सुनिश्चित हुई है और सरकारी तंत्र तक सबकी पहुँच बनी है। इससे पारदर्शी, भेदभाव रहित व्यवस्था बनी है और भ्रष्टाचार पर चोट हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों के जीवन में भी डिजिटल लेनदेन से अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 10 करोड़ से ज्यादा किसान परिवारों को एक लाख 35 हजार करोड़ रुपये सीधे बैंक अकाउंट में जमा किये गये हैं। डिजिटल इंडिया ने ‘एक राष्ट्र, एक एमएसपी’ की भावना को भी साकार किया है।

उन्होंने कहा कि यह दशक, डिजिटल प्रौद्योगिकी में भारत की क्षमताओं और वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी को बहुत ज्यादा बढ़ाने वाला है।

सरकार ने रसोई गैस के दाम बढ़ाकर तोड़ दी जनता की कमर : कांग्रेस

नयी दिल्ली वार्ता। कांग्रेस ने रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गुरुवार को कहा कि सरकार लगातार जनता की कमर तोड़ने वाले फैसले ले रही है और उसे असंवेदनशील कदम उठाने की बजाय दाम घटाकर लोगों को राहत देनी चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने सिलेंडर के दाम घटाने के बजाय 25 रुपए बढ़ाकर घाव पर नमक छिड़कने का काम किया है। उनका कहना है कि जनता इस समय महामारी से पीड़ित है और ऐसी स्थिति में रसोई गैस के दाम बढ़ाना सरकार की असंवेदनशीलता है।

उन्होंने कहा कि देश इस समय महामारी के साथ ही बहुत बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहा है ऐसी स्थिति में सिलेंडर के दाम बढ़ाना जनता पर जबरदस्त प्रहार करना है।

उन्होंने कहा कि इस समय बेरोजगारी चरम पर है, लोगों के पास रोजगार नहीं है जिससे खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है। इस समय सरकार का रसोई गैस के दाम इस कदर बढ़ाना जनता के प्रति उदासीन रवैये का प्रतीक है।

प्रवक्ता ने कहा कि मार्च में रसोई गैस 587 डॉलर टन पर थी और हमारी सरकार ने रसोई गैस का सिलेंडर 804 रुपए कर दिया था। अब गैस के दाम घटकर 523 डॉलर पर आ गए हैं तो उस हिसाब से एक सिलेंडर के दाम 552 रुपए होने चाहिए लेकिन सरकार ने इसे 25 रुपए बढ़कर 834 रुपए कर दिए है। उन्होंने सरकार से रसोई गैस के दाम घटाकर लोगों को राहत देने की मांग की है।

केजरीवाल ने की स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली प्रोजेक्ट की समीक्षा

नयी दिल्ली वार्ता। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली (एचआईएमएस) प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए और कहा कि स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली के साथ ही हेल्थ हेल्पलाइन सेवा भी शुरू की जाएगी और हेल्थ कार्ड के लिए पूरी दिल्ली में नए सिरे से सर्वे प्रारंभ किया जाएगा।

श्री केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, ‘‘स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली की प्रगति की समीक्षा की। हम दिल्ली में सबसे आधुनिक स्वास्थ्य सूचना प्रणाली बना रहे हैं। कोरोना के कारण कुछ देरी हो रही है। उम्मीद है, यह मार्च 2022 तक शुरू हो जाना चाहिए।’’

मुख्यमंत्री के साथ समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के साथ स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सबसे पहले, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से एचआईएमएस प्रोजेक्ट की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस दौरान अधिकारियों ने अवगत कराया कि कोरोना के कारण एचआईएमएस प्रोजेक्ट के कार्य में कुछ देरी हुई है, लेकिन अब इसका काम लगातार आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि एचआईएमएस प्रोजेक्ट से जुड़े सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रोजेक्ट के कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। इस प्रोजेक्ट को मार्च-2022 तक पूरा किया जाना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली के साथ ही हेल्थ हेल्प लाइन नंबर की सेवा भी शुरू की जाएगी। हेल्थ हेल्पलाइन सेवा पूरी दिल्ली के लिए शुरू की जानी है और हेल्थ कार्ड के लिए पूरी दिल्ली में नए सिरे से सर्वे प्रारंभ किया जाएगा। इसलिए इस प्रोजेक्ट को बेहद गंभीरता से लिया जाए और सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा किया जाए। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को एचआईएमएस प्रोजेक्ट से संबंधित सभी कार्य तय समय के अंदर करने का आश्वासन दिया।

सिसोदिया ने अवैध कब्ज़े से छुड़ाए जमीन पर किया स्कूल का शिलान्यास

नयी दिल्ली वार्ता।दिल्ली के उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया ने दक्षिण पश्चिम दिल्ली के नसीरपुर गांव में गुरुवार को एक नए स्कूल का शिलान्यास किया।

श्री सिसोदिया ने कहा कि सरकार नौ महीने के भीतर इस जमीन पर एक शानदार स्कूल इमारत का निर्माण करेगी। इसमें पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के लिए खेल संबंधी सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा तथा स्कूल में स्विमिंग पूल और स्पोर्ट्स फैसिलिटीज भी बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि अगले शैक्षणिक सत्र से यहां बच्चे पढ़ना भी शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि यहां से पास के स्कूल में 6000 बच्चे पढ़ते हैं। नए स्कूल का निर्माण होने पर उस स्कूल पर दबाव कम होगा।

उपमुख्यमंत्री ने आज लगातार दूसरे हफ्ते स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन के साथ दिल्ली में बन रहे नए स्कूल इमारत का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने दक्षिण-पश्चिमी जिले के 3 स्कूलों गवर्मेंट को-एड एसवी, दिचाऊं कलां, जीबीएसएसएस, दिचाऊं कलां और गवर्मेंट को-एड एसएस सेक्टर-16 द्वारका का दौरा किया।उल्लेखीय है कि उपमुख्यमंत्री ने जिस जमीन पर इस स्कूल का शिलान्यास हुआ वो जमीन पहले ग्राम सभा की थी। बाद में डीडीए ने इस जमीन को एक्वायर कर दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग को अलॉट की थी। जमीन 2007 में डीडीए से शिक्षा विभाग को मिली। लेकिन इस जमीन पर भूमाफ़िया ने क़ब्ज़ा किया हुआ था। अब प्रशासन ने इस जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यहां 2500 बच्चों के लिए वर्ल्डक्लास सुविधाओं वाला शानदार स्कूल बनाने का काम शुरू किया जा रहा है।

भारत पाकिस्तान ने किया, कैदियों की सूचियों का आदान प्रदान

नयी दिल्ली वार्ता। भारत और पाकिस्तान ने राजनयिक माध्यम से अपने यहां एक दूसरे के कैदियों एवं मछुआरों की सूचियों का आदान प्रदान किया।

दोनों देशों के बीच 2008 के समझौते के प्रावधानों के तहत नयी दिल्ली एवं इस्लामाबाद में राजनयिक मिशनों के माध्यम से इन सूचियों का आदान प्रदान किया गया। इस समझौते के तहत दोनों देश एक जनवरी एवं एक जुलाई को अपने यहां कैदियों एवं अपने अपने परमाणु संयंत्रों की जानकारियां साझा करते हैं।भारत ने पाकिस्तान को 271 पाकिस्तानी कैदियों और 74 मछुआरों की सूची सौंपी। पाकिस्तान ने 51 भारतीय कैदियों और 558 ऐसे मछुआरों की सूची सौंपी जिनके भारतीय नागरिक होने की उम्मीद है। सरकार ने पाकिस्तान ने भारतीय कैदियों, लापता भारतीय सैनिकों एवं मछुआरों को उनकी नावों सहित तुरंत रिहा कर भारत के हवाले करने का आग्रह किया। सरकार ने इनमें से एक भारतीय नागरिक और 295 मछुआरों की रिहाई तत्काल करने को कहा है क्योंकि उनकी नागरिकता की पुष्टि हो चुकी है।सरकार ने पाकिस्तान ने पाकिस्तानी जेलों में बंद संदिग्ध भारतीय कैदियों की मानसिक दशा की जांच के लिए भारतीय डॉक्टरों की एक टीम को जल्द वीसा प्रदान करने तथा संयुक्त न्यायिक समिति की यात्रा की तिथि तय करने का आग्रह किया है।

वेस्ट यूपी को नई उड़ान देगी मेट्रो से तीन गुना तेज रैपिड रेल

लखनऊ संवादाता। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में आने वाला इलाका अगले कुछ वर्षों में देश में तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में शामिल होगा जब मेरठ-दिल्ली एक्सप्रेस वे के बाद मेरठ-गाजियाबाद-दिल्ली रैपिड रेल परियोजना वेस्ट यूपी के लिए बड़ी सौगात बनेगी। परियोजना को समय से पहले पूरा करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। मेट्रो से तीन गुना तेज चलने वाली रैपिड रेल एनसीआर को नई उड़ान देने वाली है।

आधिकारिक सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार के ज्वाइंट वेंचर में बन रहे इस परियोजना का करीब 68 किमी का हिस्सा यूपी में है। साहिबाबाद से दुहाई के बीच 17 किमी का प्राथमिकता खंड 2023 तक और 2025 तक दिल्ली से मेरठ तक पूरा कॉरिडोर शुरू होने की उम्मीद है। परियोजना की लागत 30,274 करोड़ रुपए है। इसमें प्रदेश सरकार का करीब 17 फीसदी अंशदान है। इसके लिए राज्य सरकार ने अपने बजट में वित्त वर्ष 2021-22 में 1326 करोड़ रुपए आवंटित भी किए हैं। परियोजना पूरी होने के बाद डीएमआरसी और आरआरटीएस नेटवर्क सहित दिल्ली के मास ट्रांजिट सिस्टम की लंबाई 743 किमी होगी, जो लंदन क्रॉस रेल, हांगकांग एमटीआर और पेरिस आरईआर की लंबाई से अधिक है।

आरआरटीएस के महाप्रबंधक वीरेंद्र कुमार ने बताया कि यूपी सरकार की ओर से इस परियोजना के लिए पिछले साल करीब 650 करोड़ रुपए दिए गए थे। इसके अलावा करीब 20 सरकारी भूमि पर राज्य सरकार की ओर से कार्य करने की अनुमति दी गई है। उम्मीद है कि जल्द ही यह भूमि सरकार की ओर से हस्तांतरित की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार मेरठ-गाजियाबाद-दिल्ली रैपिड रेल परियोजना की लंबाई 82.15 किमी है। मेरठ में आरआरटीएस नेटवर्क पर स्थानीय परिवहन सेवाएं भी मिलेंगी। इसके लिए 21 किमी की दूरी में 13 स्टेशन बनेंगे। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर दो डिपो स्टेशनों सहित 24 स्टेशन होंगे। इसमें सराय काले खां, न्यू अशोक नगर, आनंद विहार, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो, मुरादनगर, मोदी नगर साउथ, मोदी नगर नॉर्थ, मेरठ साउथ, परतापुर, रिठानी, शताब्दी नगर, ब्रहमपुरी, मेरठ सेंट्रल, भैंसाली, बेगमपुल, एमईएस कॉलोनी, दौरली मेट्रो, मेरठ नॉर्थ, मोदीपुरम और मोदीपुरम डिपो शामिल हैं।

आरआरटीएस स्टेशनों को हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशनों, अंतरराज्यीय बस टर्मिनस (आईएबीसटी), दिल्ली मेट्रो स्टेशनों जैसे परिवहन के विभिन्न साधनों के साथ जोड़ा जाएगा। इससे यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने में सुविधा मिलेगी। फेज-1 के सभी 3 कॉरिडोर सराय काले खां में मिलेंगे और इंटरऑपरेबल होंगे, जिससे यात्रियों को बिना ट्रेन बदले एक से दूसरे कॉरिडोर तक यात्रा करने में मदद मिलेगी।

उन्होने बताया कि हर आरआरटीएस ट्रेन में बिजनेस क्लास कोच होंगे, जो संपन्न वर्ग को अपनी कारों, निजी वाहनों को छोड़ने और सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के शुरू होने से क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन के पक्ष में मोडल शेयर 37 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जो प्रदूषण को रोकने में मदद करेगा।

भाजपा के पूर्व सांसद शरद त्रिपाठी का निधन

देवरिया,संवादाता। उत्तर प्रदेश में संतकबीरनगर नगर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद रहे तथा देवरिया के सांसद रमापतिराम त्रिपाठी के बेटे शरद त्रिपाठी (50) का गुरूग्राम के मेदांता अस्पताल में बुधवार देर रात निधन हो गया।श्री त्रिपाठी लीवर की समस्या से लम्बे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। वह गोरखपुर में धर्मशाला इलाके में परिवार के साथ रहते थे। तबीयत खराब होने के बाद पूर्व सांसद को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।वर्ष 2014 का लोकसभा चुनाव वह संतकबीरनगर संसदीय क्षेत्र से जीते थे जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले ही उनका संतकबीरनगर के मेंहदावल सीट से भाजपा विधायक राकेश सिंह बघेल से विवाद हो गया था।

मुख्यमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करने वाले को नहीं मिली राहत

लखनऊ संवादाता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खण्डपीठ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में आरोपी नवाब सतपाल तंवर को मंगलवार को राहत नहीं दी ।

कोर्ट ने उसके खिलाफ दर्जएफआई आर को रद्द करने समेत आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है । आरोपी ने भीम सेना चीफ़ नामक ट्विटर हैंडल से विद्वेष पूर्ण संदेश जारी किए थे।

न्यायमूर्ति देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायामूर्ति अजय कुमार श्रीवास्तव प्रथम की खंडपीठ ने यह आदेश आरोपी की याचिका को खारिज करते हुए दिया है ।याची ने खुद के खिलाफ पुलिस द्वारा हजरतगंज थाने में बीती 20 फरवरी को दर्ज करायी गई प्राथमिकी को चुनौती देकर इसे खारिज करने समेत मामले में गिरफ्तारी पर रोक लगाने ली गुजारिश की थी। याचिका का विरोध करते हुए अपर शासकीय अधिवक्ता एस एन तिलहरी का कहना था कि याची ने संदेशों के जरिए सीएम समेत सरकार के खिलाफ लोगों में घृणा व अवमान पैदा करने की कोशिश किया, जो राज्य के विरुद्ध कृत्य था। लिहाजा वह राहत देने का पात्र नहीं है। तिलहरी के मुताबिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपी को राहत देने से इन्कार कर याचिका खारिज कर दी।

संतोष गंगवार का दावा - हम चुनाव जीत गए

बरेली संवादाता। उत्तर प्रदेश के बरेली में जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव के लिए मतदान की उलटी गिनती शुरू हो गयी है। मतदान तीन जुलाई को होगा। सामाजिक पृष्ठभूमि के तौर पर चुनाव में मुकाबला दो ग्रहणियों के बीच है। राजनैतिक दृष्टि से देखें तो भाजपा सदस्य संख्या के हिसाब से बहुमत से बहुत दूर है जब कि सपा जीत के करीब है। भाजपा कमजोर बाजी को जीत में पलटने के लिए केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संतोष गंगवार मैदान में आ गए है। उनके सहयोग के लिए प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष संतोष सिंह लखनऊ से बरेली आकर डेरा डाले हुए हैं।

राज्य मंत्री संतोष गंगवार से पूंछा गया कि भाजपा कमजोर बाजी को जीत में कैसे पलटेगी। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि कई दिन पुराना सवाल है। मतदान से दो दिन पहले उन्होंने दावा किया कि हम चुनाव जीत गए। कोई संशय नहीं है।

जिला पंचायत के साठ सदस्यों के सदन में चुनावी गणित के हिसाब से भाजपा के पास मात्र 13 सदस्य हैं. जब कि समाजवादी पार्टी को चुनाव जीतने के लिए मात्र 05 अन्य सदस्यों की जरुरत है . बसपा के 06 अपना भविष्य देख रहे हैं. ,14 निर्दलीय और एक सदस्य एएमआई एम का चुनाव की दिशा बदलने के लिए धर्मकांटे पर खड़े है।

26 सदस्यों के साथ समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती विनीता गंगवार को बड़े दमखम के साथ प्रदेश के पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार , पूर्व मंत्री अताउर्रहमान और पूर्व विद्यायक महिपाल सिंह चुनाव लड़ा रहे है। ज्येष्ठ पुत्र के एक महीना पूर्व देहांत के बावजूद पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार 24 घंटे जुटे है। .भगवत सरन गंगवार का आरोप है कि सपा उम्मीदवार को चुनाव से हटाने का बहुत हथकंडे अपनाये गए , लेकिन पार्टी प्रत्याशी निडर होकर चुनाव मैदान में डटी है। यदि सरकारी मशीनरी ने भाजपा प्रत्याशी की मदद नहीं की तो सपा उम्मीदवार की जीत तय है।

इस समय किसी भी दल का कोई भी जिला पंचायत सदस्य बरेली में नहीं है। गोवा ,मंसूरी ,उदयपुर की सैर पर है। वह दो जुलाई की रात तक बरेली आएंगे। तीन जुलाई को मतदान है। लेकिन इसमें खास बात यह है कि अधिकांश सदस्यों को हेल्पर की बैसाखी का सहारा लेना।

पिछले एक सप्ताह से केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार जीत का 31 का आंकड़ा पाने के लिए ,भूमिगत तौर पर क्या कर रहे है। किसी को पता नहीं है। 13 सदस्यों के बल पर भाजपा कैसे चुनाव जीतेगी यह सवाल गर्भ में है। आज अचानक गुरुवार की सुबह संतोष गंगवार ने दावा कर दिया कि भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में सपा और बसपा के सदस्यो के परिजन उनके संपर्क में है। हम चुनाव जीत गए। वहीँ प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष संतोष सिंह आज अचनाक दिखे दिए और बोले 60 सदस्यो में से भाजपा प्रत्याशी रश्मि पटेल को 31 नहीं 41 के आंकड़े की बात करो। संतोष सिंह आज कहा की केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार सात बार यूँ ही लोकसभा का चुनाव नहीं जीते है।

सड़क से सदन तक कांग्रेस लड़ेगी बेरोजगारों की लड़ाईः लल्लू

लखनऊ संवादाता। उत्तर प्रदेश सरकार पर बेरोजगारों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुये कहा कि कांग्रेस बेरोजगारों के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक रहेगी।

श्री लल्लू ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि योगी सरकार नौजवानों को नौकरी देने के मामले में सबसे फिसड्डी साबित हुयी है, ऊपर से जो नौकरियां आ भी रही हैं उनमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। ताजा मामला 69000 शिक्षक भर्ती का है जिसमें योगी सरकार ने पिछड़े वर्ग की लगभग 6000 सीटों पर अनियमितता की है।

अभ्यर्थी की शिकायत पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपनी जांच में भी 5844 सीटों पर उत्तर प्रदेश में आरक्षण घोटाला पाया। लेकिन सरकार इस संबंध में अभ्यर्थियों की मांग सुनने से लगातार इनकार कर रही है जिससे मजबूर होकर बेरोजगार नौजवानों को अपने हक के लिए सड़क पर आना पड़ गया।

उन्होने कहा कि राज्य की योगी सरकार बेरोजगारों के साथ धोखाधड़ी कर रही है। हक मांगने वालों को वह पुलिस से डराती धमकाती है। नौकरी देने के स्थान पर उन्हें लहुलुहान कर ईको गार्डन पहुंचाकर उनकी आवाज को दबाने का प्रयास करती है। भाजपा का चाल चरित्र और दोहरा चेहरा सबके सामने है। विपक्ष में रहने पर यह पिछड़ों को रिझाने के लिये बात करते है मगर सत्ता में आकर उनके अधिकार हड़पते है। सरकार ने हर भर्ती को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया।

श्री लल्लू ने कहा कि जब बेरोजगार नौजवान अपने हक के लिए खुद को पिछड़ों का प्रतिनिधि कहने वाले उपमुख्यमंत्री केशव मौर्या के आवास पर प्रदर्शन करते हैं तो नौकरी व न्याय तो नहीं मिलता लेकिन लाठियां जरूर मिलती हैं। 69000 शिक्षक भर्ती में पिछड़ों, आदिवासियों व दलितों के साथ धोखा हुआ है। सरकार ने पिछड़े दलितों के अधिकारों के साथ डाका डाला है लेकिन कांग्रेस इनकी आवाज दबने नहीं देगी सड़क से सदन तक इनकी आवाज उठाएंगे और जब तक न्याय नहीं मिल जाता हम इनका साथ देंगे।

उन्होंने योगी सरकार से मांग करते हुए कहा कि नौकरियां तत्काल बहाल करे। कांग्रेस संविधान की मूलधारा को समाप्त नहीं होने देगी। वंचितों के न्याय के लिए संघर्ष करती रहेगी।

बेला और चमेली की खुशबू से महकेगा राम वनगमन मार्ग

लखनऊ,संवादाता। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार त्रेता युग में भगवान राम के वनगमन मार्ग यानी अयोध्या से चित्रकूट के बीच के मार्ग में बेली,चमेली के अलावा अशोक,पारिजात और जामुन आदि के वृक्ष रोपेगी।

रामायण कालीन वृक्षों की छांव से त्रेता युग के परिवेश को जीवंत किया जायेगा जहां बेला और चमेली से पूरा रास्ता महकेगा वहीं जगह जगह लगने वाले कदम,रसाल,अशोक,पारिजात,और जामुन आदि के वन त्रेतायुग के परिवेश को पूरी तरह जीवंत करेंगे। हर जगह स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में पौधरोपण की शुरुआत वैदिक रीति से होगी।

वनवास होने पर भगवान श्रीराम जिस रास्ते से गुजरे थे, उसे पौराणिक ग्रन्थों में रामवनगमन मार्ग के नाम से जाना जाता है। महर्षि बाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में अयोध्या और इस मार्ग पर 88 वृक्ष प्रजातियों का वर्णन मिलता है। मुख्यमंत्री की मंशा राम वनगमन मार्ग और उसके अगल-बगल पड़ने वाले ग्राम सभाओं में इसी प्रजाति के वृक्ष और वन लगाने की है। इसमें वृक्षों के अलावा झाड़ियां, लता और घास भी शामिल हैं।

वन जाते समय भगवान श्रीराम ने तमसा नदी के किनारे पहली रात गुजारी थी। इस जगह को रामचौरा (गौराघाट) के नाम से भी जाना जाता है। इसी तरह बिसुही नदी के किनारे गविरजा माता के मंदिर पर भी पौधरोपण होना है। बिसुही नदी को पार करने के पूर्व इस मंदिर में भी भगवान श्री राम ने पूजा अर्चना की थी। राम वनगमन मार्ग पर पडने वाले धार्मिक स्थलों पर मिश्रित प्रजातियों के पौधों का पौधरोपण होना है।

खेत मे सो रहे किसान की गला काट कर हत्या

इटावा संवादाता। उत्तर प्रदेश में इटावा के बसरेहर इलाके के चकवा खुर्द गांव में एक किसान की उस समय गला काटकर हत्या कर दी गई जब वह अपने खेत पर फसल की रखवाली के लिए सो रहा था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. बृजेश कुमार सिंह ने आज यहां कहा कि किसान की खेत पर सोते समय हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है । जांच पुलिस कर रही है । शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ।किसान की हत्या की वारदात रात को किस समय हुई इस बात का अंदाजा नही लगाया जा पा रहा है क्यो कि गांव मे दो दो शादियॉ थी इस कारण अधिकाधिक गांव वाले शादी समारोह मे शामिल रहे ।आज तड़के इस घटना की जानकारी मिलने के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया ।हत्या के शिकार हुए किसान का नाम अनिल बाथम है जिसकी उम्र 45 वर्ष है। अनिल के परिवार मे एक बेटा दो बेटियॉ और पत्नी है ।

पुलिस मुठभेड़ में सिपाही घायल,दो बदमाश गिरफ्तार

बस्ती संवादाता। , उत्तर प्रदेश मे बस्ती के लालगंज इलाके के पाकरडांड से भवानीगंज रोड पर हुई पुलिस मुठभेड़ मे बदमाशों की फायरिंग में एंटी नारकोटिक्स टीम के कांस्टेबल तथा दोनो बदमाश घायल हो गये ।घायलो को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

पुलिस सूत्रो ने यहां यह जानकारी दी। उन्होने कहा कि गुरुवार भोर में लालगंज के पाकरडांड से भवानीगंज रोड पर हुई मुठभेड़ में बदमाशों की फायरिंग में एंटी नारकोटिक्स टीम के कांस्टेबल रमेश कुमार गुप्ता घायल हो गए । पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश दीपक और चंदन निषाद के पैर में गोली लगी है । घायलो को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है ।गौरतलब है कि 20 जून की देर रात तीन बदमाशों ने गल्ले में रखा शराब बिक्री का लगभग दो लाख रुपया लूट लिया था शोर मचाने पर सेल्समैन को जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले थे । मुंशी रामदयाल की तहरीर पर पुलिस ने लूट का केस दर्ज किया था । दोनों बदमाशों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में पकड़ा गया 25 हजार का ईनामी हत्यारोपी

झांसी संवादाता। उत्तर प्रदेश में झांसी के एरच थानाक्षेत्र पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में 25 हजार का ईनामी हत्यारोपी बदमाश और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया गया है ।मामले पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शिवहरि मीणा ने गुरूवार को बताया कि देर रात एरच थानाक्षेत्र में पुलिस चेकिंग के दौरान टोल पर दो युवक आते दिखायी दिये। चेकिंग कर रही पुलिस पार्टी ने उन्हें रोका लेकिन रूकने की जगह दोनों युवक भागने लगे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया लेकिन वह फायरिंग करते हुए भागने लगे जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल भी हुआ। इसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की जिसमें एक युवक के पैर में गोली लगी। पुलिस ने दूसरे युवक को भी गिरफ्तार कर लिया ।दोनों को थाने लाकर जब पूछताछ की गयी और दोनों की पहचान की गयी तो ज्ञात हुआ कि कुछ दिन पूर्व ही एरच थानाक्षेत्र में हुई एक हत्या के यह मुख्य आरोपी थे। जिस युवक के पैर में गोली लगी थी उसकी पहचान रामप्रताप उर्फ पप्पू तथा दूसरे अभियुक्त की पहचान हिम्मत सिंह उर्फ कल्लू पाल पुत्र लाखन पाल निवासी गोकुल के रूप में हुई है ।गौरतलब है कि 27 जून को थाना एरच के ग्राम गोकुल निवासी नेपाल सिंह की गांव के ही रामप्रताप उर्फ पप्पू और दो अन्य साथियों ने हत्या कर दी थी।

25 हजार का इनामी वांछित पकड़ा गया

बुलंदशहर संवादाता। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले की डिबाई थाना पुलिस ने लूट डकैती घटना में वांछित चल रहे ?25000 के इनामी बदमाश विकेश को 315 बोर के तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने आज यह जानकारी देते हुए बताया कि डिबाईथाने के प्रभारी निरीक्षक सुभाष सिंह पुलिस दल के साथ बुधवार की रात में रोड चेकिंग में लगे थे उसी समय सूचना मिली की डकैती लूट की घटना में वांछित ?25000 का इनामी विकेश उर्फ जितेंद्र निवासी बघराई थाना खुर्जा देहात दानपुर चौराहे के पास पहासू मोड़ पर कहीं जाने के लिए खड़ा है ।

सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया उसके पास से 315 बोर बोर का देशी तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं ।विकेश शातिर किस्म का बदमाश है ।उसने पिछले 25 दिसंबर को अपने साथियों के साथ मिलकर बिजनौर के व्यापारी नीरज शर्मा उसके भाई भानु शर्मा, के साथ उस समय लूटपाट की थी जब वे दोनों अपनी बोलेरो से बिजनौर की ओर जा रहे थे 1लुटेरे दोनों भाइयों को अपने साथ अपनी एक्सयूवी गाड़ी में बंधक बनाकर उनकी बोलेरो को भी अपने साथ ले गए ।बाद में दोनों भाइयों को धनोरा के जंगल में फेंक कर उनकी बोलेरो सहित फरार हो गए थे।

25 हजार का इनामी वांछित पकड़ा गया

बुलंदशहर संवादाता। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले की डिबाई थाना पुलिस ने लूट डकैती घटना में वांछित चल रहे ?25000 के इनामी बदमाश विकेश को 315 बोर के तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने आज यह जानकारी देते हुए बताया कि डिबाईथाने के प्रभारी निरीक्षक सुभाष सिंह पुलिस दल के साथ बुधवार की रात में रोड चेकिंग में लगे थे उसी समय सूचना मिली की डकैती लूट की घटना में वांछित ?25000 का इनामी विकेश उर्फ जितेंद्र निवासी बघराई थाना खुर्जा देहात दानपुर चौराहे के पास पहासू मोड़ पर कहीं जाने के लिए खड़ा है ।

बदमाश व्यवसायी को गोली मारकर नकदी लूटकर फरार

चंदौली,संवादाता। उत्तर प्रदेश के चंदौली में हथियारबंद बदमाश व्यवसायी को गोली मार कर 90 हजार रुपये लूटकर फरार हो गये।

नौगढ़ की पुलिस उपाधीक्षक श्रुतिगुप्ता ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देवरा गांव निवासी महेश केशरी नमकीन बिस्कुट और मसाले ,किराने के दुकानदारों को माल सप्लाई करते है। बुधवार देर रात वह अपने चचेरे भाई चंदन केशरी के साथ बरवाडीह बाजार से सत्यनारायणपुर- पचकेड़िया के रास्ते फुटकर दुकानदारों को माल सप्लाई करने के बाद मैजिक वाहन पर सवार होकर घर लौट रहे थे। रास्ते में बाइक सवार तीन बदमाशों ने मैजिक का रास्ता रोक लिया और रुपयों का थैला छीनने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने उसे गोली मार दी और रुपए ,मोबाइल और मैजिक की चाबी छीनकर फरार हो गये।

उन्होंने बताया कि सूचना पर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष राजेश सरोज ने महेश केशरी को गंभीर हालत में सीएचसी नौगढ़ पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बीएचयू वाराणसी रेफर कर दिया ।उन्होंने बताया कि लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमों को लगाया गया है।

शिक्षक का शिष्य अखिलेश को 'विजयी भव:' का आशीष

इटावा संवादाता। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के शैक्षिक गुरू अवध किशोर बाजपेई को यकीन है कि उनका योग्य शिष्य 2022 में न सिर्फ राज्य की सत्ता की बागडोर एक बार फिर अपने हाथ में लेगा बल्कि भविष्य में प्रधानमंत्री का पद हासिल करेगा।

जिले के सिविल लाइन इलाके के निवासी सेवानिवृत्त अंग्रेजी के प्रवक्ता अवध किशोर बाजपेई ने गुरूवार को 'यूनीवार्ता' से कहा अखिलेश यादव मेरे प्रिय शिष्यों में शामिल है जो योग्य और जुझारू हैं और प्रदेश की जनता की भलाई के लिये समर्पित हैं। 2022 मे उत्तर प्रदेश की कमान उनके हाथ में एक बार फिर से होगी, इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिये।

उन्होने कहा कि अपने जुझारूपन और सच के रास्ते में चलने की आदत उनको जनता के बीच लोकप्रिय बना रही है। उनकी नेतृत्व क्षमता पर देश के लगभग सभी राजनीतिक दलों को भरोसा है। यहां तक कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी उनकी लोकप्रियता से डरती है और उन्हे विजय की राह में सबसे बड़ी बाधा मानती है और यही एक सच्चे जनसेवक की पहचान है। उन्होने कहा कि आने वाले दिनो में श्री यादव के देश का प्रधानमंत्री बनने की प्रबल संभावनाये हैं।

कचहरी रोड पर रहने वाले अवध किशोर बाजपेई कर्म क्षेत्र इंटर कालेज से रिटायर हो चुके हैं। अंग्रेजी के शिक्षक रहे अवध किशोर बाजपेई को शुरुआती दौर में अखिलेश यादव को उस समय अंग्रेजी पढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई जब अखिलेश पढ़ाई में काफी कमजोर थे। हालांकि 2012 में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज हो चुके अखिलेश धारा प्रवाह अंग्रेजी मे माहिर खिलाडियो को मात देते है।

श्री बाजपेई उस दिन को याद करते हैं जब मुलायम सिंह यादव ने सेंट मेरी स्कूल में अखिलेश की पढ़ाने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी थी । इसके बाद बाजपेई ने ही अखिलेश यादव को सैनिक स्कूल के लिए तैयार किया और खुद वर्ष 1983 में अखिलेश यादव को धौलपुर के मिलिट्री स्कूल लेकर के गए। अखिलेश ने छठी क्लास में दाखिले के लिए परीक्षा दी थी। उन्होने कहा कि एक बार प्रिंसिपल ने अखिलेश से अंग्रेजी में पूछा कि हेलमेट का क्या काम है, अखिलेश ने बेझिझक होकर अंग्रेजी में जवाब दिया कि यह शरीर की रक्षा के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि मस्तिष्क शरीर का संचालक होता है और हेलमेट मस्तिष्क एक की रक्षा करता है।

12 साल के बच्चे से ऐसा साफ-साफ जवाब सुनकर के प्रिंसिपल ने अखिलेश को तुरन्त दाखिला दे दिया ।बाजपेई बताते हैं उस वक्त भी अखिलेश को इस बात का गुरूर नहीं था कि मुलायम सिंह यादव के बेटे हैं बल्कि वो शुरुआत से ही काफी विनम्र थे । खास बात तो यह है कि अखिलेश आज भी बहुत ही विनम्र और मृदुभाषी है ।

श्री बाजपेई बताते हैं कि वह अक्सर अखिलेश के चाचा शिवपाल सिंह यादव के साथ,जो धौलपुर जाकर उनकी पढ़ाई के संबंध में जानकारी लिया करते थे । अखिलेश कक्षा सात के रहे होंगे, वो शिवपाल और उनकी पत्नी धौलपुर छोडने के लिए गये तो अखिलेश ने ताजमहल देखने के इच्छा जताई जिसकी तस्वीर आज भी सुरक्षित रखी हुई है। बाजपेई के पास अखिलेश यादव का वो अंतर्रदेशीय पत्र आज भी यथावत रखा हुआ है जो अखिलेश यादव ने धौलपुर से अपने शैक्षिक गुरू अवध किशोर बाजपेई को क्लास मे प्रमोशन के बाद लिखा था ।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का धौलपुर राजस्थान से गहरा जुड़ाव रहा है । राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में 12 वीं तक पढ़ाई के दौरान अखिलेश धौलपुर में ही रहे हैं ।इटावा के सेंट मैरी स्कूल में तीसरी क्लास में अखिलेश के साथी रहे मुकेश पालीवाल का कहना है कि अखिलेश को बचपन से ही राजनीति का फलसफा पता था । वह याद करते हैं कि उन्होंने लोक दल के दिनो मे उनके घर में लोकदल के बिल्ले हुआ करते थे । जिनको लाकर वे हम लोगों को दिया करते थे ।तब हम को बिल्लो का मतलब भी नहीं पता था हम तो बस उन्हें खिलौना ही समझते थे लेकिन बीते कुछ सालों में मैं समझ गया कि अखिलेश में शुरू से राजनीति मे नेतृत्व करने के गुण थे।अखिलेश की जिंदगी से जुड़ी एक बात ऐसी भी है जो बहुत से कम ही लोगों को नहीं पता होगी ।लोगों को यह तो पता होगा कि उनके बचपन का नाम दीपू था लेकिन यह नहीं पता होगा कि अखिलेश जब सेंट मेरी स्कूल में दाखिले के लिए पहुंचे तो उनके साथ ना मुलायम थे ना से ही शिवपाल उनके साथ अवध बिहारी वाजपेई के अलावा परिवार के एक करीबी वकील गए थे ।जब वहां अखिलेश से नाम पूछा गया तो अखिलेश ने अपने घर का नाम दीपू ही बता दिया जब वहां कहा गया कि यह नाम नहीं लिखा जा सकता तो आनन-फानन में वही उनका नाम की उनसे अखिलेश हो गया।

अखिलेश के शैक्षिक गुरु अवध किशोर ने बताया कि कक्षा छह में अखिलेश का चयन धौलपुर सैनिक स्कूल में हो गया था। बाद के दिनों में संभवत मुलायम सिंह के राजनीति में होने के चलते अखिलेश ने भी राजनीति में पदार्पण किया, नहीं तो आज वे भारतीय सेना में जनरल होते । उनका कहना है कि अखिलेश का कद ही उनकी गुरु दक्षिणा है।

अवध किशोर ने बताया कि मुलायम सिंह यादव ने 1981 में अपने लगभग 10 साल के बेटे टीपू (बचपन के अखिलेश यादव) का हाथ उनको थमाकर उनकी पढ़ाई का जिम्मा सौंपा था।

विश्वविद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्य समय सीमा पर हो पूरे:आनंदीबेन

लखनऊ,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि समस्त कार्यदायी संस्थाएं विश्वविद्यालय में चल रहे निर्माण कार्यों को समयबद्धता एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करना सुनिश्चित करें और किसी भी दशा में निर्माण कार्य की लागत धनराशि एवं समय सीमा में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।

यह निर्देश श्रीमती पटेल ने आज राजभवन से वर्चुअली समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य के लिए स्टीमेट पूर्णतया सोच समझकर बनाए ताकि भविष्य में स्टीमेट रिवाइज न कराना पड़े।

उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं की उदासीनता के कारण निर्माण कार्यों में हो रहे विलम्ब एवं उनकी लचर कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई तथा निर्देश दिये कि प्रत्येक दशा में तय सीमा के अन्दर निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरे किये जाएं। समय पर कार्य पूर्ण न करने वाली संस्थाओं पर उन्होंने कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

कुलाधिपति ने कुलपतियों को निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय में चल रहे निर्माण कार्यों के अनुश्रवण के लिए कमेटी का गठन करें तथा प्रति माह राजभवन को कार्यों के प्रगति की रिपोर्ट भेजें। उन्होंने लम्बे समय से चल रहे निर्माण कार्यों के अभी तक पूर्ण न होने वाली कार्यदायी संस्थाओं को कड़ी फटकार लगायी तथा इसकी विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री को प्रेषित करने के निर्देश भी दिये।

राज्यपाल ने कहा कि जब भी किसी निर्माण कार्य के लिए कार्य योजना बनती है तो उसको विश्वविद्यालय में शुरू करने से पूर्व समस्त कुलपति कार्यदायी संस्था से उसके कार्य की पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता से पूर्ण करने के लिए वन टाइम एग्रीमेंट करें तथा उसके अनुश्रवण के लिए तकनीकी विंग के साथ समय-समय पर कार्य की प्रगति एवं समय की समीक्षा भी करें। उन्होंने कहा कि कार्य शुरू करने से पूर्व डिजाइन के संबंध में भली प्रकार विचार-विमर्श कर लिया जाय ताकि बाद में डिजाइन के परिवर्तन में किसी प्रकार की गुंजाइश न रहे।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य शुरू करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करें तथा यदि कहीं से अनापित्त प्रमाण पत्र लिया जाना है तो समयानुसार उसे भी प्राप्त कर लें। राज्यपाल जी ने कुलपतियों को निर्देश दिया कि राजभवन द्वारा मांगी गयी सभी सूचनाएं निर्धारित समय सीमा तथा निर्धारित फार्मेट पर भेजें तथा भेजने से पूर्व इस बात को सुनिश्चित कर लिया जाय कि भेजी जा रही सूचनाएं पूर्णतया सत्य हैं।

बैंके में कार्यरत महिलाओं के लिए'सखी परियोजना' अनुठा प्रयास : आनंदीबेन

लखनऊ,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्टेट बैंक की 'सखी परियोजना' की शुरूआत करते हुए कहा कि उनके संस्थान में कार्यरत महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए ये एक अनुठा प्रयास है।

श्रीमती पटेल ने आज राजभवन में बैंक में कार्यरत महिला कर्मियों के लिये मानव संसाधन की ओर से एक अनोखी पहल करते हुये 'सखी परियोजना' की शुरूआत की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बैंक द्वारा उनके संस्थान में कार्यरत महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए ये एक अनुठा प्रयास है। इस प्रकार के प्रयासों से कार्य स्थल पर कार्यरत महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है तथा एक सुन्दर माहौल मिलने से उनकी कार्य क्षमता में भी वृद्धि होती है।

उन्होंने सभी सखियों से बातचीत की तथा इस अनोखी हल को सफल बनाने हेतु बधाई दी। राज्यपाल जी ने सखियों का उत्साहवर्धन करते हुये उन्हें सशक्त कर्मचारी बनाने के लिये प्रेरित किया।

इस मौके पर बैंक के लखनऊ मण्डल के मुख्य महाप्रबन्धक अजय कुमार खन्ना ने बताया कि 'सखी परियोजना' अपनी सफलता के दूसरे वर्ष में प्रवेश करते हुये उत्थान की ओर अग्रसर है। हमारा प्रयास है कि नवनियुक्त महिला कर्मी हमारी बैंकिंग व्यवस्था को आत्मसात कर निर्भय होकर कार्य करते हुये अपने कैरियर को आगे बढ़ाएं।

उन्होंने बताया कि सखी परियोजना के अन्दर महिला कर्मी को अपने कार्य स्थल पर कार्य शैली, जीवन चर्या व वातावरण में किसी प्रकार की असुविधा हो रही है तो वह सखी से विचार-विमर्श करते हुये उसे उच्च प्रबन्धन के संज्ञान में लाती है, जिससे उस समस्या के निराकरण के लिए निर्धारित पॉलिसी गाइड लाइन पर विचार करते हुये समस्या के समाधान हेतु हर सम्भव उपाय किये जाते हैं ताकि नवनियुक्त महिला कर्मियों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि वर्तमान में लखनऊ मण्डल में 366 नवनियुक्त महिला कर्मी हैं, जिनका मार्गदर्शन 50 सखियों द्वारा किया जा रहा है।

इस अवसर पर बैंक अधिकारी एवं टीम सखी के सदस्यगण उपस्थित थे।

'आप' की रोजगार गारंटी पदयात्रा

लखनऊ,ब्यूरो। बेरोजगारी के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को घेरने वाले दलों की फेहरिस्त में खुद को शामिल करते हुये आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरूवार को प्रयागराज से रोजगार गारंटी पदयात्रा की शुरूआत की।

पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता वैभव माहेश्वरी ने पत्रकारों से कहा कि यूपी की सबसे बड़ी व्यथा यहां की बेरोजगारी है और सरकार में बैठे लोग अपने अहंकार और अज्ञानता के कारण इसकी वजह बने हुए हैं। आज देश एवं प्रदेश के सारे किसान और नौजवान जिनको अपने खेत में, अपने काम पर होना चाहिए था वो सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है। अपने हक के लिए आवाज उठाने पर किसानों के ऊपर फर्जी मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं उन्हें खालिस्तानी और पाकिस्तानी बताया जा रहा है तो वही नौकरी मांगने पर नौजवानों को लाठियों से पीट कर जेल भेजा जा रहा है।उन्होने कहा कि सड़कों पर बेरोजगारी के खिलाफ जारी इस आंदोलन को मतदान स्थल तक पहुंचाने के लिए आम आदमी पार्टी की रोजगार गारंटी पदयात्रा शुरू हुई है जिसे पार्टी के प्रदेश प्रभारी राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने हरी झंडी दिखाकर सीवाईएसएस के प्रदेश अध्यक्ष वंश राज दुबे के नेतृत्व में रवाना किया है। इसका समापन आठ जुलाई को लखनऊ में होना है। यह यात्रा पूरे प्रदेश में बेरोजगारी के खिलाफ आंदोलित नौजवानों को एक सूत्र में पिरोने का काम करेगी।श्री माहेश्वरी ने कहा कि परिवर्तन से ही प्रदेश में यह समस्या खत्म होगी। इसलिए सभी नौजवानों से अपील की जाएगी कि बेरोजगारी के खिलाफ अपने आंदोलन को वो आम आदमी पार्टी की रोजगार गारंटी यात्रा के साथ जोड़कर मतदान स्थल तक पहुंचाएं। आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश के नौजवान पोलिंग बूथ पर ऐसी झाड़ू चलाएं कि भाजपा का सफाया हो जाए।

यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले 336 लोगों का चालान

लखनऊ,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में यातायात पुलिस ने नियमों की अनदेखी करने वाले 264 लोगों का बृहस्पतिवार को ई-चालान किया।

पुलिस प्रवक्ता ने आज शाम यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस ने लखनऊ शहर के विभिन्न चौराहो एवं तिराहो पर दो पहिया वाहन पर बगैर हेलमेट, तीन सवारी, बिना नम्बर वाहन और ओवर स्पीड आदि के सम्बन्ध में चेकिंग की गई।

इस दौरान प्रवर्तन टीमों ने दो पहिया वाहन पर हेलमेट न/न लगाने वाले 109 ,तीन सवारी बैठाने पर 05 लोगों का,नो-पार्किंग में किए गए चालान 110 जबकि गलत दिशा में चलने वाले 04 लोगों का चालान किया। चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले 23 लोगों का चालान किया गया। इसके अलावा अन्य मामलो में 40 से अधिक लोगों के चालान किए गये ।

प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान पुलिस ने जुर्माने के तौर पर तीन लाख 05 हजार रुपये शमन शुल्क के रुप में वसूले गये।

मॉर्निंग वॉकर को फूल देकर पुलिस बोली गुड मॉर्निंग कानपुर और जानी समस्याएं.

लखनऊ,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नगरी कानपुर में मॉर्निंग वॉकरों को हो रही असुविधा व लूट, छेड़छाड़,चेन स्नेचिंग की घटनाओं को रोकने के लिए कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने एक अनोखी पहल की शुरुआत की है जिसके तहत मॉर्निंग वॉकरों की सुरक्षा व सुविधाओं को लेकर बड़ा कदम उठाया है।

पुलिस ने कानपुर के मॉर्निंग वॉक स्पॉट को चिन्हित किया है। उन स्थानों पर पुलिस वर्दी व सादे कपड़ो में मौजूद रहने के निर्देश भी दिए गए हैं । इसी के साथ मॉर्निंग वॉक करने निकले लोगों को सुरक्षित होने का एहसास कराते हुए होने वाली सुविधाओं के बारे में भी जानकारी एकत्र की गई है। मित्र पुलिस का एहसास कराते हुए गुड मॉर्निंग कानपुर कहकर मॉर्निंग वॉक करने के लिए लोगों का पुलिस ने अभिनंदन भी किया और बातचीत कर एक रिपोर्ट तैयार की । रिपोर्ट पुलिस आयुक्त को सौंपी गई है।

पुलिस कमिश्नरेट कानपुर शहर की कानून व्यवस्था को सुधारने के साथ ही अब मॉर्निंग वॉकर्स की सुरक्षा व सुविधा को ठीक करने की तैयारी में है।बुधवार को पुलिस आयुक्त असीम अरुण ने तीनों जोन के डीसीपी से अपने क्षेत्र के मॉर्निंग वॉक वाले स्थानों का निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए रिपोर्ट मांगी जिसके चलते पुलिस उपायुक्त पूर्वी अनूप कुमार सिंह ने नानाराव पार्क का निरीक्षण किया और इस दौरान मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों को गुड मॉर्निंग कानपुर बोलते हुए लोगों से बातचीत करना शुरू करें तो लोगों ने खुलकर अपनी समस्याओं को बताना भी शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस उपायुक्त पूर्व अनूप कुमार सिंह ने पाया कि नानाराव पार्क का सुबह गेट ही नहीं खुला था। लोग सड़क पर टहलने को मजबूर थे। पार्क के अंदर आवारा कुत्ते घूम रहे थे। कुछ भिखारी टहलने वाले रास्ते में आकर लोगों को भीख मांगकर परेशान कर रहे थे। तो वही पुलिस उपायुक्त पश्चिम संजीव त्यागी ने सुबह कारगिल पार्क, तुलसी उपवन, गंगा बैराज का निरीक्षण किया गया और पुलिस उपायुक्त पश्चिम संजीव त्यागी ने भी मॉर्निंग वॉक करने निकले लोगों को गुड मॉर्निंग कानपुर कहते हुए बातचीत करना शुरू की ।पुलिस उपायुक्त से कहा कि हमारे वाहनों की सुरक्षा का कोई इंतजाम होना चाहिए ।पुलिस उपायुक्त दक्षिण रवीना त्यागी ने संजय वन और जेके मंदिर का निरीक्षण किया ।वहां बेतरतीब ढंग से ठेले व दुकानें लगी हुई मिलीं, जिसे व्यवस्थित ढंग से लगवाने के निर्देश दिए ।इस दौरान पहले निकले कुछ लोगों ने बताया कि दोपहर के वक्त कुछ लोग यहां आकर शराब पीते हैं और अभद्रता करते रहते हैं ।जिन्हें रोकना जरूरी है। जिस की समीक्षा रिपोर्ट तैयार करने के बाद तीनों जोन के डीसीपी ने पुलिस आयुक्त को से दी है।

लखनऊ में मानव तस्करी करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार,12 नाबालिग बरामद

लखनऊ,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की लखनऊ पुलिस ने चिनहट इलाके से मानव तस्करी करने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 12 नाबालिगों को बरामद किया।

पुलिस प्रवक्ता ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चिनहट पुलिस और अपराध शाखा की टीम ने सूचना मिलने पर बुधवार को संयुक्त रुप से कार्रवाई करते हुए इन्दिरा नहर चौकी बीबीडी कॉलेज इलाके से मानव तस्करी करने वाले पांच आरोपियों गुल्फराज,मो नस्तक,मो शहनवाज,शाहिल, शाकिर आलम को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 12 नाबालिगों को बरामद किया।

दूध कारोबार की बदलती फिजा के बीच डेयरी उद्योग में प्रचुर रोजगार

लखनऊ,ब्यूरो। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में देश में अव्वल उत्तर प्रदेश में पिछले चार वर्षों में 172 करोड़ का निवेश कर अमूल समेत छह निवेशकों ने अपने डेयरी प्लांट स्थापित किए हैं जबकि सात डेयरी प्लांट लगाए जाने की कार्रवाई की जा रही हैं। इसके अलावा 15 निवेशकों ने अपनी यूनिट लगाने के लिए प्रस्ताव दिया।

आधिकारिक सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि दूध उत्पादन के क्षेत्र में बड़े निवेशकों द्वारा लगाए जा रहे उद्यमों के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजागर मिला हैं। अब गांव -गांव में गाय तथा भैस पालकर दूध का कारोबार करने वाले ग्रामीणों की संख्या लगातार बढ़ रही हैं। कुल मिलाकर अब यह दावा किया जा सकता है कि यूपी में दूध का कारोबार ग्रामीणों को रोजगार मुहैया करा रहा है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार यूपी का भारत में कुल दूध उत्पादन में 17 फीसदी से ज्यादा हिस्सा है। प्रदेश सरकार के प्रयासों से दुग्ध उत्पादन में यूपी पूरे देश में अव्वल है। वर्ष 2016-17 में यूपी में 277.697 लाख मीट्रिक टन दूध का उत्पादन हुआ था, जो 2020-21 में बढ़कर 318.630 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। दूध उत्पादन में हुआ यह इजाफा सरकार की नीतियों का नतीजा बताया जा रहा।

अधिकारियों के अनुसार राज्य में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने ग्रीनफील्ड डेयरियों की स्थापना करने की शुरुआत की। यह ग्रीन फील्ड डेयरियां कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, मेरठ, बरेली, कन्नौज, गोरखपुर, फिरोजाबाद, अयोध्या और मुरादाबाद में स्थापित की जा रही हैं। इस योजना को सहयोग देने के लिए झांसी, नोएडा, अलीगढ़ और प्रयागराज की चार पुरानी डेयरियों के उच्चीकरण का कार्य भी कराया जा रहा है। सरकार के प्रयासों के बीच देश के बड़े निवेशकों ने राज्य में अपनी डेयरी यूनिट लगाने की पहल की। देखते ही देखते गाजीपुर में पूर्वांचल अग्रिको, बिजनौर में श्रेष्ठा फ़ूड, मेरठ में देसी डेयरी, गोंडा में न्यू अमित फ़ूड , बुलंदशहर में क्रीमी फ़ूड और लखनऊ में सीपी मिल्क फ़ूड की डेयरी यूनिट लग गई है और अन्य लोगों की डेयरी यूनिट लग रही हैं।

वही दूसरी तरफ राज्य में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार गोवंश संरक्षण केंद्र एवं गोवंश वन्य बिहार का निर्माण करा रही है। इनमें से 118 केंद्र का निर्माण कार्य पूरा भी हो चुका है। इसके अलावा मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के अंतर्गत 66 हजार से अधिक गोवंश, इच्छुक पशु पालकों की सुपुर्दगी में दिए गए हैं। गोवंश पालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने गोकुल पुरस्कार और देशी गोवंश की गाय से सर्वाधिक दूध उत्पादक को नंदबाबा पुरस्कार देने शुरू किया है। गांवों में ग्रामीण दूध कारोबार से जुड़े इसके लिए सरकार प्रदेश में पंजीकृत 12 लाख से अधिक दूध किसानों का क्रेडिट कार्ड दे रही है।

सूत्रों ने बताया कि सरकार की इस योजना को ग्रामीण हाथो-हाथ ले रहें हैं। क्योंकि यूपी के 75 जिलों में करीब 21,537 दूध समितियां हैं, इसमें लगभग 1279,560 पंजीकृत दूध उत्पादक जुड़े हुए हैं। यह सभी लोग किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ लेने में रुचि ले रहे हैं। किसानों को दूध कारोबार के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ ही प्रदेश सरकार पशुओं की नस्ल सुधार के लिए पशुओं का टीकाकरण करा रही है। सरकार के इन प्रयासों के चलते राज्य में दुधारू पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जिसके चलते हर वर्ष सूबे में दूध उत्पादन बढ़ाता जा रहा है और ग्रामीण इलाकों में अब दूध के कारोबार से लोगों को रोजगार मिल रहा है।

दिमागी बुखार और कोरोना को रोकने के लिए सभी का प्रयास जरूरी : निरंजन

लखनऊ,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के देवरिया में आज से प्रारम्भ संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारम्भ करते हुए जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने कहा कि दिमागी बुखार और कोरोना को रोकने के लिये हम सभी को सार्थक प्रयास करना चाहिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि दिमागी बुखार और कोविड 19 को रोकने के लिये हम सभी हर संभव प्रयास करना चाहिये, इसके लिये साफ सफाई को अपनाये जाने के साथ ही जल जमाव नहीं होने देने के लिये कार्य करना चाहिये। उन्होंने सभी से इस अभियान में आपसी समन्वय सहभागिता के साथ कार्य किये जाने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने व अपने आस पास की साफ सफाई का पूरा ध्यान रखना चाहिये। शौच के बाद साबुन से हाथ धोने, घर के बाहर हमेशा मुँह व नाक को मास्क से ढंकने और दो गज कर दूरी बनाये रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिये कि यदि कोई बच्चा हमारे गांव में बुखार से पीडित होगा तो उसके परिवार को इलाज के लिये सरकारी अस्पताल जाने हेतु प्रेरित करेंगे।

कोविड प्रभावित व्यक्तियों या उनके लिये कार्य कर रहे किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करेंगे। हम सभी को मिल कर दिमागी बुखार एवं कोविड-19 एवं अन्य संक्रामक रोगों को हराना है।

यूपी में बुधवार को रिकार्ड 24,926 मेगावाट बिजली की आपूर्ति

लखनऊ,ब्यूरो। भीषण गर्मी और उमस के बीच उत्तर प्रदेश में बुधवार को मांग के सापेक्ष रिकार्ड 24 हजार 926 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की गयी।ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने इस उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों के सफल क्रियान्वयन को दिया।

साथ ही कहा कि बिजली विभाग के कर्मचारियों की कड़ी मेहनत की बदौलत यह संभव हो सका।उन्होने ट्वीट किया 30 जून को प्रदेश में बिजली की अब तक की सर्वाधिक मांग 24926 की आपूर्ति की गई। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की सरकार के सफल क्रियान्वयन व ऊर्जा परिवार के सभी कार्मिकों की मेहनत को जाता है।

कोरोना संक्रमित मरीजों की होगी जीनोम सिक्वेंसिंग

लखनऊ,ब्यूरो। कोरोना वायरस के नये वैरिएंट डेल्टा प्लस को लेकर सतर्क उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में एक दिन में मिले कोरोना संक्रमित 19 नये मामलों की जीनोम सिक्वेंसिंग कराने के निर्देश दिये है।

श्री योगी ने कोविड-19 प्रबंधन के लिये गठित टीम-09 की बैठक में कहा कि विगत दिवस बहराइच जिले में 19 कोरोना संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है। प्रारंभिक जांच में इनमें से ज्यादातर लोगों की हाल के दिनों में नेपाल यात्रा की जानकारी मिली है। इन कोविड से संक्रमित मरीजों के सैम्पल की जीनोम सिक्वेंसिंग कराई जाए। सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

उन्होने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर न्यूनतम स्थिति में आ गई है। 72 जिलों में संक्रमण के नए केस इकाई अंकों में आ रहे हैं। हर दिन ढाई लाख से अधिक कोविड टेस्ट किए जा रहे हैं, जबकि पॉजिटिविटी दर एक फीसदी से भी कम है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 24 घंटे में प्रदेश में दो लाख 67 हजार 658 कोविड टेस्ट किए गए जबकि पॉजिटिविटी दर 0.06 प्रतिशत रही।

लखनऊ की लड़की की धोखे से मुंबई में शादी, गैर द्वारा रेप

लखनऊ,ब्यूरो। भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी अमिताभ ठाकुर तथा सामाजिक कार्यकर्ता उनकी पत्नी नूतन ठाकुर ने मुंबई तथा लखनऊ के पुलिस कमिश्नर को लखनऊ की एक लड़की की कथित रूप से मुंबई में धोखे से शादी कर वहां ले जाने तथा उसके साथ गलत काम किये जाने के आरोपों की शिकायत की है. अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि उन्हें कल एक लड़की का फोन आया जिसने कहा कि उसे बहुत ही अर्जेंट बात करनी है.।

उसने कहा कि आज से करीब डेढ़ माह पूर्व उनकी शादी हुई थी जो उनके चाचा ने करवाई थी।. उसने कहा कि वह मुंबई आई है. उसे बताया गया था कि जिनसे उसकी शादी हुई है उनकी पत्नी का देहांत हो गया है।. मुंबई आ कर पता चला कि वह धोखे की शादी थी। लड़की ने बताया कि उसके द्वारा इसका विरोध किये जाने पर उसे मारा-पीटा गया तथा उस व्यक्ति ने अपने लड़के से उस लड़की के साथ गलत काम करवाया।

लड़की ने कहा कि वह मुंबई में किसी को नहीं जानती है।. लखनऊ में उसका मौसी का लड़का रहता है जिसने अमिताभ तथा नूतन के बारे में बताया, जिसपर वह बात कर रही है।.

लड़की को अपने समस्त फैक्ट व्हाट्सएप करने को कहा गया किन्तु उसके बाद उसका कोई मेसेज नहीं आया और उसका फोन भी नहीं उठ रहा है।.

अमिताभ तथा नूतन ने कहा कि बातचीत में वह लड़की जिस प्रकार से रो रही थी, उससे उसकी बात प्रथम द्रष्टया सही दिखती है। अत: उन्होंने इस मामले में तत्काल कार्यवाही की मांग की है।

अलीगढ़ में 1245 करोड़ का निवेश,मोदी करेंगे शिलान्यास

लखनऊ,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में डिफेंस कारिडोर में रक्षा क्षेत्र से जुड़ी 19 कंपनियां 1245 करोड़ से अधिक का निवेश करेंगी। इसका शिलान्?यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द करेंगे।

आधिकारिक सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि रक्षा के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यूपी में डिफेंस कॉरिडोर का काम तेजी से आगे बढ़ा रहा है। डिफेंस कॉरिडोर के 6 नोड में से सबसे पहले अलीगढ़ में यूपीडा ने निवेशकों को 55.4 हेक्टेयर से अधिक जमीन आवंटित कर दी है। यहां पर बिजली घर, चार लेन सड़क बनाने का काम भी शुरू हो चुका है।

उन्होने बताया कि लखनऊ में डिफेंस एक्सपो के तीन साल बाद डिफेंस कॉरिडोर का वजूद जमीन पर नजर आने लगा है। रक्षा क्षेत्र से जुड़ी दुनिया की टॉप कंपनियां यूपी में निवेश के लिए कदम रख चुकी है। यूपी में डिफेंस कॉरिडोर के छह नोडस अलीगढ़, आगरा, झांसी, कानपुर, चित्रकूट और लखनऊ है। इसमें अलीगढ़ सबसे पहला नोड हैं जहां पर कंपनियों को जमीन आवंटित की जाना थी। यूपीडा की ओर जमीन आवंटन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

यूपीडा की ओर से 19 अन्तर्राष्ट्रीय कंपनियों को 55.4 हेक्टेयर जमीन एलॉट कर दी गई है। यहां कंपनियां यहां पर 1245.75 करोड़ रुपए का निवेश करेंगी। इसमें एंकर रिसर्च लैब एलएलपी सबसे अधिक 550 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी को यूपीडा की ओर से 10 हेक्टेयर जमीन एलॉट की गई है। डिफेंस कॉरिडोर में यूपी सरकार को रक्षा क्षेत्र में 50 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले थे। यह निवेश अब जमीनी हकीकत बन चुके हैं। डिफेंस कॉरिडोर से यूपी में रोजगार बढ़ने के साथ रक्षा क्षेत्र में देश आत्मनिर्भर बनेगा।

अपर मुख्य सचिव गृह एवं यूपीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अवनीश अवस्थी के अनुसार डिफेंस कॉरिडोर के पहले नोड अलीगढ़ में जमीन आवंटन का काम पूरा कर लिया गया है। यहां पर 10.21 करोड़ रूपए की लागत से इंटरनेल चार लेन सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इसके साथ ही बिजली घर, पावर स्टेशन व बांउड्रीवाल बनाने का काम भी शुरू हो चुका है। जल्दी ही प्रधानमंत्री द्वारा इसका शिलान्यास किया जाएगा। अलीगढ़ में खैर रोड पर अंडला में डिफेंस कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि निवेश करने वाली कंपनियों में एलेन एंड एलवेन 12 करोड़, नित्य क्रिएशन इंडिया चार करोड़,

दीप एक्सपलो इक्विपमेंट प्रा.लि 10.35 करोड़,श्रद्धा उद्योग 2.7 करोड़,एडवांस फायर एंड सेफ्टी तीन करोड़, वेरीविन डिफेंस प्रा.लि 65 करोड़,न्यू स्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी 35 करोड़,जय साई अनु ओवरसीज 100 करोड़, प्रिशियन प्रोडक्ट 2.7 करोड़,नवराज मेटल वर्क्स 20 करोड,कोबरा इंडस्ट्रीज एक करोड़, एंकर रिसर्च लैब एलएलपी 550 करोड़,

पी-2 लॉजीटेक 90 करोड़,क्रिमसन एनर्जी एक्सपोर्ट 11 करोड़,ट्रैकट्रिक्स ऑप्टो डायनामिक 40 करोड़,मिल्कर डिफेंस प्रा.लि 98.25 करोड़,सिंडिकेट इनोवेशन इंटरनेशनल 150 करोड़ और रॉयल सेल्स प्रा.लि का 20 करोड़ का निवेश शामिल है।

प्रेमी युगल के शव पेड़ पर फंदे से लटके मिलने से इलाके में सनसनी

लखनऊ,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के दरियाबाद इलाके में आज संदिग्ध परिस्थितियों में प्रेमी युगल के शव दुपट्टे के फंदे से पेड़ पर लटके मिले,जिससे इलाके में सनसनी फैल गई ।पुलिस सूत्रों के अनुसार दरियाबाद क्षेत्र के कुशफर गांव के बाहर जंगल में पेड़ में एक युवक व युवती के शव दुपट्टे के फंदे से लटके मिले । ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस दोनों शव नीचे उतरवाकर कर उनकी शिनाख्त कराई। उन्होंने बताया कि युवक की शिनाख्त सुन्दरलाल के 22 वर्षीय पुत्र संदीप के रुप में की गई जबकि राजेश यादव की लड़की डॉली के रुप में हुई ।दरियाबाद थाना प्रभारी प्रकाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि शुरुआती जांच में दोनों एक दूसरे से प्रेम करते थे और एक ही बिरादरी के थे।

संपादकीय

उच्च मूल्य फसलों का उत्पादन हो

डा. भरत झुनझुनवाला, आर्थिक विश्लेषक

हमें भी ऐसी फसलों की खोज करनी चाहिए जिन फसलों पर हम वैश्विक बाजार में अपनी सुदृढ़ पैठ बना सकें। उन फसलों की गुणवत्ता अन्य सभी देशों की तुलना में अच्छी और दाम कम होने चाहिए जिससे हम प्रतिस्पर्धा में खड़े रह सकें। हमारे देश का सौभाग्य है कि यहां हर प्रकार की जलवायु बारहों माह उपलब्ध रहती है। जैसे सर्दियों में तमिलनाडु और महाराष्ट्र का तापमान कम रहता है तो गर्मी में हिमालयी राज्यों का तापमान कम रहता है। हम संपूर्ण विश्व को बारहों महीने गुलाब, ग्लाइडोलस और ट्यूलिप जैसी फसलें उपलब्ध करा सकते हैं। हमारे पूर्वोत्तर देशों में ऑर्किड नाम के फूल होते हैं जिनका संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र में उत्पादन किया जा सकता है किसानों द्वारा नए कृषि कानून को निरस्त किए जाने की मांग आंशिक रूप से सही है, चूंकि इसके पीछे सरकार की मंशा समर्थन मूल्य को हटाने की दिखती है। सरकार द्वारा दिए गए समर्थन मूल्य से कुछ विशेष फसलें जैसे गन्ना, गेहूं एवं धान से किसानों को उचित दाम मिल जाते हैं। इस समर्थन मूल्य के चलते किसान इन फसलों का उत्पादन उत्तरोत्तर बढ़ा रहे हैं। उन्हें यह डर नहीं रहता है कि बाजार में फसल के दाम गिर जाएंगे और उन्हें नुकसान हो सकता है। कुछ वर्ष पूर्व पालनपुर में किसानों ने अपनी आलू की फसल को सड़कों पर लाकर डम्प कर दिया था। उनका कहना था कि मंडी में आलू के दाम दो रुपए प्रति किलो रह गए हैं जिस मूल्य पर आलू को खोदकर मंडी तक पहुंचाने का भी खर्च वसूल नहीं होता है। अतएव अपना क्रोध जताने के लिए उन्होंने आलू को सड़कों पर डाल दिया था। इसी क्रम में कुछ वर्ष पूर्व राजस्थान में ग्वार की फसल ज्यादा होने से किसानों को भारी घाटा लगा था। लेकिन गन्ना, गेहूं एवं धान की फसल में ऐसी परिस्थिति नहीं आती है। किसान को निर्धारित मूल्य मिलता ही है। कितना भी उत्पादन बढ़ जाए, समर्थन मूल्य के चलते किसानों को गन्ना, गेहूं एवं धान में इस प्रकार के मूल्य की गिरावट का संदेह नहीं रहता है और उन्हें पर्याप्त लाभ मिल जाता है। किसान की खुशहाली में समर्थन मूल्य की अहम् भूमिका है। लेकिन हमारी कृषि सरकारी समर्थन पर खड़ी है, न कि बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धा शक्ति पर। जैसे कोई व्यक्ति बैसाखी पर चलता है, उसी प्रकार हमारे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान समर्थन मूल्य की बैसाखी पर आश्रित हैं।

विदित हो कि इस समर्थन मूल्य का जो भार होता है, वह अंतत: आम आदमी पर पड़ता है। जैसे यदि बाजार में गेहूं का दाम 12 रुपए प्रति किलो हो और समर्थन मूल्य 17 रुपए प्रति किलो हो तो 5 रुपए प्रति किलो का अतिरिक्त मूल्य फूड कारपोरेशन द्वारा किसान को भुगतान किया जाता है। यह रकम अंतत: सरकार द्वारा फूड कारपोरेशन को उपलब्ध कराई जाती है और सरकार द्वारा जनता पर टैक्स लगाकर वसूल की जाती है। इस प्रकार किसान की खुशहाली अंतत: आम आदमी से टैक्स वसूल करके टिकी हुई है। फिर भी समर्थन मूल्य का सार्थक परिणाम है कि आज किसान पर्याप्त मात्रा में गन्ना, गेहूं एवं धान का उत्पादन कर रहे हैं और हम भुखमरी से बचे हुए हैं। लेकिन दूसरी ओर देश की अर्थव्यवस्था पर यह एक बोझ बन रहा है क्योंकि किसानों को बाजार से अधिक मूल्य उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा जनता से टैक्स वसूल किया जा रहा है। फूड कारपोरेशन की अकुशलता एवं संभावित भष्टाचार का बोझ भी जनता पर ही पड़ता है। इसके अलावा गन्ना, गेहूं एवं धान का निर्धारित मूल्य मिलने के कारण किसान दूसरी लाभप्रद फसलों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सरकार के सामने दो तरफा चुनौती है। समर्थन मूल्य के बावजूद किसानों की आय में वृद्धि बहुत ही कछुआ चाल से हो रही है। सेंटर फार मानिटरिंग आफ इंडियन इकॉनमी के अनुसार वर्ष 2013 से 2019 के बीच देश के किसानों की आय में मात्र 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि सरकार का लक्ष्य इन्हीं वर्षों में इसे दोगुना यानी 100 प्रतिशत वृद्धि का था।

एक तरफ किसानों की आय में वृद्धि नहीं हो रही है और दूसरी तरफ सरकार पर समर्थन मूल्य का बोझ पड़ रहा है। इन दोनों समस्याओं का हल उत्पादन बढ़ाकर हासिल नहीं हो सकता है। सरकार ने सिंचाई के विस्तार, फर्टिलाइजर के सही उपयोग, ड्रोन से रोगों की पहचान आदि तमाम सुधार कृषि क्षेत्रों में किए हैं जो कि सराहनीय है। लेकिन इन प्रयासों का अंतिम परिणाम उत्पादन में वृद्धि है जो कि जैसा कि ऊपर बताया गया है, किसान के लिए हानिप्रद हो सकता है, जैसा कि पालनपुर के किसानों को आलू के अधिक उत्पादन करने पर मुंह की खानी पड़ी थी। हमें इस मसले पर दूसरी तरह से सोचना पड़ेगा। हमें दूसरे देशों से सबक लेना चाहिए। आज नीदरलैंड का छोटा सा देश एक वर्ष में 2500 करोड़ रुपए के केवल ट्यूलिप फूलों का निर्यात करता है। इटली और ट्यूनीशिया जैतून का संपूर्ण विश्व को निर्यात करते हैं। फ्रांस द्वारा विशेष गुणवत्ता के अंगूर का उत्पादन कर उससे शराब बनाकर संपूर्ण विश्व को निर्यात किया जाता है। अमरीका से सेब और अखरोट का संपूर्ण विश्व को निर्यात हो रहा है।

विकास की दौड़ में अँधा हो गया है मानव, बढ़ता प्रदूषण अर्थव्यवस्था को पहुँचा रहा नुकसान

प्रदूषण मुख्यत: पांच क्षेत्रों में फैलता है यथा- जल, वायु, भूमि, ध्वनि एवं प्रकाश। विकास की दौड़ में आज का मानव इतना अंधा हो गया है कि वह अपनी सुख-सुविधाओं के लिए कुछ भी करने को तैयार है। प्रदूषण के कारण सारी पृथ्वी ही दूषित हो रही है।

विश्व में दरअसल औद्योगिक विकास के चक्र ने ही पर्यावरण को सबसे अधिक क्षति पहुंचाते हुए प्रदूषण को फैलाया है। आज के विकसित देशों के बीच विकास की ऐसी अंधी प्रतियोगिता चल पड़ी है जिसके चलते विभिन्न देश प्रकृति का जरूरत से ज्यादा दोहन कर रहे हैं। इसके कारण प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है एवं यह हमें वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, भूमि प्रदूषण एवं प्रकाश प्रदूषण के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। वहीं दूसरी ओर पृथ्वी पर जनसंख्या का विस्फोट, औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की असंतुलित गति एवं प्रकृति के हरे भरे क्षेत्रों का समापन कुछ ऐसे कारक हैं जो प्रदूषण की समस्या को दिन-ब-दिन गम्भीर बनाते जा रहे हैं। प्रदूषण से आशय पर्यावरण में दूषक पदार्थों के प्रवेश के कारण प्राकृतिक संतुलन में पैदा होने वाले दोष से है। प्रदूषण न केवल पर्यावरण के लिए बल्कि जीव-जन्तुओं के लिए भी हानिकारक है। विकास की दौड़ में आज का मानव इतना अंधा हो गया है कि वह अपनी सुख-सुविधाओं के लिए कुछ भी करने को तैयार है। प्रदूषण के कारण सारी पृथ्वी ही दूषित हो रही है एवं अब तो निकट भविष्य में मानव सभ्यता का अंत दिखाई दे रहा है। प्रदूषण मुख्यत: पांच क्षेत्रों में फैलता है यथा- जल, वायु, भूमि, ध्वनि एवं प्रकाश। जल प्रदूषण से पानी में अवांछित तथा घातक तत्वों की उपस्थिति से पानी दूषित हो जाता है, जिससे कि वह पीने योग्य नहीं रहता। जल प्रदूषण के लिए मुख्यत: जिम्मेदार कारक हैं सफाई तथा सीवर का उचित प्रबंधन न होना, विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा अपने कचरे तथा गंदे पानी का नदियों एवं नहरों में विसर्जन, मानव मल का नदियों एवं नहरों आदि में विसर्जन, कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले जहरीले रसायनों तथा खादों का पानी में घुलना, नदियों में कूड़े-कचरे, मानव-शवों और पारम्परिक प्रथाओं का पालन करते हुए उपयोग में आने वाली प्रत्येक घरेलू सामग्री का समीप के जल स्रोत में विसर्जन, गंदे नालों एवं सीवरों के पानी का नदियों मे छोड़ा जाना। साथ ही कच्चा पेट्रोल, कुंओं से निकालते समय समुद्र में मिल जाता है जिससे जल प्रदूषित होता है एवं कुछ कीटनाशक पदार्थ जैसे डीडीटी, बीएचसी आदि के छिड़काव से जल प्रदूषित हो जाता है तथा समुद्री जानवरों एवं मछलियों आदि को हानि पहुंचाता है। अंतत- पूरी खाद्य श्रृंखला ही प्रभावित हो जाती है।आज वायु प्रदूषण ने भी हमारे पर्यावरण को बहुत हानि पहुंचाई है। जल प्रदूषण के साथ ही वायु प्रदूषण भी मानव के सम्मुख एक चुनौती बन गया है। माना कि आज मानव विकास के मार्ग पर अग्रसर है परंतु वहीं बड़े-बड़े कल-कारखानों की चिमनियों से लगातार उठने वाला धुआं, रेल व नाना प्रकार के डीजल व पेट्रोल से चलने वाले वाहनों के पाइपों से और इंजनों से निकलने वाली गैसें तथा धुआं, जलाने वाला हाइकोक, ए.सी., इन्वर्टर, जनरेटर आदि से कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन, सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड प्रति क्षण वायुमंडल में घुलते रहते हैं। वस्तुत: वायु प्रदूषण सर्वव्यापक हो चुका है। भूमि प्रदूषण जमीन पर जहरीले, अवांछित और अनुपयोगी पदार्थों के भूमि में विसर्जित करने से होता है क्योंकि इससे भूमि का निम्नीकरण होता है तथा मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है। लोगों की भूमि के प्रति बढ़ती लापरवाही के कारण भूमि प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। कृषि में उर्वरकों, रसायनों तथा कीटनाशकों का अधिक प्रयोग होने लगा है, औद्योगिक इकाईयों, खानों तथा खदानों द्वारा निकले ठोस कचरे एवं भवनों, सड़कों आदि के निर्माण में ठोस कचरे का ठीक से विसर्जन नहीं किया जा रहा है, कागज तथा चीनी मिलों से निकलने वाले पदार्थ मिट्टी द्वारा अवशोषित नहीं हो पा रहे हैं, प्लास्टिक की थैलियों का अधिक उपयोग एवं इन्हें जमीन में दबा दिया जाता है, घरों, होटलों और औद्योगिक इकाईयों द्वारा निकलने वाले अवशिष्ट पदार्थों का निपटान नहीं किया जा रहा है, जिसमें प्लास्टिक, कपड़े, लकड़ी, धातु, कांच, सेरामिक, सीमेंट आदि सम्मिलित हैं। उक्त कारणों के चलते भूमि प्रदूषण भी तेजी से फैल रहा है।

हालात ऐसे हो गए कि अब महानगरों में ही नहीं बल्कि गांवों तक में लोग ध्वनि विस्तारकों का प्रयोग करने लगे हैं। बच्चे के जन्म की खुशी, शादी-पार्टी सभी में डी.जे. एक आवश्यकता समझी जाने लगी है। गांवों में मोटर साइकिल व वाहनों की चिल्ल-पों महानगरों के शोर से भी अधिक नजर आने लगी है। औद्योगिक संस्थानों की मशीनों के कोलाहल ने ध्वनि प्रदूषण को जन्म दिया है। इससे मानव की श्रवण-शक्ति का ह्रास होता है। ध्वनि प्रदूषण का मस्तिष्क पर भी घातक प्रभाव पड़ता है।

बढ़ती बिजली की जरूरत और काम के लिए अधिक प्रकाश की व्यवस्था, प्रकाश प्रदूषण का कारण बन सकती है। गाड़ियों की बढ़ती संख्या एवं इनके द्वारा हाई वोल्ट के बल्ब का इस्तेमाल, किसी कार्यक्रम में जरूरत से ज्यादा डेकोरेशन, एक कमरे में अधिक बल्बों का उपयोग आदि कारणों से प्रकाश प्रदूषण फैल रहा है।

प्रदूषण के कारण भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि भूमि प्रदूषण की वजह से प्रतिवर्ष विश्व में 1.20 करोड़ हेक्टेयर कृषि उपजाऊ भूमि गैर-उपजाऊ भूमि में परिवर्तित हो जाती है। दुनिया में 400 करोड़ हेक्टेयर जमीन डिग्रेड हो चुकी है। एशिया एवं अफ्रीका की लगभग 40 प्रतिशत आबादी ऐसे क्षेत्रों में रह रही है, जहां मरुस्थलीकरण का खतरा लगातार बना हुआ है। भारत की जमीन का एक तिहाई हिस्सा, अर्थात 9.7 करोड़ से 10 करोड़ हेक्टेयर के बीच जमीन डिग्रेडेड हो गई है। जमीन के डिग्रेड होने से जमीन की जैविक एवं आर्थिक उत्पादकता कम होने लगती है। जमीन के डीग्रेडेशन की वजह से भारत को 4600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान प्रतिवर्ष हो रहा है। एक अन्य अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, यदि वायु प्रदूषण के चलते वातावरण में 4 डिग्री सेल्सियस से तापमान बढ़ जाये तो भारत के तटीय किनारों के आसपास रह रहे लगभग 5.5 करोड़ लोगों के घर समुद्र में समा जाएंगे।संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जारी एक अन्य प्रतिवेदन के अनुसार, पिछले 20 वर्षों के दौरान प्रदूषण के चलते जलवायु सम्बंधी आपदाओं के कारण भारत को 7,950 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। जलवायु सम्बंधी आपदाओं के चलते वर्ष 1998-2017 के दौरान, पूरे विश्व में 290,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। बाढ़ एवं समुद्री तूफान, बार-बार घटित होने वाली दो मुख्य आपदाएं पाई गई हैं। उक्त अवधि के दौरान, उक्त आपदाओं के कारण 13 लाख लोगों ने अपनी जान गवाई।जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण एवं प्रकाश प्रदूषण उक्त वर्णित नुकसानों के अतिरिक्त आज मानव, पशु, पक्षी एवं जलचरों के स्वास्थ्य को भी सीधे ही बहुत प्रभावित कर रहा है। ऋतुचक्र का परिवर्तन, कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा का बढ़ना एवं हिमखंड का पिघलना आदि समस्यायें भी दृष्टिगोचर हैं। जिसके फलस्वरूप सुनामी, बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि या अनावृष्टि जैसे दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। यदि थोड़ा-सा भी प्रयास उचित दिशा में किया जाये तो उक्त वर्णित पांचों प्रकार के प्रदूषण से बचा जा सकता है। सर्वप्रथम तो पांचों प्रकार के प्रदूषणों के संदर्भ में उक्त वर्णित कारणों को दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए। इसके साथ ही सर्वप्रथम, द्रुत गति से बढ़ रही जनसंख्या पर रोक लगानी होगी, जरूरी हो तो इस संबंध में जनसंख्या नियंत्रण कानून भी बनाया जाना चाहिए। दूसरे, जंगलों व पहाड़ों की सुरक्षा पर ध्यान दिया जाना अब आवश्यक हो गया है। पहाड़ों पर रहने वाले लोगों को मैदानी इलाकों में विस्थापित किया जाना चाहिए क्योंकि पहाड़ों पर रहने वाले लोग कई बार घरेलू ईंधन के लिए जंगलों से लकड़ी काटकर इस्तेमाल करते हैं जिससे पूरे के पूरे जंगल स्वाहा हो जाते हैं। इससे पहाड़ व जंगलों का कटाव रुकेगा। खनिज संसाधनों का दोहन उतना ही किया जाय जितना हमारे लिए आवश्यकता है, न कि लालच में सीमाओं को लांघकर, अत्यधिक दोहन हो।

-प्रह्लाद सबनानी
सेवानिवृत्त उप-महाप्रबंधक

कोरोना रोधी टीकों के बारे में दुष्प्रचार अकेले सरकार नहीं रोक सकती, हमें भी आगे आना होगा

कोरोना की तीसरी लहर को रोकने के लिए देश को तेजी से वैक्सीन लगाने के साथ-साथ देश में वैक्सीन के बारे में किये जा रहे दुष्प्रचार से भी लड़ना होगा। आने वाली कोरोना की तीसरी लहर को लेकर हम अभी से सचेत न हुए तो यह तय है कि तीसरी लहर दूसरी से भी ज्यादा भयावह और जानलेवा होगी। तीसरी लहर के प्रति केंद्र सरकार अभी से सचेत कर रही है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी ऐसा ही आदेश दिया है। महाराष्ट्र सरकार और उसके विशेषज्ञों ने कहा है कि कोरोना की तीसरी लहर उनके यहाँ आ गई है। केंद्र सरकार के विशेषज्ञ अभी इसकी पुष्टि नहीं कर रहे। पर लॉकडाउन खुलने के बाद देश में जिस तरह से पब्लिक सड़कों पर निकली है, यह चिंताजनक है। इसके लिए हमें आत्म नियंत्रण करना होगा। विवाह और समारोह से कुछ समय बचना होगा। जरूरी होने पर ही घर से निकलना होगा। वैक्सीनेशन पर जोर देना होगा।

सरकार अपने स्तर से कार्य कर रही है। समय की मांग ये है कि इसके लिए पूरे तंत्र को लगाया जाए। एनसीसी, स्काउट गाइड, होमगार्ड, प्रांतीय रक्षक दल और रेडक्रास के स्वयं सेवकों को लगाया जाए। प्रधान, वार्ड मेंबर को सक्रिय किया जाए। धार्मिक विद्वानों को सक्रिय किया जाए। इसके लिए समाज को और शिक्षा जगत को आगे आना होगा। हमें अपने आसपास वालों को प्रेरित करना होगा, उन्हें टीका लगवाने के लिए घर से निकालना होगा। टीकाकरण के लाभ बताने होंगे। पहले स्कूलों में प्रार्थना सभा में छात्रों को पौधारोपण, सेवाभाव, गरीबों की मदद करने के लिए प्रेरित किया जाता था। वैक्सीन जिस गति से होना चाहिए, उस गति से नहीं हो रहा। इसे गति देनी होगी। अब ऑनलाइन क्लास चल रहीं हैं। शिक्षकों को, छात्रों को टीकाकरण का महत्व बताना होगा। छात्र अभिभावकों से ज्यादा अपने शिक्षक का कहना मानते हैं। शिक्षकों को छात्रों को बताना होगा कि वे अपने माता-पिता, परिवारजन को कोरोना के टीकाकरण का लाभ बताएं। उनसे कहें कि अपने परिवार जनों, रिश्तेदारों, पड़ौसी, मिलने वालों को टीकाकरण के लिए समझाएं। जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई, उन्हें वैक्सीन लगवाएं।वैक्सीन के बारे में किए जा रहे दुष्प्रचार पर रोक लगाने के लिए भी काम करना होगा। पोलियो अभियान के दौरान भी ऐसे ही प्रचार किए गए थे। इसका परिणाम हुआ कि हमें पोलियों की समाप्ति के लक्ष्य को पाने में ज्यादा समय लगा।कुछ देश और समाज विरोधी शक्तियां वैक्सीन लगाने का कार्य शुरू होने के साथ ही सक्रिय हों गई थीं। कोई इसे भाजपाई वैक्सीन बता रहा है। कोई कह रहा है, ये वैक्सीन नहीं पानी है। कोई कोवैक्सीन को कोवीशील्ड से बढ़िया बता रहा है। अब नया प्रचार फैलाया जा रहा है कि वैक्सीन में गाय के बछड़े का खून मिला है। ये सब प्रचार और अफवाहें टीकाकरण को प्रभावित करने की योजना है। जिससे इन अफवाहों में आकर जनता वैक्सीन न लगवाए। तीसरी लहर में ज्यादा मौत हों और विरोधी लोग सरकार को बदनाम करने के अपने षड्यंत्र में कामयाब हो जाएँ। इन अफवाहों का रोकना अकेले सरकार के बस का नहीं है। पूरे समाज का दायित्व है कि वह आगे आए। अफवाहों को रोके। अफवाह फैलाने वालों को बेनकाब करे। लोगों को समझाए। अपने समाज में धर्मगुरुओं का बड़ा प्रभाव होता है, वे आगे आएं। उनके समझाने का अपने समाज में, समर्थकों में बड़ा असर होगा। यह युद्ध काल है। इसमें शांत और तटस्थ होकर नहीं रहा जा सकता। सबको आगे आना होगा। रामधारी सिंह दिनकर ने कहा है-

समर शेष है, नहीं पाप का भागी केवल व्याध।

जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।

इस विपदाकाल में हम तटस्थ होकर न बैंठे। जो जितना कार्य कर सकता है करे। इस विपदा निवारण यज्ञ में सामर्थ्य के अनुसार आहुति दे। जनकल्याण कार्य करें।

-अशोक मधुप

कोरोना काल में बड़ा संदेश देती है अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसकी थीम- योग के साथ रहें, घर पर रहें

भारत के प्रयासों की बदौलत संयुक्त राष्ट्र महासभा में इसकी स्वीकृति हुई थी जिसके बाद 21 जून 2015 में पहली बार इसे विश्व स्तर पर मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है। इस वर्ष 21 जून को विश्व, सातवां (7) योग दिवस मना रहा है।

योग एक आध्यात्मिक प्रक्रिया हैं। योग शरीर, मन और आत्मा को एक सूत्र में बांधती है। योग जीवन जीने की कला है। योग दर्शन है। योग स्व के साथ अनुभूति है। योग से स्वाभिमान और स्वतंत्रता का बोध होता है। योग मनुष्य व प्रकृति के बीच सेतु का कार्य करती है। योग मानव जीवन में परिपूर्ण सामंजस्य का द्योतक है। योग ब्रह्माण्ड की चेतना का बोध कराती है। योग बौद्धिक व मानसिक विकास में सहायक है। आत्मा को परमात्मा के साथ जोड़ना, जीवन में संयम का होना, और समाधि,यही योगिक क्रियाएं योग कहलाती हैं। योग सार्वभौमिक चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना का संघ है। योग का जन्म प्राचीन भारत में हजारों साल पहले हुआ था। यह माना जाता है कि शिव पहले योगी या आदियोगी और पहले गुरु हैं। हजारों साल पहले हिमालय में कंटिसारोकर झील के तट पर आदियोगी ने अपने ज्ञान को महान सात ऋषियों के साथ साझा किया था क्योंकि इतने ज्ञान को एक व्यक्ति में रखना मुश्किल था। ऋषियों ने इस शक्तिशाली योग विज्ञान को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में फैलाया जिसमें एशिया, उत्तरी अफ्रीका, मध्य पूर्व और दक्षिण अमेरिका शामिल हैं। भारत को अपनी पूरी अभिव्यक्ति में योग प्रणाली को प्राप्त करने का आशीष मिला हुआ है। आज योग भारत की बदौलत ही दुनिया भर में फैला है।

भारत के प्रयासों की बदौलत संयुक्त राष्ट्र महासभा में इसकी स्वीकृति हुई थी जिसके बाद 21 जून 2015 में पहली बार इसे विश्व स्तर पर मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है। इस वर्ष 21 जून को विश्व, सातवां (7) योग दिवस मना रहा है। वर्ष 2021 में योग दिवस की थीम है- %योग के साथ रहें, घर पर रहें%। इस थीम से स्पस्ट है कि महामारी के इस दौर में लोगों को घर पर ही नियमित योग करने का संदेश दिया गया है। कोविड-19 महामारी के इस दौर में अपने अंदर सकारात्मक ऊर्जा और बेहतर प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए योग का महत्व और अधिक बढ़ गया है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) योग दिवस को सफल बनाने का कार्य करती है। योग, अंग्रेजी के चार अक्षरों से मिलकर बना है। वाई, ओ, जी और ए (योग)। वाई, येलो कलर (पीला रंग) का प्रतीक है। ओ, ऑरेंज कलर (नारंगी/गेरुआ रंग) का प्रतीक है। जी, ग्रीन कलर (हरा रंग) का प्रतीक है। ए प्रतीक है एक्शन (क्रिया/काम) का। कहने का तात्पर्य है- तीनो रंगों का काम/प्रभाव योग का प्रतीक है। पीला रंग देवी सरस्वती का रंग है। अतएव यह ज्ञान को दर्शाता है। नारंगी रंग/गेरुआ रंग भक्ति का प्रतीक है। हरा रंग प्रकृति का प्रतीक है। यह जीवन देता है। हरा रंग उर्वरता और विकास का द्योतक है। अतएव हरा रंग कर्म का प्रतीक है। ये तीनो रंग क्रमश: ज्ञान योग, भक्ति योग और कर्म योग को दर्शाते हैं। गीता में योग के कई प्रकार हैं लेकिन मुख्यत: तीन योग का वास्ता मनुष्य से अधिक होता है ज्ञान योग, भक्ति योग और कर्म योग। ज्ञानयोग- साक्षीभाव द्वारा विशुद्ध आत्मा का ज्ञान प्राप्त करना ही ज्ञान योग है। यही ध्यानयोग है। भक्तियोग- भक्त श्रवण, कीर्तन, स्मरण, पादसेवन, अर्चन, वंदन,दास्य, सख्य और आत्मनिवेदन रूप- इन नौ अंगों को नवधा भक्ति कहा जाता है। भक्ति योगानुसार व्यक्ति सालोक्य, सामीप्य, सारूप तथा सायुज्य-मुक्ति को प्राप्त होता है, जिसे क्रमबद्ध मुक्ति कहा जाता है। भक्ति योग ईश्वर प्राप्ति का सर्वश्रेष्ठ योग है। जिस मनुष्य में भक्ति नहीं होती उसे भगवान् कभी नहीं मिलते। कर्मयोग- कर्म करना ही कर्म योग है। इसका उद्देश्य है कर्मों में कुशलता लाना। यही सहज योग है। कहने का तात्पर्य है कि रंग हमारे जीवन में महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। रंगो का योग से घनिष्ठ सम्बन्ध है।

सिंधु-सरस्वती सभ्यता के जीवाश्म अवशेष प्राचीन भारत में योग की मौजूदगी का प्रमाण हैं। इस उपस्थिति का लोक परंपराओं में उल्लेख है। यह सिंधु घाटी सभ्यता, बौद्ध और जैन परंपराओं में शामिल है। सूर्य को वैदिक काल के दौरान सर्वोच्च महत्व दिया गया था और इसी तरह सूर्य नमस्कार का बाद में आविष्कार किया गया था। महर्षि पतंजलि को आधुनिक योग के पिता के रूप में जाना जाता है। हालाँकि उन्होंने योग का आविष्कार नहीं किया क्योंकि यह पहले से ही विभिन्न रूपों में था। उन्होंने इसे प्रणाली में आत्मसात कर दिया। उन्होंने देखा कि किसी को भी अर्थपूर्ण तरीके से समझने के लिए यह काफी जटिल हो रहा है। इसलिए उन्होंने आत्मसात किया और सभी पहलुओं को एक निश्चित प्रारूप में शामिल किया जिसे योग सूत्र कहते हैं।योगसूत्र में चित्त को एकाग्र करके ईश्वर में लीन करने का विधान है। पतंजलि के अनुसार चित्त की वृत्तियों को चंचल होने से रोकना (चित्तवृत्तिनिरोधः) ही योग है। अर्थात मन को इधर-उधर भटकने न देना, केवल एक ही वस्तु में स्थिर रखना ही योग है। महर्षि पतंजलि ने योग को %चित्त की वृत्तियों के निरोध (योगः चित्तवृत्तिनिरोधः) के रूप में परिभाषित किया है। उन्होंने योग सूत्र नाम से योग सूत्रों का एक संकलन किया जिसमें उन्होंने पूर्ण कल्याण तथा शारीरिक, मानसिक और आत्मिक शुद्धि के लिए अष्टांग योग (आठ अंगों वाले योग) का एक मार्ग विस्तार से बताया है। अष्टांग योग को आठ अलग-अलग चरणों वाला मार्ग नहीं समझना चाहिए; यह आठ आयामों वाला मार्ग है जिसमें आठों आयामों का अभ्यास एक साथ किया जाता है। योग के ये आठ अंग हैं- 1) यम, 2) नियम, 3) आसन, 4) प्राणायाम, 5) प्रत्याहार, 6) धारणा 7) ध्यान 8) समाधि।

योग करने से तनाव नहीं होता है। योग जीवन को तनाव मुक्त बनाता है। तनाव सारी बीमारियों की जड़ है। तनाव शब्द का निर्माण दो शब्दों से मिल कर हुआ है। तन+आव तन का तात्पर्य शरीर से है और आव का तात्पर्य घाव से है। अर्थात वह शरीर जिसमे घाव हैं। कहने का तात्पर्य तनाव एक मानसिक बीमारी है जो दिखाई नहीं देती है। शरीर का ऐसा घाव जो दिखाई न दे, तनाव कहलाता है। तनाव से ग्रसित इंसान को सारा समाज पागल दिखाई देता है। तनाव वो बीमारी है जिसमे इंसान हीन भावना से ग्रसित होता है। तनाव मूल रूप से विघर्सन है। घिसने की क्रिया ही विघर्सन कहलाती है। घिसना अर्थात विचारों का नकारात्मक होना या मन का घिस जाना। अतएव तनाव मनोविकार है। तनाव नकारात्मकता का पर्यायवाची है। एक कहावत है- भूखे भजन न होए गोपाला। पहले अपनी कंठी माला। भूखे पेट तो ईश्वर का भजन भी नहीं होता है। कहने का तात्पर्य जब हम स्वयं का आदर व सम्मान करते हैं तभी हम देश और समाज की सेवा कर सकते हैं। तनाव से ग्रसित इंसान जो खुद बीमार है वो दूसरों को भी बीमार करता है। तनाव से ग्रसित इंसान दूसरों को भी तनाव में डालता है। ऐसे नकारात्मक लोगों से दूर रहना चाहिए। समाज की अवनति का कारण है तनाव। योग करने से सकारात्मक विचारों का उदभव होता है। योग सकारात्मकता की जननी है।

सकारात्मकता से तनाव पर विजय पाई जा सकती है। अतएव

असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय।

मृत्योर्मामृतं गमय ॥- बृहदारण्यकोपनिषद् 1.3.28 ॥

अर्थ- मुझे असत्य से सत्य की ओर ले चलो। मुझे अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो। मुझे मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो॥ यही अवधारणा समाज को चिंतामुक्त और तनाव मुक्त बनाती है। स्व को विकसित करने की आध्यात्मिक प्रक्रिया ही योग है। अर्थात योग अपनेपन को विकसित करता है। अपनापन, अकेलापन को दूर करता है। अपनापन का शाब्दिक अर्थ है - आत्मीयता/स्वाभिमान/आत्माभिमान। आत्मीयता अर्थात अपनी आत्मा के साथ मित्रता। स्वाभिमान अर्थात स्व के साथ जुड़ना। भीड़/लोगों में शामिल होने से हम अपने को अपनेआप से अलग करते हैं। भीड़ में शामिल होना अर्थात अपने को अपने आप से अलग करना हुआ। अलग होना आत्मीयता/स्वाभिमान/आत्माभिमान के लक्षण नहीं हैं। अपनेआप को अपने से अलग करके कभी भी अकेलापन दूर नहीं किया जा सकता है। अतएव अपनीआत्मीयता/स्वाभिमान/आत्माभिमान को बनाए रखें। जिससे जीवन में अकेलेपन का अनुभव न हो। कोई भी व्यक्ति इस धरती पर अकेला नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति भौतिक रूप से भौतिक संसाधनो व चारो ओर के आवरण से घिरा हुआ है। देखा जाए तो भौतिक रूप से भी व्यक्ति अकेला नहीं है। अतएव हम कह सकते हैं कि कोई भी व्यक्ति न तो आध्यात्मिक रूप से अकेला है और नहीं भौतिक रूप से। योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। योग रोग को ख़त्म करता है। आयुष मंत्रालय का मानना है की मानव अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कोविड-19 महामारी से लड़ सकता है। इस महामारी से बचने का कारगर उपाए है योग। तनावमुक्त जीवन जीने की कला है योग। सकारात्मकता से ही सदगुणों का विकास होता है। सकारात्मकता, योग करने से आती है। योग, सदगुणों के विकास का वाहक है। अतएव हम कह सकते है योग, वैश्विक स्वास्थ्य का द्योतक है।

- डॉ. शंकर सुवन सिंह
वरिष्ठ स्तम्भकार एवं विचारक

इंग्लैंड ने भारत को पांच विकेट से हरा कर बनाई 2-0 की अजेय बढ़त

टाउनटन, वार्ता। मध्य क्रम की बल्लेबाज सोफिया डंकली (73) के नाबाद अर्धशतक और तेज गेंदबाज केट क्रॉस (5/34) के गेंद से शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड की महिला टीम ने यहां बुधवार को दूसरे वनडे मुकाबले में भारत को पांच विकेट से हरा कर न केवल 2-0 से बढ़त बनाई, बल्कि तीन मैचों की सीरीज भी जीत ली।

भारतीय महिला टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 221 रन बनाने में सफल रही। जवाब में इंग्लैंड की टीम ने पारी की 15 गेंदें शेष रहते हुए पांच विकेट खो कर 225 रन बना लिए। ओपनर लॉरेन विनफील्ड हिल ने 57 गेंदों में 42 रन बनाकर इंग्लैंड को मजबूत शुरुआत दिलाई, हालांकि टैमी ब्यूमोंट और कप्तान हीथर नाइट दोनों 10 रन बनाकर क्रमश: झूलन गोस्वामी और पूनम यादव के हाथों आउट हो गईं। इसके बाद नताली स्किवर्क और एमी एलेन जोन्स भी ज्यादा कुछ नहीं कर पाईं। ऐसे में सोफिया डंकली बल्लेबाजी करने आईं और 81 गेंदों पर 73 रनों की शानदार पारी खेल कर टीम की जीत की हीरो बनी। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का जड़ा। ऑलराउंडर कैथरीन ब्रंट ने 46 गेंदों पर 33 रन बना कर उनका बखूबी साथ दिया। दोनों ने 92 रन की महत्वपूर्ण अविजित साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।

वहीं इंग्लैंड की तेज गेंदबाज केट क्रॉस ने गेंदबाजी में जलवा दिखाया और 10 ओवर में महज 34 रन देकर पांच विकेट चटकाए। भारत की तरफ से पूनम यादव ने 10 ओवर में 63 रन देकर सर्वाधिक दो विकेट लिए, जबकि झूलन गोस्वामी, शिखा पांडे और स्नेह राणा को एक-एक विकेट हासिल हुआ।इससे पहले कप्तान मिताली राज (59) के लगातार दूसरे अर्धशतक और युवा ओपनर शेफाली वर्मा की 44 रन की शानदार पारियों से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 50 ओवर में सभी विकेट खोकर 221 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया।

इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया। स्मृति मंधाना और शेफाली ने पहले विकेट केर लिए 54 रन की ठोस साझेदारी की लेकिन भारत ने फिर 77 रन तक जाते जाते अपने तीन विकेट गंवा दिए। स्मृति ने 30 गेंदों पर 22 रन में तीन चौके लगाए जबकि जेमिमा रोड्रिग्स आठ रन बनाने के बाद 76 के स्कोर पर पवेलियन लौट गयीं। इसके एक रन बाद शेफाली वर्मा को सोफी एक्लस्टोन ने स्टंप करवा दिया। शेफाली ने 55 गेंदों पर 44 रन में सात चौके लगाए।

मिताली ने फिर हरमनप्रीत कौर के साथ चौथे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत को केट क्रॉस ने अपनी ही गेंद पर लपककर इस साझेदारी को तोड़ा। हरमनप्रीत ने 39 गेंदों पर एक चौके के सहारे 19 रन बनाये। भारत ने तीन विकेट पर 145 रन की अच्छी स्थिति से मात्र 36 रन जोड़कर अपने पांच विकेट गंवा दिए और उसका स्कोर आठ विकेट पर 181 रन हो गया। कप्तान मिताली का धैर्य भी जवाब दे गया और अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद वह टीम के 192 के स्कोर पर रन आउट हो गयीं। मिताली ने 92 गेंदों पर 59 रन में छह चौके लगाए।

इस समय लग रहा था कि भारतीय पारी 200 के अंदर सिमट जायेगी लेकिन झूलन गोस्वामी ने 19 गेंदों पर तीन चौकों के सहारे 19 और पूनम यादव ने 15 गेंदों में 10 रन बनाकर भारत को 221 तक पहुंचा दिया। पूनम पारी की आखिरी गेंद पर आउट हुईं भारत की पारी में 13 वाइड सहित 26 अतिरिक्त रनों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इंग्लैंड की तरफ से केट क्रॉस ने 34 रन देकर पांच विकेट और एक्लस्टोन ने 33 रन पर तीन विकेट हासिल किये। क्रॉस को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

हैदराबाद एफसी ने डेनिश स्पोर्ट्सवियर ब्रांड हम्मेल के साथ की साझेदारी

हैदराबाद,वार्ता। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम हैदराबाद फुटबॉल क्लब (एफसी) ने डेनिश स्पोर्ट्सवियर ब्रांड हम्मेल के साथ साझेदारी की है, जो आगामी 2021-22 सीजन के लिए क्लब के साथ उसके आधिकारिक टीम किट पार्टनर के रूप में जुड़ा है।

आईएसएल के सातवें सत्र के दौरान फुटबॉल के अपने मनोरंजक ब्रांड से सभी को प्रभावित करने वाला हैदराबाद एफसीअब हम्मेल के साथ आया है, जिसका फुटबॉल में एक शतक लंबा इतिहास है। वैश्विक स्पोर्ट्स ब्रांड इस साझेदारी को भारतीय फुटबॉल में निवेश करने और भारत में खेल के विकास के लिए नए रास्ते तलाशने के लिए एक अवसर के रूप में देख रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रसिद्ध डेनिश ब्रांड का एक गौरवपूर्ण खेल इतिहास है और यह दुनिया में सबसे अधिक मान्यता प्राप्त टीम स्पोर्ट्स ब्रांडों में से एक है, जिसकी जड़ें फुटबॉल और हैंडबॉल में हैं। इसे पहले रियल मैड्रिड, टोटेनहम हॉटस्पर, एस्टन विला, बेनफिका डेनमार्क की राष्ट्रीय टीम जैसी प्रतिष्ठित फुटबॉल टीमों द्वारा पहना जा चुका है।भारत में हम्मेल के निदेशक सौम्या नस्कर ने साझेदारी के बारे में कहा, फुटबॉल हमारे ब्रांड डीएनए में समाया हुआ है। हम कई प्रसिद्ध फुटबॉल क्लबों के साथ फुटबॉल और वैश्विक साझेदारी में समृद्ध विरासत के साथ आते हैं। हैदराबाद एफसी के साथ भारत में इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हम आगामी वर्षों में इस खेल के साथ अपने जुड़ाव को और भी मजबूत करने की उम्मीद कर रहे हैं।

हैदराबाद एफसी के को-ऑनर वरुण त्रिपुरानेनी ने कहा, पिछले सीजन ने हमें इस बात की एक छोटी सी झलक दिखाने का मौका दिया कि कैसे हमने युवाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए हैदराबाद एफसी को एक अद्वितीय क्लब के रूप में स्थापित किया है। हम अपने आधिकारिक टीम किट पार्टनर के रूप में हम्मेल को पाकर खुश हैं, क्योंकि हम पिछले सीजन की सफलता को और आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। यह आने वाला सीजन हमारे क्लब के लिए बहुत ही रोमांचक होने वाला है और हम हम्मेल की लंबे समय से चली आ रही विरासत का हिस्सा बनकर इसे शुरू करने के लिए खुश हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पीवी सिंधू को भूमि आवंटन के दस्तावेज सौंपे

विजयवाड़ा, वार्ता। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने यहां बुधवार को विशाखापटनम में बैडमिंटन अकादमी की स्थापना के लिए दो एकड़ जमीन के आवंटन के दस्तावेज बैडमिंटन चैंपियन पीवी सिंधू को सौंप दिए।मुख्यमंत्री ने अपने कैंप कार्यालय में पीवी सिंधू को भूमि आवंटन के सरकारी आदेश की कॉपी सौंपते हुए उन्हें ओलंपिक के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने राज्य की दो बैडमिंटन खिलाड़ियों सिंधू और आर सात्विक सैराज के साथ-साथ टोक्यो ओलंपिक 2020 में भाग लेने वाली राज्य की महिला हॉकी खिलाड़ी रजनी को पांच लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि सौंपी। रजनी की तरफ से उनके माता-पिता ने कार्यक्रम में भाग लिया और चेक प्राप्त किया। चित्तूर जिले की रहने वाली रजनी फिलहाल बेंगलुरु में प्रशिक्षण सत्र में भाग ले रही हैं।राज्य के पर्यटन, संस्कृति एवं युवा उन्नति मंत्री मुत्तमसेट्टी श्रीनिवास राव और प्रमुख सचिव राम गोपाल भी कार्यक्रम में शामिल रहे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को 2021-22 सीजन में स्टेडियम्स में 100 फीसदी दर्शकों की उम्मीद

मेलबोर्न, वार्ता। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) अगले सीजन (2021-22) के लिए एमसीजी (मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड) में बॉक्सिंग डे एशेज टेस्ट के मद्देनजर भारी भीड़ की उम्मीद में 100 फीसदी क्षमता पर स्टेडियम्स की टिकटों की बिक्री करेगा, हालांकि देश भर में हो रहे लॉकडाउन ने लाइव मैच का हिस्सा बनने के लिए दर्शकों के सामने चुनौतियां पेश की हैं।प्राथमिकता वाले सदस्यों के लिए बुधवार से टिकट उपलब्ध होने के बाद पांच जुलाई को जनता के बीच टिकटों की बिक्री होगी। एमसीजी शुरुआत में अपनी क्षमता की 85 फीसदी टिकटों की बिक्री कर पाएगा। उल्लेखनीय है कि 2020-21 सीजन के दौरान विभिन्न स्तरों पर भीड़ के आकार को प्रतिबंधित किया गया था।ऑस्ट्रेलिया के सिडनी, ब्रिस्बेन और पर्थ शहर में वर्तमान में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ने के कारण लॉकडाउन है। तीनों शहरों ने व्यापक सीमा प्रतिबंधों के बीच अपनी प्रतियोगिताओं को जारी रखने के लिए दर्शकों की मौजूदगी को दरकिनार कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय महिला टीम के बीच मल्टी-फॉर्मेट सीरीज और टी-20 विश्व कप के बाद अफगानिस्तान इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज से पहले एक टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा, जो आठ दिसंबर से ब्रिस्बेन में शुरू होगा। इसके बाद जनवरी के अंत से महिला एशेज सीरीज होनी है, जबकि आस्ट्रेलियाई पुरुष टीम को फरवरी सफेद गेंद श्रृंखला में न्यूजीलैंड और श्रीलंका का सामना करना है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निक हॉकले ने एक बयान में कहा, हम पूरे ऑस्ट्रेलिया में आयोजन स्थलों और सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि टूर्नामेंट सुरक्षित रूप से आयोजित किए जाएं। हम उनके समर्थन की सराहना करते हैं। इन टूर्नामेंटों में कोरोना महामारी से संबंधित सरकारी प्रतिबंधों के कारण बैठने की क्षमता कम होने की स्थिति में हम निश्चित तौर पर प्रशंसकों को पूर्ण धनवापसी की गारंटी देते हैं। हॉकले ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि उनका मानना है कि पिछली गर्मियों के अनुभव, जहां क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया एक पूर्ण पेशेवर सीजन खेलने में सक्षम था, उसे अच्छी स्थिति में खड़ा करेंगे।

शेष आईपीएल 2021 सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे अधिकतर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

मेलबोर्न, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया की सफेद गेंद क्रिकेट टीम के कप्तान आरोन फिंच के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कर्तव्य को छोड़ कर आईपीएल खेलना मुश्किल होगा ' सख्त टिप्पणी के बावजूद, अधिकतर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शेष आईपीएल 2021 सत्र के लिए उपलब्ध होंगे।

शेष टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात में 18-20 सितंबर से 10-15 अक्टूबर तक खेले जाने की संभावना है।आईपीएल का शेष सत्र और टी-20 विश्व कप का दूसरा और अंतिम भाग संयुक्त अरब अमीरात में भी होने वाले हैं।

समझा जाता है कि पैट कमिंस को छोड़कर अधिकतर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, जिन्होंने लंबे समय से अपनी अनुपलब्धता की घोषणा की है, आईपीएल में भाग ले सकते हैं। इसमें वो खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने आगामी वेस्ट इंडीज और बंगलादेश दौरे से बाहर होने का फैसला लिया है। आईपीएल के पहले हिस्से में शामिल हुए 20 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में से नौ को वेस्ट इंडीज और बंगलादेश दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में चुना गया है। मुमकिन है कि ग्लेन मैक्सवेल, झाई रिचर्डसन, केन रिचर्डसन, मार्कस स्टॉयनिस और डेनियल सैम्स, जो व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए वेस्टइंडीज दौरे से बाहर हुए हैं अन्य कुछ खिलाड़ियों के साथ आईपीएल खेलने आ सकते हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट सेट-अप में भी आईपीएल में खिलाड़ियों की भागीदारी के लिए मूड है, जो टी-20 विश्व कप से ठीक पहले खेला जाना है।इस बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों द्वारा आईपीएल फ्रेंचाइजियों को आश्वासन दिया गया है कि अधिकतर विदेशी खिलाड़ी आईपीएल में खेलने आएंगे, हालांकि बीसीसीआई की ओर से टीमों से कोई औपचारिक संवाद नहीं किया गया है, लेकिन अधिकारियों ने फ्रेंचाइजी अधिकारियों से कहा है कि विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बीसीसीआई इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाड़ियों की उपलब्धता के लिए इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को मनाने की कोशिश कर रहा है, हालांकि ईसीबी अधिकारियों ने पहले ही घोषणा कर दी है कि उनके खिलाड़ियों को आईपीएल के लिए उपलब्ध नहीं कराया जाएगा।

राजीव गांधी खेल रत्न के लिए अंकुर और अंजुम के नाम की सिफारिश

नयी दिल्ली, वार्ता। नेशनल राइफल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के लिए निशानेबाज अंकुर मित्तल और अंजुम मुद्गिल के नाम की सिफारिश की है।एनआरएआई ने इसके अलावा अर्जुन पुरस्कार के लिए विश्व की नंबर एक 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज एलावेनिल वलारिवान, 10 मीटर एयर पिस्टल में विश्व के नंबर एक निशानेबाज अभिषेक वर्मा और 50 मीटर पिस्टल विश्व चैंपियन ओम प्रकाश मिथरवाल की सिफारिश की है, हालांकि एनआरएआई ने इस साल द्रोणाचार्य पुरस्कार श्रेणी में कोई सिफारिश नहीं की है।अंकुर ने दक्षिण कोरिया के चांगवोन में 2018 आईएसएसएफ विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में डबल ट्रैप इवेंट में स्वर्ण पदक जीता था, जिसके लिए उन्हें इसी वर्ष भारत के राष्ट्रपति से अर्जुन पुरस्कार भी मिला था। ओलंपिक टिकटधारी राइफल शूटर मुद्गिल 2018 संस्करण से विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता हैं। उन्हें 2019 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

एनआरएआई ने बुधवार को एक बयान में कहा, पिछले साल भी दोनों निशानेबाजों की इस पुरस्कार के लिए सिफारिश की गई थी।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय खेल पुरस्कार हर साल 29 अगस्त को हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में चिह्नित करने के लिए दिए जाते हैं।

चोटिल शुभमन का इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के शुरुआती मैचों से बाहर होना तय

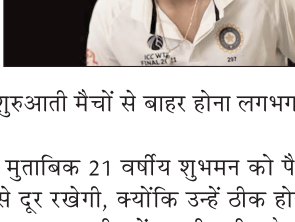

लंदन, वार्ता। भारत और इंग्लैंड के बीच आगामी टेस्ट सीरीज का पहला मैच लगभग पांच हफ्ते दूर है, लेकिन युवा ओपनर शुभमन गिल की उपलब्धता को लेकर अभी से ही अनिश्चितता है। दरअसल शुभमन चोटिल हैं और उनका पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती मैचों से बाहर होना लगभग तय है।

इंग्लैंड से आ रही खबरों के मुताबिक 21 वर्षीय शुभमन को पैर में चोट लगी है, जो उन्हें क्रिकेट से दूर रखेगी, क्योंकि उन्हें ठीक होने में समय लगेगा, हालांकि युवा ओपनर इस उम्मीद में भारतीय टीम के साथ बने रहेंगे कि वह टेस्ट श्रृंखला के दौरान वापसी के लिए पर्याप्त रूप से फिट होंगे।

टेस्ट सीरीज ढाई महीने बाद समाप्त होनी है। समझा जाता है कि शुभमन कुछ समय से इस चोट से जूझ रहे थे और हाल ही में यह गंभीर हो गई है।शुभमन की चोट टीम के लिए एक झटका है, क्योंकि उन्होंने डब्ल्यूटीसी फाइनल में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन टीम प्रबंधन चिंतित नहीं है, क्योंकि उसके पास पर्याप्त विकल्प हैं। या तो मयंक अग्रवाल या लोकेश राहुल को रोहित शर्मा के साथ दूसरे सलामी बल्लेबाज की भूमिका के लिए आजमाया जाएगा।उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम सीरीज से पहले प्रशिक्षण शिविर और कुछ इंट्रा-स्क्वाड मैचों के लिए कुछ हफ्तों में डरहम के लिए रवाना होगी। डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद ब्रेक लेने वाले खिलाड़ियों को 14 जुलाई को टीम प्रबंधन के पास रिपोर्ट करनी है।

राजीव गांधी खेल रत्न के लिए मिताली और अश्विन के नाम की सिफारिश

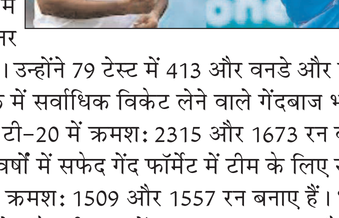

नयी दिल्ली, वार्ता।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के लिए मिताली राज और रविचंद्रन अश्विन के नाम की सिफारिश करने का फैसला किया है। वहीं बोर्ड ने अर्जुन पुरस्कार के लिए शिखर धवन, लोकेश राहुल और जसप्रीत बुमराह के नामों की भी सिफारिश की है, जो राष्ट्रीय खेल में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए एक सरकारी सम्मान है।उल्लेखनीय है कि 38 वर्षीय मिताली ने पिछले हफ्ते अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 22 वर्ष पूरे किए थे । वह 7170 रनों के साथ महिला वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी भी हैं। उनकी कप्तानी में भारत दो बार 2005 और 2017 में वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचा है। दूसरी ओर ऑफ स्पिनर अश्विन, जो पहले से अर्जुन अवार्डी हैं, भारतीय पुरुष टेस्ट टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने 79 टेस्ट में 413 और वनडे और टी20 में क्रमश: 150 और 42 विकेट लिए हैं। 71 विकेटों के साथ वह दो वर्ष के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे हैं।सलामी बल्लेबाज धवन की बात करें तो उन्होंने 142 वनडे मैचों में 5977 रन बनाए हैं और टेस्ट और टी-20 में क्रमश: 2315 और 1673 रन बनाए हैं। वह श्रीलंका में आगामी सीमित ओवर सीरीज में भी भारत की कप्तानी करेंगे। राहुल, जो पिछले कुछ वर्षों में सफेद गेंद फॉर्मेट में टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं, के टेस्ट में 2006 रन हैं, जबकि वनडे और टी-20 में उन्होंने क्रमश: 1509 और 1557 रन बनाए हैं। भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज बुमराह अपने अब तक के पांच वर्ष लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में टेस्ट, वनडे और टी-20 में क्रमश: 83, 109 और 59 विकेट ले चुके हैं।

जोकोविच तीसरे दौर में, सेरेना चोट के कारण पहले राउंड में बाहर

लंदन, वार्ता। 23 बार की ग्रैंड स्लेम चैंपियन अमेरिका की सेरेना विलियम्स मंगलवार अपने दाएं पैर में चोट लगने के कारण वर्ष के तीसरे ग्रैंड स्लेम विम्बलडन टेनिस चैंपियनशिप के पहले दौर में बाहर हो गयीं जबकि बुधवार को दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और टॉप सीड सर्बिया के नोवाक जोकोविच दक्षिण अफ्रीका के केविन एंडरसन को एक घंटे 41 मिनट में लगातार सेटों में 6-3,6-3, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में पहुंच गए।छठी सीड सेरेना का पहले दौर में बेलारूस की एलियक्सांद्रा सासनोविच से मुकाबला था। वह पहले सेट में 3-1 से आगे थीं और 15-15 के स्कोर पर सर्विस कर रही थीं कि वह कोर्ट के पिछले हिस्से में फिसल पड़ीं। वह मैदान पर गिरी तो नहीं लेकिन गेम में अपनी सर्विस गंवाने के बाद उन्होंने फिजियो के लिए आग्रह किया और मेडिकल टाइम आउट लेकर उन्होंने कोर्ट के बाहर अपना इलाज कराया। इसके बाद जाकर वह कोर्ट में लौटीं। खेल शुरू होने के सासनोविच ने अपनी सर्विस बरकरार रखी और स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। सातवें गेम में अपनी सर्विस पर 15-15 के स्कोर पर बेसलाइन पर अपना मूवमेंट गंवाने के बाद सेरेना ने रिटायर होने का फैसला किया और सेंटर कोर्ट छोड़कर चली गयीं। सेरेना जब बाहर जा रही थीं तो दर्शकों ने अपनी जगह खड़े होकर उन्हें भावुक विदाई दी।

इस तरह बाहर होने के साथ सेरेना का अपना आठवां विंबलडन खिताब जीतने और मार्गरेट कोर्ट के 24 ग्रैंड स्लेम खिताबों के रिकॉर्ड की बराबरी करने का सपना टूट गया। सेरेना ने मंगलवार देर रात इंटाग्राम पोस्ट में कहा,मुझे अपने दाएं पैर के चोटिल हो जाने से इस तरह बाहर होने से बहुत दु:ख हो रहा है। इस बीच गत दो बार के चैंपियन और पांच बार के विजेता जोकोविच 14 वीं बार इस चैंपियनशिप के तीसरे दौर में पहुंचे हैं जबकि छह फुट आठ इंच लम्बे एंडरसन 2016 के बाद पहली बार दूसरे दौर में बाहर हुए हैं।इस बीच पुरुष वर्ग के एक उलटफेर में जापान के योशिहितो निशिओका ने 28 वीं सीड अमेरिका के जान इस्नर को तीन घंटे 18 मिनट तक चले पांच सेटों के मुकाबले में 7-6, 2-6, 6-3, 6-7, 6-4 से हराकर पहली बार दूसरे दौर में जगह बना ली। निशिओका इससे पहले तीन बार 2016, 2018 और 2019 में पहले दौर से आगे नहीं जा पाए थे।सातवीं सीड इटली के मातियो बेरेटिनी ने अर्जेंटीना के गुइडो पेला को दो घंटे 16 मिनट तक चले चार सेटों के मुकाबले में 6-4, 3-6, 6-4, 6-0 से हराकर दूसरे दौर में स्थान बना लिया। बेरेटिनी का दूसरे दौर में हॉलैंड के बोटिक वान डी जंडसकल्प से मुकाबला होगा। 11वीं सीड स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्ता अमेरिका के सैम क्वेरी को लगभग दो घंटे में 7-6,6-4, 7-5 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गए

डब्ल्यूटीसी फाइनल में कम बल्लेबाजों के साथ खेला भारत: इरफान पठान

मुंबई, वार्ता। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने भारतीय टीम की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में हार का विश्लेषण करते हुए कहा है कि भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल में कम बल्लेबाजों के साथ खेली।

इरफान ने गुरुवार को स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम ' फॉलो द ब्लूज ' में कहा, मैंने डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले ही इस बारे में बात की थी। मुझे लगता है कि टीम में एक और बल्लेबाज होना चाहिए था। हमारे पास क्वालिटी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नहीं है, जो न्यूजीलैंड के पास हैं। ऐसे ऑलराउंडर को खोजना मुश्किल है। अब अगर हम उचित क्रिकेट के दृष्टिकोण से बात करें तो मुझे लगता है कि पहली पारी शानदार रही, लेकिन दूसरी पारी में भारतीय टीम की बल्लेबाजी निराशाजनक रही। दूसरी पारी में गेंद उतनी स्विंग नहीं कर रही थी और भारतीय बल्लेबाज ज्यादा जिम्मेदारी से बल्लेबाजी कर सकते थे। मैं एक बल्लेबाज के रूप में ऋषभ पंत की क्षमताओं से अवगत हूं और वह गेंदों को बहुत अच्छी तरह से हिट कर सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप एक तेज गेंदबाज को बाहर निकल कर मारे। जिम्मेदारी से खेलना चाहिए था। पूर्व ऑलराउंडर ने कहा, भारतीय बल्लेबाज बाउंसरों पर अपने शरीर का इस्तेमाल करते हुए डिफेंस करने के बजाय बहुत अधिक पुल शॉट का इस्तेमाल कर रहे थे। यह प्रतिबद्धता की कमी को दर्शाता है। ये सवाल मुश्किल हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि भारतीय बल्लेबाजों में भविष्य में अपना जवाब देने की ताकत होगी और अब हम उसी विषय पर वापस आ गए हैं कि न्यूजीलैंड के बल्लेबाज दो विकेट के नुकसान पर 140 रन बनाने में सक्षम थे, जबकि हमारी भारतीय टीम ने 140 स्कोर बनाते हुए आठ विकेट खो दिए थे। इरफान ने मैच अभ्यास की कमी के चलते डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत की स्थिति के प्रभावित होने के बारे में कहा, जब तक भारतीय टीम ने दूसरे सत्र के लिए क्षेत्ररक्षण शुरू किया, तब तक हमारे गेंदबाज थक चुके थे। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि भारत को पर्याप्त मैच अभ्यास नहीं मिला। जब एक टीम को कम मैच अभ्यास मिलता है तो उसके पास किसी खास मैच के लिए जरूरी मैच फिटनेस नहीं होती है। मुझे लगता है कि अंत में इसमें सुधार होगा। मुझे लगता है कि भारतीय गेंदबाजों को अधिक बाउंसरों का विकल्प चुनना चाहिए था, जिस तरह से नील वैगनर ने किया। भारतीय गेंदबाजों की गेंद की लेंथ में भी सुधार की जरूरत है, क्योंकि हमने केन विलियमसन और रॉस टेलर के काफी कट शॉट और बैक-फुट पंच देखे हैं।

प्रथमेश मिश्रा आरसीबी के अध्यक्ष नियुक्त

बेंगलुरु, वार्ता। आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को प्रथमेश मिश्रा को टीम का नया अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की है। मिश्रा वर्तमान में डियाजियो इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी हैं और अब उन्होंने यह अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाली है।

प्रथमेश ने आनंद कृपालु से आरसीबी के अध्यक्ष की भूमिका संभाली है, जिन्होंने 30 जून को डियाजियो इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त किया है। प्रथमेश ने अपनी नई भूमिका के बारे में कहा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु डियाजियो इंडिया का एक अभिन्न अंग है। मैं विराट कोहली, माइक हेसन और साइमन कैटिच के साथ कंधे से कंधा मिलाने को लेकर उत्साहित हूं। मैं आनंद को आरसीबी में उनके जबरदस्त योगदान के लिए भी धन्यवाद देना चाहूंगा।

उल्लेखनीय है कि प्रथमेश डियाजियो इंडिया में वाणिज्यिक समारोह का नेतृत्व करते हैं और इसकी कार्यकारी समिति का हिस्सा हैं। वह 2014 में पश्चिमी क्षेत्र के लिए जिम्मेदार मुख्य संचालन अधिकारी के रूप में डियाजियो इंडिया में शामिल हुए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का स्वामित्व रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है, जो शराब की दिग्गज कंपनी डियाजियो इंडिया की सहायक कंपनी है।

भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज को ओलंपिक टिकट

नयी दिल्ली,वार्ता। भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने बुधवार को टोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल कर लिया । अंतरराष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिताओं के संचालन के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय महासंघ ' फीना ' के पुरुष 100 मीटर बैकस्ट्रोक टाइम ट्रायल में श्रीहरि नटराज के 'ए' मानक योग्यता समय को मंजूरी दिए जाने के बाद उन्होंने ओलंपिक के क्वालीफाई किया है।दरअसल 20 वर्षीय श्रीहरि ने रविवार को रोम में 100 मीटर बैकस्ट्रोक ओलंपिक क्वालीफिकेशन टाइम पूरा किया था और इस प्रदर्शन के बाद से फीना की मंजूरी का इंतजार कर रहे थे।

स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने बुधवार को ट्वीट में कहा, श्रीहरि नटराज के सेटे कोली ट्रॉफी में 53.77 सेकेंड के ओलिंपिक क्वालीफिकेशन समय की फीना द्वारा पुष्टि की गई है। एसएफआई ने इसके लिए अपना प्रतिनिधित्व फीना के सामने रखा था। श्रीहरि साजन प्रकाश के साथ टोक्यो में भारत की ए योग्यता एंट्री के रूप में शामिल होंगे। नटराज की योग्यता का मतलब है कि भारत टोक्यो 2020 में कम से कम दो तैराकों को मैदान में उतारेगा। यह पहली बार होगा जब दो भारतीय तैराक सीधी योग्यता हासिल करने के बाद ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेंगे। साजन प्रकाश ओलंपिक क्वालीफिकेशन टाइम पूरा करने वाले पहले भारतीय बने थे, जब उन्होंने पिछले हफ्ते सेटे कोली ट्रॉफी में 1.56.38 सेकेंड में 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा पूरी की थी।

अक्षय कुमार के म्यूजिक वीडियो फिल्हाल 2 मोहब्बत के टीजर ने मचायी धूम

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार के अपकमिंग म्यूजिक वीडियो फिल्हाल 2 मोहब्बत के टीजर ने धूम मचा दी है।

अक्षय कुमार का म्यूजिक वीडियो फिलहाल 2019 में रिलीज़ हुआ था और इसने कई सारे रिकॉर्ड बनाए हैं, यह हाल ही में यूटयूब पर एक बिलियन मार्क पार करने वाले भारत के पहले गीतों में से एक बन गया है।अभी हाल ही में इस गाने के सीक्वल की घोषणा की गई थी,जिससे प्रशंसकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है , हर कोई फिलहाल 2 मोहब्बत के गाने को देखने सुनने के लिए बेकरार है। ऐसे में निर्माताओं ने फिलहाल 2 का टीजर रिलीज़ कर दिया है।रिलीज के कुछ ही घंटो के भीतर इसने इंटरनेट पर धूम मचा दी है।इसे अभी तक (सभी प्लेटफार्मों पर) 11 मिलियन से अधिक बार देखा गया है। टीज़र को मिली अपार प्रतिक्रिया को देख , 06 जुलाई को होने वाले गाने के लॉन्च से उम्मीद कुछ और अधिक बढ़ गई है।

गौरतलब है कि फिलहाल 2 मोहब्बत में अक्षय कुमार के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनॉन की बहन नुपुर सेनॉन नजर आ रही हैं। गाने को मशहूर पंजाबी सिंगर बी प्राक ने अपनी आवाज दी है। इसके बोल और म्यूजिक जानी ने दिया है।

बाहुबली वेब सीरीज को लेकर आया नया अपडेट

मुंबई, वार्ता। बाहुबली॰ बिफोर द बिगिनिंग वेब सीरीज कुछ महीनों पहले खबरों में थी। तब खबरें आ रही थी कि निर्देशक ने या तो छोड़ दिया है या उन्हें हटा दिया गया है। इसके बाद खबरें आई कि निर्माताओं को कई चीजें पसंद नहीं आ रही है, फिर खबर आई कि मृणाल ठाकुर ने शो छोड़ दिया हैद्य अब खबर आ रही है कि विश्वेश कृष्णमूर्ति के निर्देशन पर सवालिया निशान लग गए हैं।

विश्वेश कृष्णमूर्ति इसके पहले इस वेब सीरीज का निर्देशन करने वाले थेद्य उन्होंने इसके पहले 99 सोंग्स और द अनटाइटल कार्तिक कृष्णन प्रोजेक्ट का निर्देशन किया है। अब बाहुबली बिफोर द बिगिनिंग वेब सीरीज एक बार फिर शुरू होने जा रही है लेकिन इसमें कुछ नया बदलाव हुआ हैद्य कहा जा रहा है कि अब दो निर्देश इस वेब सीरीज का निर्देशन करेंगेद्य वही मृणाल ठाकुर की वापसी नहीं होगी। प्री-प्रोडक्शन एक बार फिर से किया जा रहा हैद्य अब कुणाल देशमुख और रिभु दासगुप्ता मिलकर इस वेब सीरीज का निर्देशन करेंगे।कुणाल देशमुख ने जन्नत, जन्नत 2 और शिद्दत जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। वहीं रिभु दासगुप्ता ने हाल ही में परिणीति चोपड़ा की फिल्म द गर्ल ऑन द ट्रेन का निर्देशन किया था। बाहुबली एक लोकप्रिय फिल्म रही हैद्य इस फिल्म ने हिंदी सिनेमा जगत की कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थेद्य इस फिल्म के चलते प्रभास सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान से भी बड़े कलाकार बन गए है और बॉक्स ऑफिस पर उनका डंका बजने लगा है।बाहुबली फिल्म दो भागों में रिलीज की गई थी। इसके दोनों भागों की काफी पसंद किया गया थाद्य बाहुबली के दूसरे भाग के रिलीज के समय बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों की रिलीज को टाल दिया गया थाद्य बाहुबली में प्रभास के अलावा राणा दग्गुबाती और तमन्ना भाटिया की अहम भूमिका थीद्य वही इस फिल्म में अनुष्का शेट्टी ने भी खास भूमिका निभाई थी।

लूप लपेटा में अहम भूमिका निभाएंगी श्रेया धनवंतरी

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रेया धनवंतरी अपनी अगली फिल्म लूप लपेटा में तापसी पन्नू और ताहिर राज भसीन के साथ अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी।स्कैम 1992 और फैमिली मैन सीरीज में काम करने के बाद श्रेया ने अपनी पहचान बना ली है। फिल्म लूपलपेटा के निर्माता तापसी पन्नू और ताहिर राज भसीन यानी सावी और सत्या की भूमिकाओं से मेल खाने के लिए लोकप्रिय और मजबूत अभिनेत्री की तलाश में थे। निर्माता श्रेया के अभिनय कौशल को जानते थे और इसीलिए उन्होंने तुरंत श्रेया को जूलिया के क़िरदार के लिए चुना।श्रेया धनवंतरी ने कहा, मेरे लिए फिल्म लूपलपेटा में काम करने के कई कारण थे। मुझे जो किरदार ऑफर किया गया था वह इतना दिलचस्प था कि मैं मना नहीं कर सकी। इस फिल्म का शीर्षक भी काफी आकर्षक है। और मुझे हमेशा से ही कुछ नया और क्रेजी करना था जो लूप लपेटा में है!गौरतलब है कि सोनी पिक्चर्स फिल्म्स इंडिया, एलिप्सिस एंटरटेनमेंट (तनुज गर्ग, अतुल कसबेकर), आयुष माहेश्वरी द्वारा निर्मित और आकाश भाटिया द्वारा निर्देशित %लूप लपेटा% इस साल रिलीज होगी।

एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में लौटीं टीएमसी सांसद नुसरत जहां

शेयर की बेहद खूबसूरत तस्वीरें, नहीं हाटा पाएंगे नजरें

नई दिल्ली वार्ता। बंग्ला एक्ट्रेस और पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस पार्टी की सांसद नुसतर जहां इन दिनों काफी सुर्खियों में बनीं हुई हैं। बीते दिनों नुसरत अपने बिजनेसमैन पति निखिल जैन विवादों को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। नुसरत उस वक्त चर्चा में आईं थीं जब उन्होंने ?निखिल संग अपनी शादी को भारत में अवैध बताया था। यही नहीं एक्ट्रेस के प्रेग्नेंट होने की खबर ने भी सबका खूब ध्यान खींचा। हलांकि इन सब विवादों के बीच नुसरत सोशल मीडिया पर जबदस्त एक्टिव हैं। वह लगातार पोस्ट शेयर करती नजर आ रही हैं। इसी बीच नुसरत ने एक बार फिर अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें से सबका ध्यान खींचा हैं।

नुसरत जहां ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरें में वह बला की खूबसूरत नजर आ रही हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं कि नुसरत साड़ी पहने दिख रही हैं। उन्होंने प्रिंटेड लाइट ब्लू कलर की साड़ी पहनी हुई है। वहीं उनके बाल खुले हुए हैं। इस साड़ी के साथ उन्होंने कान में बेहद खूबसूरत गोल्डन ईयररिंग पहना है। वहीं इस दौरान उनका पोज देने का अंदाज अपका दिल जीत लेगा। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को फैंस काफी लाइक कर रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर नुसरत की जमकर तारीफ भी कर रहे हैं।

बता दें कि इससे पहले नुसरत जहां ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह व्हाइट कलर की टीशर्ट और गॉगल पहने नुसरत काफी फ्रेश नजर आ रही हैं। फोटो के साथ कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा साथ में हैशटैग डाला पॉजिटिव वाइब, वीकेंड। फोटो में नुसरत ने जो गॉगल लगाए हुए हैं उनपर तस्वीर क्लिक करने वाले की परछाई नजर आ रही है जिसे लेकर यूजर्स तरह तरह के सवाल कर रहे हैं।

बीफॉर यू भोजपुरी पर यश कुमार- निधि झा स्टारर बेटी नम्बर 1 का होगा वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई, वार्ता। भोजपुरी अभिनेता यश कुमार – निधि झा की फ़िल्म बेटी नम्बर 1 का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर बीफॉरयू भोजपुरी चैनल पर 03 और 04 जुलाई को होगा।

फिल्म को लेकर यश कुमार ने अपने दर्शकों से ख़ास अपील की है और कहा है कि वे इस फिल्म को अपने घरों में पुरे परिवार के साथ जरुर देखें। यश कुमार ने कहा कि यह एक ऐसी फिल्म है जिस पर भोजपुरी समाज को गर्व होगा. जो आंखों में ना सिर्फ आँसू लाएगी, बल्कि आप सभी के दिलों को झकझोर देगी। इसका ट्रेलर यूट्यूब पर उपलब्ध है। आप तीन जुलाई को शाम 06॰30 बजे और 04 जुलाई को सुबह 11॰00 बजे बीफॉरयू भोजपुरी पर हमारी फिल्म ज़रूर देखिये और अपनी प्रतिक्रिया दीजिए।गौरतलब है कि यश कुमार एंटरटेनमेंट प्रस्तुत इस फ़िल्म के संगीतकार मुन्ना दुबे और गीतकार विनय बिहारी, मुन्ना दुबे एवं राजेश मिश्रा है। फ़िल्म बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ मुहिम को भी बढ़ावा देने वाली है। फ़िल्म की कहानी खुद यश कुमार ने एस के चौहान के साथ मिलकर लिखी है। पटकथा और संवाद भी एस के चौहान का ही है।

टाइगर श्राफ ने हीरोपंती 2 के लिये तैयारियां शुरू की

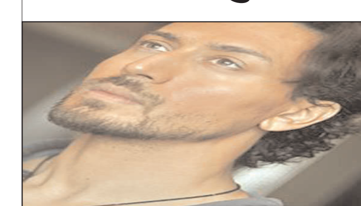

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्राफ ने अपनी आने वाली फिल्म हीरोपंती 2 के लिये तैयारियां शुरू कर दी है।

टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर काफी व्यस्त हैं। इन फिल्मों में से एक हीरोपंती 2 के लिये टाइगर ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। टाइगर ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से दी है कि वह हीरोपंती 2की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं।टाइगर ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ एक इंटरेक्टिव सेशन के दौरान यह खुलासा किया। सेशन के दौरान टाइगर के फैंस में से एक ने उनसे उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछा, जिस पर उन्होंने जवाब दिया कि अगला प्रजेक्ट हीरोपंती 2 है। जब उनसे पूछा गया कि वह फिल्म की शूटिंग कब शुरू करेंगे, तो टाइगर ने कहा कि वह अहमद खान निर्देशित फिल्म की शूटिंग कल से शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि वह मुंबई में फिल्म की शूटिंग करेंगे।गौरतलब है कि हीरोपंती 2, वर्ष 2014 में प्रदर्शित हीरोपंती की सीक्वल है। हीरोपंती 2 में टाइगर श्रॉफ के साथ कृति सैनन थीं।

आलिया भट्ट ने डार्लिंग्स की तैयारियां शुरू की

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी आने वाली फिल्म डार्लिंग्स की तैयारियां शुरू कर दी है।

आलिया ने हाल ही में संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की शूटिंग पूरी की है। अब इस फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद आलिया अपने नए प्रोजेक्ट की तैयारी में लग गई हैं। आलिया की अगली फिल्म शाहरुख खान के होम प्रोडक्शन में बन रही डार्लिंग्स है।आलिया ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म की स्क्रिप्ट हाथ में लिए हुए एक फोटो शेयर की है। आलिया ने इस फोटो के कैप्शन में लिखा, मेरी आज की डेट।

बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक मां बेटी की कहानी है, जिनकी जिंदगी कई तरह के उतार-चढ़ाव भरे हालातों से गुजरती है। ये मां-बेटी की जोड़ी दुनिया में अपनी जगह बनाने की कोशिशों में किन हालातों से गुजरती है, फिल्म में यही दिखाया जाएगा।

शानदार कांसेप्ट वाली फिल्म है अजनबी : विक्रांत सिंह राजपूत

निप्रम क्रिएशन के बैनर तले बन रही इमोशनल हॉरर फिल्म अजनबी की शूटिंग इन दिनों जोर-शोर से देव भूमि उत्तराखंड में चल रही है

मुंबई, वार्ता। भोजपुरी अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म अजनबी शानदार कांसेप्ट वाली फिल्म है और इस फिल्म में अवधेश मिश्रा के साथ काम करना उनके लिये सौभाग्य की बात है।

निप्रम क्रिएशन के बैनर तले बन रही इमोशनल हॉरर फिल्म अजनबी की शूटिंग इन दिनों जोर-शोर से देव भूमि उत्तराखंड में चल रही है। इस फिल्म से लंबे समय के बाद बिग बॉस और नच बलिये फेम अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत नजर आने वाले हैं।

विक्रांत सिंह राजपूत ने कहा, अजनबी एक शानदार कांसेप्ट वाली फिल्म है और इसे मशहूर अभिनेता अवधेश मिश्रा निर्देशित कर रहे हैं। उनके साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। फिल्म अजनबी लोगों को बहुत डराने वाली है। उन्होंने कहा बॉलीवुड और हॉलीवुड में कई हॉरर फिल्मे बनी हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म को आप जरुर देखिये, क्योंकि बेहद खतरनाक फिल्म बन रही है। इसलिए मैं चाहूँगा- आपका प्यार और आशीर्वाद मिले। मुझे भेड़ चाल में चलना पसंद नहीं है यदि अच्छी स्क्रिप्ट और कहानी मिलेगी तो मैं काम करूँगा. और जिस तरह इन दिनों यह इंडस्ट्री कंटेंट प्रधान फिल्मों की ओर बढ़ी है,उससे मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में मैं कई फ़िल्में कर सकूँगा।

देव सिंह ने फिल्म अजनबी को लेकर निर्देशक अवधेश मिश्रा की जमकर तारीफ की और कहा कि सिर्फ वही भोजपुरी फिल्म उद्योग को नयी दिशा दे सकते हैं, क्योंकि वे अपनी फिल्मों में सार्थकता और सकारात्मकता के साथ मनोरजन का अनूठा संगम लेकर आते हैं। ईश्वर का आशीर्वाद है कि मुझे अवधेश मिश्रा जैसे गॉड फादर मिल गये, जो मेरे अंदर अभिनय के हर रंग को तलाश कर तराशने का काम कर रहे हैं। इसलिए मेरी कोशिश हमेशा उनके विश्वास पर खड़ा उतरना होता है।अजनबी कमाल की फिल्म है, जिसमें अवधेश मिश्रा ने उन्हें लीड रोल में कास्ट किया है।

गौरतलब है कि फिल्म अजनबी के निर्माता प्रनीत वर्मा और लेखक - निर्देशक अवधेश मिश्रा हैं। गीत और संगीत साजन मिश्र का है।फिल्म में अवधेश मिश्रा के साथ विक्रांत सिंह राजपूत, संजय पांडे,देव सिंह, अनिता रावत, रोहित सिंह मटरू, संतोष पहलवान, जय सिंह, हीरा यादव, बबलू खान,सुधा वर्मा,पूजा भंडारी,अवंतिका यादव,प्रथु और केके गोस्वामी मुख्य भूमिका में हैं।

भगवान शिव की मूर्ति के पैर छूते दिखे लक्ष्मण सुनील लहरी कर बैठे एक चूक!

यूज़र्स बोले- आपसे ऐसी अपेक्षा ना थी...

नई दिल्ली वार्ता। रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले एक्टर सुनील इन दिनों सोशल मीडिया पर काफ़ी एक्टिव हैं और अपने जीवन से जुड़े अपडेट फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। पिछले दिनों सुनील अपने लुक के लिए काफ़ी चर्चा में रहे। उनकी बढ़ी हुई दाढ़ी और फिर क्लीन शेव लुक पर फैंस ने ख़ूब प्रतिक्रियाएं दीं, मगर अब एक ऐसी तस्वीर पोस्ट की है, जिस पर उनके फैंस और फॉलोअर्स आपत्ति जता रहे हैं। सुनील ने बुधवार को दो नई तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वो भगवान शिव की विशाल प्रतिमा के सामने खड़े नज़र आ रहे हैं। काले रंग से बनी प्रतिमा काफ़ी प्रभावशाली है और भगवान शिव की समाधि की मुद्रा दिखायी गयी है। पहली तस्वीर में सुनील ने प्रतिमा के सामने खड़े होकर सेल्फी ली है।

दूसरी तस्वीर में सुनील भगवान शिव की प्रतिमा के चरण स्पर्श कर रहे हैं। लक्ष्मण को शिव के आगे नतमस्तक देख कई फैंस ने ख़ुशी ज़ाहिर की। उनके इस अंदाज़ को पसंद किया और हर हर महादेव के नारे लिखे। सुनील ने इस तस्वीर के साथ लिखा- ओम नम॰ शिवाय। यह शूटिंग के लिए बनायी गयी भगवान शिव की मूर्ति है।

जहां बहुत से फॉलोअर्स ने मूर्ति के साथ उनकी तस्वीर को पसंद किया, वहीं दूसरी तस्वीर को लेकर आपत्त जतायी। दरअसल, दूसरी तस्वीर में सुनील जूते पहनकर भगवान शिव का चरण स्पर्श कर रहे हैं। यूज़र्स ने इस ओर सुनील का ध्यान आकर्षित करते हुए कमेंट किये।

कुछ कमेंट्स के स्क्रीन शॉट आप नीचे देख सकते हैं। एक यूज़र ने लिखा- जूते तो उतार लेते प्रभु। एक अन्य यूज़र ने लिखा- भले ही यह शूटिंग के लिए बनायी गयी मूर्ति है। लेकिन है मंदिर ही। आप तो लक्ष्मण का किरदार निभा चुके हैं। आपसे ऐसी अपेक्षा नहीं थी।

रामायण धारावाहिक का प्रसारण अस्सी के दशक में दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर हुआ था। यह धारावाहिक बेहद लोकप्रिय रहा था और इसके सभी कलाकारों को देशभर में ज़बरदस्त पहचान और सम्मान मिला था। राम का किरदार अरुण गोविल ने निभाया था। सीता के किरदार में दीपिका चिखलिया और रावण के रोल में अरविंद त्रिवेदी थे। पिछले साल लॉकडाउन में रामायण को दूरदर्शन पर दोबारा प्रसारित किया गया था।

यश कुमार की बंधन राखी का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई, वार्ता। भोजपुरी अभिनेता यश कुमार की आने वाली फिल्म %बंधन राखी का% फर्स्ट लुक आज रिलीज हो गया।

निर्माता दुर्गा प्रसाद मजूमदार की फिल्म बंधन राखी का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है, जिसमें यश कुमार बेहद आकर्षक लुक में नजर आ रहे हैं। फ़िल्म बंधन राखी का में यश कुमार ने एक बार फिर साबित किया है कि उनके लिए फ़िल्म और बेहतरीन अभिनय ही सब कुछ है। इस फ़िल्म का ट्रेलर आगामी 04 जुलाई को रिलीज किया जाएगा।

यश कुमार ने कहा, यह फिल्म दर्शकों के दिल में उतर जाने वाली है। इसकी एक झलक आज रिलीज हुई फ़िल्म के फर्स्ट लुक में मिल जाएगी। इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि मेरी अन्य फिल्मों की तरह इस फिल्म को भी आप सबों का प्यार और आशीर्वाद भरपूर मिलेगा।

गौरतलब है कि आदि शक्ति एंटरटेनमेंट प्रस्तुत फ़िल्म बंधन राखी का के निर्देशक अजय कुमार झा हैं। फिल्म के निर्माता

सुशांत सिंह राजपूत की दोस्त को बॉलीवुड का एक पीआर गैंग कर रहा है परेशान! दिवंगत एक्टर के लिए उठाती रही हैं आवाज

नई दिल्ली वार्ता। बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की एक दोस्त इन दिनों मुश्किलों का सामना कर रही हैं। उनकी इस दोस्त का नाम स्मिता पारिख है। स्मिता पारिख ने खुलासा किया है कि बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री का एक पेड पीआर गैंग उनपर और उनके परिवार पर हमले कर परेशान कर रहा है। जिसके बाद स्मिता पारिख के सपोर्ट में सुशांत सिंह राजपूत की बहन आई हैं।

स्मिता पारिख ने पेड पीआर गैंग के बारे में अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा, सत्य और न्याय का रास्ता मेरे लिए जिंदगी का रास्ता है। कोई फर्क नहीं पड़ता पीआर गैंग कितना भी गिरा हुआ क्यों न हों। यह गैंग मेरे बेटे की अनधिकृत तस्वीरों का इस्तेमाल करके मुझ पर हमला कर रहा है? कानून आपको अपना रास्ता दिखाएगा खैर मुझे मेरे चुने हुए रास्ते से कोई नहीं रोक सकता। आपको आपका कर्मा देखेंगे और हम अपने- अजेय सुशांत सिंह राजपूत के साथ खड़े होंगे।

स्मिता पारिख के इस ट्वीट पर सुशांत सिंह राजपूत की बहन प्रियंका सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्मिता के ट्वीट पर लिखा, सच में!!! हमेशा की तरह मजबूत और दृढ़ रहें।

सोशल मीडिया पर स्मिता पारिख और प्रियंका सिंह के ट्वीट्स तेजी से वायरल हो रहे हैं। सुशांत सिंह राजपूत के फैंस और तमाम सोशल मीडिया यूजर्स उन दोनों के ट्वीट्स पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

गौरतलब है कि सुशांत सिंह राजपूत की दोस्त स्मिता पारिख उस समय काफी चर्चा में रही थीं, जब उन्होंने दिवंगत अभिनेता की मौत की जांच में खामियों की ओर इशारा करते हुए न्याय की मांग की थी। स्मिता पारिख ने इससे पहले सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को लेकर कई दावे किए थे। उन्होंने कहा कि सुशांत से मिलने से पहले रिया ने अभिनेता आदित्य रॉय कपूर को डेट किया था।

सेंसेक्स लगातार चौथे दिन लुढ़का

मुंबई वार्ता। एशियाई बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार आज लगभग पूरे दिन दबाव में रहे और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 164 अंक से अधिक टूटकर एक सप्ताह से अधिक के निचले स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स शुरुआती तेजी में खुला, लेकिन इसके बाद लगभग पूरे दिन लाल निशान में रहा। आखिरकार 164.11 अंक यानी 0.31 प्रतिशत टूटकर 23 जून के बाद के निचले स्तर 52,318.60 अंक पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 41.50 अंक यानी 0.26 प्रतिशत लुढ़ककर 15,680 अंक पर बंद हुआ जो 22 जून के बाद का निचला स्तर है। दोनों सूचकांक लगातार चौथे दिन लाल निशान में बंद हुये हैं।

बिजली, ऊर्जा, आईटी, टेक, दूरसंचार, बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों में बिकवाली रही। ऑटो, स्वास्थ्य और एफएमसीजी कंपनियों में लिवाली से सेंसेक्स और अधिक टूटने से बच गया।

मझौली कंपनियों से भी निवेशकों ने पैसा निकाला जबकि छोटी कंपनियों में उन्होंने पैसा लगाया। बीएसई का मिडकैप 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 22,494.14 अंक पर बंद हुआ। छोटी कंपनियों का प्रदर्शन अच्छा रहा। बीएसई का स्मॉलकैप 0.32 प्रतिशत चढ़कर 25,312.59 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व का शेयर 2.20 प्रतिशत, इंफोसिस का 1.32 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.02 प्रतिशत और टेक महिंद्रा का 1.01 प्रतिशत टूट गया।

डॉ. रेड्डीज लैब का शेयर 2.56 फीसदी, बजाज ऑटो का 1.84 फीसदी, सनफार्मा का 1.27 फीसदी, एशियन पेंट्स का 1.08 फीसदी और मारुति सुजुकी का 1.01 फीसदी चढ़ा।

एशिया में अधिकतर प्रमुख शेयर बाजार गिरावट में रहे। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.44 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.29 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.07 फीसदी टूट गये। यूरोप बाजारों में तेजी रही। शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.83 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.54 फीसदी मजबूत हुआ।सेंसेक्स 155.79 अंक की बढ़त में 52,638.50 अंक पर खुला और यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर रहा। कुछ ही देर में संवेदी सूचकांक लाल निशान में चला गया और पूरे दिन उबर नहीं सका। कारोबार की समाप्ति से पहले एक समय यह 52,281.01 अंक तक लुढ़क गया था। अंत में गत दिवस की तुलना में 0.31 फीसदी नीचे 52,318.60 अंक पर बंद हुआ।

बीएसई में कुल 3,338 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,639 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ और 1,570 के शेयर गिरावट में बंद हुये जबकि शेष 129 कंपनियों के शेयर अपरिवर्तित रहे।

निफ्टी की शुरुआत 33.55 अंक की तेजी में 15,755.05 अंक पर हुई। यह ऊपर 15,755.55 अंक तक और नीचे 15,667.05 अंक तक गया। अंत में गत दिवस की तुलना में 0.26 प्रतिशत टूटकर 15,680 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 से 24 कंपनियों के शेयर टूट गये जबकि शेष 26 के मजबूती के साथ बंद हुये।

लगातार दूसरे दिन स्थिर रहे पेट्रोल-डीजल के दाम

नयी दिल्ली वार्ता। पेट्रोल-डीजल के दाम गुरुवार को लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड स्तर पर स्थिर रहे।अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, आज दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 98.81 रुपये और डीजल की कीमत 89.18 रुपये प्रति लीटर के उच्चतम स्तर पर अपरिवर्तित रही।दिल्ली में जून में पेट्रोल का मूल्य 4.58 रुपये और डीजल की कीमत 4.03 रुपये बढ़ी थी। इससे पहले मई में भी पेट्रोल 3.83 रुपये और डीजल 4.42 रुपये महँगा हुआ था। इस प्रकार दो महीने में पेट्रोल 8.41 रुपये (9.30 प्रतिशत) और डीजल 8.45 रुपये (10.47 प्रतिशत) महँगा हो चुका है।देश के दूसरे शहरों में भी आज दोनों जीवाश्म ईंधनों के मूल्यों में कोई बदलाव नहीं हुआ। मुंबई में पेट्रोल 104.90 रुपये और डीजल 96.72 रुपये प्रति लीटर के रिकॉर्ड स्तर पर स्थिर रहा।

फ्यूचर रिटेल के कर्जदाताओं ने कर्ज पुनर्गठन योजना को मंजूरी दी

नयी दिल्ली वार्ता। कर्ज में डूबी फ्यूचर रिटेल लि. को कर्ज दे रखे संस्थानों से कंपनी के मौजूदा वित्तीय ऋण को लेकर पुनर्गठन योजना को मंजूरी मिल गयी है। यह मंजूरी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की कोविड संबंधित दबाव के लिए लाई गई समाधान व्यवस्था के तहत दी गयी है। फ्यूचर रिटेल लि. (एफआरएल) ने शनिवार देर रात शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पुनर्गठन योजना अब मंजूरी के लिए आरबीआई द्वारा के वी कामत की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ समिति को भेजी जाएगी कंपनी के अनुसार समाधान योजना के तहत एफआरएल द्वारा गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिये जुटाये गए ऋण भी मौजूदा कर्ज का हिस्सा होगा और उसे भी पुनर्गठित करने का प्रस्ताव है। सूचना में कहा गया है कि कंपनी के निदेशक मंडल ने भी शनिवार को हुई बैठक में पुनर्गठन योजना को मंजूरी दे दी। कंपनी को समाधान रूपरेखा के साथ वित्तीय दबाव से बाहर निकलने की उम्मीद है।

शेयर बाजार को भेजी गयी सूचना में कहा गया है, निदेशक मंडल की 17 अप्रैल, 2021 को हुई बैठक में बैंकों से लिए गए मौजूदा सुरक्षित वित्तीय कर्ज को लेकर पुनर्गठन योजना को मंजूरी दी गयी है। यह मंजूरी रिजर्व बैंक द्वारा घोषित कोविड-19 संबंधित दबाव के लिए समाधान व्यवस्था के तहत दी गयी है। कंपनी ने यह भी कहा कि बैंकों ने समाधान योजना को मंजूरी दे दी है। अब यह केवी कामत की अध्यक्षता में रिजर्व बैंक द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की मंजूरी पर निर्भर है। कर्ज पुनर्गठन के बाद कंपनी को पटरी पर आने की उम्मीद है।

कंपनी का रेमडेसिविर सबसे सस्ता, सरकार ने घटा दिए दाम

नयी दिल्ली वार्ता। कोरोना के गंभीर मरीजों के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवा रेमडेसिविर के दामों में भारी कमी की गई है। इस दवा को देश में सात कंपनियां बना रही हैं, जो इसे अभी तक 2800 से 5400 रुपये प्रति इंजेक्शन की एमआरपी पर बेच रहीं थीं, लेकिन अब ये कीमतें 899 से 3490 रुपये प्रति इंजेक्शन के बीच कर दी गई है। राष्ट्रीय औषध मूल्य प्राधिकरण (एनपीपीए) ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा कि देश में रेमडेसिविर की उपलब्धता बढ़ाने और लोगों को इसे आसानी से उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने इसका उत्पादन कर रही कंपनियों से कीमतों में कमी का अनुरोध किया था। कंपनियों ने इसे स्वीकार करते हुए स्वेच्छा से मूल्यों में कमी का ऐलान किया है।एनपीपीए के सदस्य सचिव डॉ. विनोद कोटवाल की तरफ से जारी आदेश के अनुसार अब कैडिला हेल्थकेयर द्वारा बनाई जा रही रेमडेसिविर इंजेक्शन रेमडेक सबसे सस्ता 899 रुपये का होगा। यह 100 मिलीग्राम का इंजेक्शन होता है। कैडिला के इंजेक्शन के पहले भी दाम सबसे कम 2800 रुपये थे। बायोकान बायोलॉजिक्स इंडिया ने अपने इंजेक्शन रेमविन की कीमत 3950 से घटाकर 2450 कर दी है।डॉ. रेड्डी लैब ने रेडेक्स की कीमत 5400 से घटाकर 2700 करने का ऐलान किया है। सिप्ला ने सिपरेमी की कीमत 4000 से घटाकर 3000, माइलन फार्मास्युटिकल ने अपने ब्रांड डेसरेम की कीमत 4800 से 3400, जुबिलेंट जेनेरिक्स ने जुबी-आर की कीमत 4700 से 3400 तथा हेट्रो हेल्थकेयर ने कोविफोर की कीमत 5400 से कम करके 3490 रुपये कर दिया है।

अमेजन-पे पर 50 लाख कारोबारी रजिस्टर्ड

नयी दिल्ली वार्ता। ऑनलाइन प्लैटफॉर्म के जरिये उत्पादों की बिक्री सुविधा देने वाली कंपनी अमेजन ने शनिवार को कहा कि उसने अमेजन-पे के जरिये 50 लाख कारोबारियों का पंजीकरण किया। कंपनी ने कहा कि वह भारत में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिये छोटे और मझोले उद्यमों (एसएमबी) की मदद पर उसका ध्यान दे रही है। अमेजन-पे कंपनी की भुगतान प्रणाली कंपनी है। कंपनी ने कहा है कि इन पंजीकृत व्यवसायियों में से बहुत से पहले केवल नकद भुगतान ही स्वीकार किया करते थे, लेकिन अब वे अमेजन- पे के क्यूआर कोड का इस्तेमाल करते हुए ग्राहकों से भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। अमेजन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रसेल ग्रांडिनेती ने अमेजन संभव कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा, 2019 के बाद से अमेजन-पे के जरिये हमने 50 लाख व्यवसायियों को पंजीकृत किया है और चार करोड़ ग्राहकों ने हमारी इस सेवा के जरिये यूपीआई का इस्तेमाल किया है। इस समूचे परिवेश में हम अकेले नहीं हैं, अमेजन की तरह और भी कंपनियां और हमारे प्रतिस्पर्धी सभी यदि मदद करेंगे तो यह चक्र और भी तेजी से घूमेगा।उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में सरकारें और संगठन न केवल भारत के आधार, इंडिया स्टेक और यूपीआई को लेकर उत्साहित हैं बल्कि वह अपने देश में भी इस तरह की व्यवस्था को शुरू करने को लेकर काम कर रहे हैं। ग्रांडिनेती ने भारत में आधार, ई-केवाईसी और यूपीआई का जिक्र करते हुए कहा कि प्रणालियों के आधार पर व्यक्तिगत विक्रेताओं को देशभर में ग्राहकों तक पहुंचने में मदद मिली है। इनके जरिये राज्य की सीमाओं पर आर्डर पहुंचाने में भी आसानी हुई है। अमेजन-पे इंडिया के सीईओ महेन्द्र नेरूरकर ने इस मौके पर कहा कि 50 लाख छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों को डिजिटल भुगतान स्वीकार करने योग्य बनाकर कंपनी इन सभी का डिजिटल भारत में समावेश किए जाने की उम्मीद कर रही है। देश में अमेजन-पे को इस्तेमाल करने वाले 50 लाख छोटे और मझौले व्यवसायियों में से 25 लाख से अधिक खुदरा और किराना स्टोर जेसी दुकानों को चलाते हैं।करीब 10 लाख खान- पीने के छोटे रेस्त्रां और स्टॉल चलाते हैं। पांच लाख से अधिक सैलून सेवायें, चार लाख के करीब स्वास्थ्य और चिकित्सा देखभाल सेवायें उपलब्ध कराते हैं। शेष कुछ टैक्सी चालक, आटो चालक, प्लंबर और अन्य प्रकार की सेवायें देते हैं। इन्फोसिस के सह- संस्थापक नंदन नीलेकणि ने इस अवसर पर कहा कि छोटे-मोटे कारोबार ही भारत का भविष्य हैं।

कच्चा तेल दो फीसदी उछला

लंदन,वार्ता। अमेरिका में तेल भंडार में कमी के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल आज करीब दो प्रतिशत उछल गया।

लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 1.41 डॉलर यानी 1.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76.03 डॉलर प्रति बैरल पर पहुँच गया। अगस्त का अमेरिकी क्रूड वायदा 1.67 डॉलर यानी 2.27 प्रतिशत चढ़कर 75.14 डॉलर प्रति बैरल बोला गया।बाजार विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिका में तेल भंडार कम होने से और निकट भविष्य में माँग बढ़ने की उम्मीद में कच्चे तेल में तेजी देखी जा रही है। निवेशकों की नजर ओपेक प्लस देशों की रणनीति पर भी है। उनकी दिलचस्पी इस बात में है कि ओपेक प्लस देश कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से रोकने के लिए उत्पादन बढ़ाने का फैसला करते हैं या नहीं।

सोने-चाँदी की चमक बढ़ी

मुंबई, वार्ता। विदेशों में दोनों कीमती धातुओं में गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर भी बुधवार को सोना टूट गया जबकि चाँदी मजबूत हुई।एमसीएक्स वायदा बाजार में सोना 249 रुपये यानी 0.53 प्रतिशत चमककर 47,088 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं, सोना मिनी 205 रुपये की बढ़त के साथ 47,022 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुँच गया।

चाँदी 764 रुपये यानी 1.12 प्रतिशत उछलकर 68,899 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिकी। चाँदी मिनी भी 626 रुपये मजबूत हुई और 69,810 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर आज सात डॉलर की मजबूती के साथ 1,776.85 डॉलर प्रति औंस पर पहुँच गया। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा भी 5.90 डॉलर चमककर 1,777.50 डॉलर प्रति औंस बोला गया। चाँदी हाजिर 0.16 डॉलर की बढ़त के साथ 26.25 डॉलर प्रति औंस पर रही।

खाद्य तेल, दलहन, चीनी, गुड़ , गेहूं स्थिर, चावल नरम

नयी दिल्ली वार्ता। विदेशों में खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव के बीच दिल्ली थोक जिंस बाजार में शुक्रवार को वनस्पति 146 रुपए टूट गया और अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान दालों के साथ ही गेहूं और चीनी में स्थिरता रही जबकि चावल नरम रहा।

तेल-तिलहन ः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा दो रिंगिट फिसलकर 3,375 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.78 सेंट चढ़कर 54.11 सेंट प्रति पाउंड बोला गया।

स्थानीय बाजार में मांग कमजोर रहने से वनस्पति 146 रुपए प्रति क्विंटल उतर गया जबकि सूरजमुखी तेल, मूंगफली तेल, पाम ऑयल, सरसों तेल और सोया तेल के भावों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

स्थानीय बाजार में ग्राहकी आने से सूरजमुखी तेल 220 रुपये, सरसों तेल 147 रुपये और मूंगफली तेल 72 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। कम उठाव के दबाव में सोया तेल 294 रुपये और पाम ऑयल तथा वनस्पति 147-147 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 16,996 रुपये, मूंगफली तेल 19,193 रुपये, सूरजमुखी तेल 19,267 रुपये, सोया रिफाइंड 15,091 रुपये, पाम ऑयल 12,527 रुपये और वनस्पति तेल 13,479 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन ः चना 4,450-4,550, दाल चना 5,550-5,650, मसूर काली 6850-7050, मूंग दाल 9100-9350, उड़द दाल 9300-9600, अरहर दाल 8700-9050 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज ः चावल की कीमत 50 रुपये प्रति क्विंटल घट गई जबकि गेहूं 10 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया।

सप्ताहांत पर अनाज (भाव प्रति क्विंटल) ः गेहूं दड़ा 1920-1930 रुपये और चावल ः 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।चीनी गुड़ ः मीठे के बाजार में ग्राहकी बढ़ने से चीनी में 10 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी दर्ज की गई। गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सप्ताहांत पर चीनी एस 3460-3550, चीनी एम. 3450-3550, मिल डिलिवरी 3250-3350 और गुड़ 3050-3150 रुपये प्रति क्विंटल पर रहे।

10 सप्ताह बाद विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 603.93 अरब डॉलर पर

मुंबई वार्ता। देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार 10 सप्ताह की तेजी को बनाए रखने में असफल हो गया और गत 18जून को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.14अरब डॉलर घटकर 603.93अरब डॉलर पर आ गया।11 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.07 अरब डॉलर बढ़कर 608.08 अरब डॉलर पर पहुंच गया और तब भारत इस मामले में दुनिया का चौथा सबसे बड़ा देश बन गया था।भारतीय रिजर्व बैंक के आज जारी आंकड़ों के अनुसार, 18 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.14 अरब डॉलर घटकर 603.93 अरब डॉलर पर आ गया।विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.97 अरब डॉलर गिरकर 561.54 अरब डॉलर पर रहा। इस दौरान स्वर्ण भंडार 2.17 अरब डॉलर घटकर 35.93 अरब डॉलर पर रहा।

देश में ही बनेगी स्टाइरिन, इंडियन ऑयल करेगी 4,495 करोड़ का निवेश

नयी दिल्ली वार्ता। रबड़, पेंट तथा अन्य उद्योगों में इस्तेमाल होने वाली स्टाइरिन के देश में निर्माण के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन 4,495 करोड़ रुपये की लागत से संयंत्र स्थापित करेगी।इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के निदेशक मंडल ने बुधवार को इस संबंध में पहले चरण की स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह देश का पहला स्टाइरिन संयंत्र होगा। इस समय इसका पूरी तरह आयात होता है।

कंपनी ने बताया कि 'स्टाइरिन मोनोमर परियोजना' की क्षमता 3.87 लाख टन सालाना होगी और इसके क्रियान्वयन में 4,495 करोड़ रुपये के पूँजी निवेश का अनुमान है। यह संयंत्र इंडियन ऑयल के पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल परिसर में लगाया जायेगा।

इस परियोजना में वित्त वर्ष 2026-27 तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। स्टाइरिन बनाने के लिए इथिलीन कंपनी की इंडमैक्स इकाई से लिया जायेगा जबकि बेंजीन का उत्पादन पानीपत परिसर में ही होता है।

इस समय देश में हर साल करीब नौ लाख टन स्टाइरिन की खपत होती है जो पूरी तरह विदेश से मँगाई जाती है। भविष्य में माँग और बढ़ने की संभावना है। स्वदेशी संयंत्र में उत्पादन शुरू होने से 50 करोड़ डॉलर की विदेशी मुद्रा की बचत हो सकेगी।

स्टाइरिन का उत्पादन पॉली स्टाइरिन, पेंट और कोटिंग्स, असंतृप्त पॉलीस्टर रेजिन और एक्रिलोनाइट्राइल ब्यूटाडाइन स्टाइरिन तथा स्टाइरिन-ब्यूटाडाइन रबड़ जैसे इलास्टोमर बनाने में किया जाता है।

इंडियन ऑयल ने बताया कि स्टाइरिन संयंत्र लगाने की मंजूरी पानीपत परिसर में उत्पादन बढ़ाने की वृहद योजना का हिस्सा है। कंपनी के निदेशक मंडल ने इस साल फरवरी में परिसर की उत्पादन क्षमता 1.5 करोड़ टन से बढ़ाकर 2.5 करोड़ टन सालाना करने और इस लिए 32,946 करोड़ रुपये के पूँजी निवेश को मंजूरी दी थी।

कर्मचारियों की घटेगी सैलरी, बढ़ेगा पीएफ और ओवरटाइम का मिलेगा फायदा

नयी दिल्ली वार्ता। आपके काम के घंटों से लेकर आपकी ग्रेच्युटी और पीएफ में भी बड़ा बदलाव एक अप्रैल से होने वाला था, लेकिन राज्यों की तैयारी न होने और कंपनियों को एचआर पॉलिसी बदलने के लिए अधिक समय देने के लिए इन्हें फिलहाल टाल दिया गया। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि एक जून से मजदूरी संहिता लागू हो सकती है। इससे कर्मचारियों की ग्रेच्युटी और भविष्य निधि (पीएफ) मद में बढ़ोतरी होगी। वहीं, हाथ में आने वाली टेक होम सैलरी घटेगी। यहां तक कि कंपनियों की बैलेंसशीट भी प्रभावित होगी।

भत्ते कुल सैलेरी के अधिकतम 50 फीसद होंगे

वेज (मजदूरी) की नई परिभाषा के तहत भत्ते कुल सैलेरी के अधिकतम 50 फीसद होंगे। इसका मतलब है कि मूल वेतन (सरकारी नौकरियों में मूल वेतन और महंगाई भत्ता) अप्रैल से कुल वेतन का 50 फीसदी या अधिक होना चाहिए। गौरतलब है कि देश के 73 साल के इतिहास में पहली बार इस प्रकार से श्रम कानून में बदलाव किए जा रहे हैं। सरकार का दावा है कि नियोक्ता और श्रमिक दोनों के लिए फायदेमंद साबित होंगे।

काम के घंटे 12 घंटे बदलने का प्रस्ताव

नए ड्राफ्ट कानून में कामकाज के अधिकतम घंटों को बढ़ाकर 12 करने का प्रस्ताव पेश किया है। ओएसच कोड के ड्राफ्ट नियमों में 15 से 30 मिनट के बीच के अतिरिक्त कामकाज को भी 30 मिनट गिनकर ओवरटाइम में शामिल करने का प्रावधान है। मौजूदा नियम में 30 मिनट से कम समय को ओवरटाइम योग्य नहीं माना जाता है। ड्राफ्ट नियमों में किसी भी कर्मचारी से 5 घंटे से ज्यादा लगातार काम कराने को प्रतिबंधित किया गया है। कर्मचारियों को हर पांच घंटे के बाद आधा घंटे का विश्राम देने के निर्देश भी ड्राफ्ट नियमों में शामिल हैं।

नए ड्राफ्ट रूल के अनुसार, मूल वेतन कुल वेतन का 50% या अधिक होना चाहिए। इससे ज्यादातर कर्मचारियों की वेतन संरचना बदलेगी, क्योंकि वेतन का गैर-भत्ते वाला हिस्सा आमतौर पर कुल सैलेरी के 50 फीसदी से कम होता है। वहीं कुल वेतन में भत्तों का हिस्सा और भी अधिक हो जाता है। मूल वेतन बढ़ने से आपका पीएफ भी बढ़ेगा। पीएफ मूल वेतन पर आधारित होता है। मूल वेतन बढ़ने से पीएफ बढ़ेगा, जिसका मतलब है कि टेक-होम या हाथ में आने वाला वेतन में कटौती होगी।

नए कानून से लोगों को रिटायरमेंट के बाद सुखद जीवन जीने में आसानी होगी। ग्रेच्युटी और पीएफ में योगदान बढ़ने से रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली राशि में बढ़ोतरी होगी। उच्च-भुगतान वाले अधिकारियों के वेतन संरचना में सबसे अधिक बदलाव आएगा और इसके चलते वो ही सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। पीएफ और ग्रेच्युटी बढ़ने से कंपनियों की लागत में भी वृद्धि होगी।

विनिर्माण क्षेत्र में जून में गिरावट - रिपोर्ट

नयी दिल्ली वार्ता। कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए लगाये गये सख्त प्रतिबंधों के कारण जून में भारत के विनिर्माण क्षेत्र में 11 महीने में पहली बार गिरावट देखी गई।आईएचएस मार्किट द्वारा आज जारी विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जून में घटकर 48.1 पर आ गया। मई में यह 50.8 पर रहा था। सूचकांक का 50 से ऊपर होना वृद्धि और इससे नीचे रहना गिरावट दर्शाता है जबकि 50 निरपेक्षता का स्तर है। जुलाई 2020 के बाद पहली बार देश के विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट रही है।आईएचएस मार्किट माह दर माह आधार पर विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के आँकड़े जारी करता है। आईएचएस मार्किट की इकोनॉमिक्स एसोसिएट डायरेक्टर पॉलियाना डी लीमा ने कहा भारत में कोविड-19 संकट गहराने से विनिर्माण अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। नये ऑर्डर, उत्पादन, निर्यात और इनपुट खरीद की वृद्धि का क्रम जून में थम गया। हालांकि, सभी मामलों में संकुचन की दर पहले लॉक-डाउन की तुलना में कम थी। पूँजीगत वस्तुओं के उपवर्ग पर जून में सबसे अधिक प्रभाव पड़ा। बिक्री में तेज गिरावट के कारण उत्पादन में भारी गिरावट आई है। खरीददारी के स्तर में सबसे तेज संकुचन इसी क्षेत्र में देखा गया और यह एकमात्र क्षेत्र रहा जहाँ कंपनियों ने छँटनी की।रिपोर्ट में बताया गया है कि अगस्त 2020 के बाद पहली बार माँग में वृद्धि का सिलसिला जून 2021 में समाप्त हो गया। विदेशों में भी कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण अंतर्राष्ट्रीय माँग में गिरावट रही। दस महीने में पहली बार नये निर्यात ऑर्डर में कमी आई है।वे ऑर्डर घटने, कारोबार बंद होने और कोविड-19 संकट के कारण उत्पादन में कमी आई है। कमजोर माँग और उत्पादन आवश्यकताओं में कमी से कंपनियों ने जून में कच्चे माल की खरीद घटा दी। नतीजा यह रहा कि आधा साल गुजर जाने के बावजूद छँटनी जारी है। रिपोर्ट में कहा गया है, रोजगार में गिरावट मामूली रही, लेकिन लगातार 15वें महीने गिरावट देखी गई।

लेवरेज एडु ने 5 करोड़ की स्टडी अब्रॉड स्कॉलरशिप लॉन्च की

नयी दिल्ली वार्ता। लेवरेज एडु ने आज उन भारतीय छात्रों के लिए भारत की सबसे बड़ी स्टडी अब्रॉड स्कॉलरशिप शुरू करने की घोषणा की, जो आगामी शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए विदेशों में पढ़ाई की योजना बना रहे हैं।

पहल के हिस्से के रूप में छात्र एक आवेदन कर सकते हैं, जो उनसे पूछता है कि उन्हें स्कॉलरशिप क्यों मिलनी चाहिए। यह भारत के छात्रों को उनकी ट्यूशन फीस, रहने के खर्च, लैपटॉप जीतने, स्टडी टूर की लागत पर छूट, और कैम्पस के अंदर के कामों तक पहुंच का सरलीकरण करता है। इस पांच करोड़ की स्कॉलरशिप से सैकड़ों छात्रों को लाभ होने की उम्मीद है।

लेवरेज एडु के संस्थापक व सीईओ अक्षय चतुर्वेदी ने स्कॉलरशिप की घोषणा करते हुए कहा, एक स्टूडेंट-फर्स्ट प्लेटफॉर्म के रूप में छात्रों के सपनों को हरसंभव तरीके से पूरा करना हमारा धर्म है। समय के साथ हमने सही करियर सलाह तक पहुंच बढ़ाने पर काम किया है, जिससे प्रत्येक छात्र को अपने सपने को पूरा करने में मदद मिलेगी। यह समझते हुए कि नतीजे इस बात से जुड़े हैं कि %यूनिवर्सिटी के बाद एक छात्र क्या कर सकता है% तो हमने अपने शिक्षाशास्त्र का उपयोग छात्रों के साथ आगे भी काम करने के लिए किया है। यह ऐसे कौशल हैं जो बेस्ट-इन-क्लास हैं और इसे पोस्ट ग्रेजुएशन नौकरियों से जोड़ते हैं। हमारे मैचिंग एल्गोरिदम, वर्चुअल भर्ती मेले का प्लेटफॉर्म, और कई अन्य सुविधाएं छात्र को आगे बढ़ाने और सफलता हासिल करने के अप्रोच के साथ ही विकसित की गई हैं। यहां अगला तार्किक कदम यह समझना था कि कुछ के लिए %वित्तीय विचार भी सीमित रहने का फेक्टर है%। यह और अधिक स्पष्ट हो गया क्योंकि हमारा ग्राहक आधार भारत के गैर-मेट्रो भागों से 60 प्रतिशत से अधिक हो गया है, जहां थोड़ी-सी मदद बहुत आगे बढ़ सकती है। लेवरेज एडु स्कॉलरशिप प्रोग्राम छात्रों पर दबाव कम करने के लिए है, और कुछ लैंडिंग ऑफर भी दे रहे हैं, जो उनकी ट्यूशन फीस की लागत को कम कर देंगे, जबकि अन्य के लिए यह अप्रत्यक्ष रूप से उनके अन्य कैंपस खर्चों को कवर करेगा, जो उन्हें यूनिवर्सिटी में सफल होने में मदद कर सकते हैं।

स्कॉलरशिप में एक रोलिंग एप्लिकेशन है और विजेताओं की घोषणा हर पखवाड़े की जाएगी। यह पूछे जाने पर कि छात्रों को स्कॉलरशिप के लिए कैसे आंका जाएगा तो उन्होंने कहा , हम वास्तव में ऐसे छात्रों की तलाश कर रहे हैं जो अपने आप पर विश्वास करते हैं कि विदेश जाने का अवसर मिलने पर उन्हें अपने और अपने परिवार के जीवन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। उनका मूल्यांकन उनके उत्तरों और प्रोफाइल की योग्यता के आधार पर किया जाएगा; विजेताओं का चयन अकादमिक और वरिष्ठ पेशेवरों की जूरी द्वारा किया जाएगा जिन्हें हमने एक साथ रखा है।

कोरोना की रिकवरी दर बढ़कर 96.97 फीसदी

देश में अब तक 33 करोड़ 57 लाख 16 हजार 019 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है

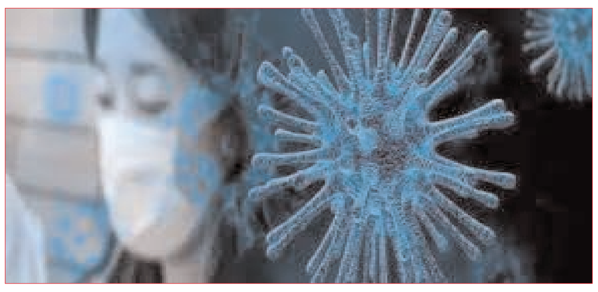

नयी दिल्ली वार्ता। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) के घटते मामलों के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के 48,786 नये मामले सामने आये और स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या अधिक रहने से रिकवरी दर बढ़कर 96.97 फीसदी हो गई है।

इस बीच बुधवार को 27 लाख 60 हजार 345 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 33 करोड़ 57 लाख 16 हजार 019 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 48,786 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ चार लाख 11 हजार 634 हो गया है। इस दौरान 61 हजार 588 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर दो करोड़ 94 लाख 88 हजार 918 हो गयी है। सक्रिय मामले 13,807 कम होकर पांच लाख 23 हजार 257 रह गये हैं। इसी अवधि में 1,005 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर तीन लाख 99 हजार 459 हो गया है।

देश में सक्रिय मामलों की दर कम होकर 1.72 फीसदी, रिकवरी दर बढ़कर 96.97 फीसदी और मृत्यु दर घटकर 1.31 हो गयी है।

महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले 723 घटने के बाद यह संख्या 1,19,558 हो गयी है। इसी दौरान राज्य में 10353 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 58,19,901 हो गयी है जबकि 141 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,21,945 हो गया है।कर्नाटक में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 9492 कम होकर 76528 रह गए हैं। वहीं 111 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा 35040 हो गया है। राज्य में अब तक 2732242 मरीज स्वस्थ हुए हैं।केरल में इस दौरान सक्रिय मामले 1708 बढ़कर 101343 हो गये हैं तथा 11808 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोना को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 2809587 हो गयी है जबकि 142 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 13235 हो गयी है।तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 1144 घटकर 38191 रह गयी है तथा 113 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 32619 हो गयी है। वहीं 2408886 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं।

आंध्र प्रदेश में सक्रिय मामले 38338 रह गये हैं। राज्य में कोरोना को मात देने वालों की तादाद 1838469 हो गयी है जबकि 12706 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 531 घटकर 20585 रह गये हैं और इस महामारी के संक्रमण से कुल 17708 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक 1461490 मरीज स्वस्थ हुए हैं।

तेलंगाना में सक्रिय मामले 99 घटकर 13388 रह गये हैं, जबकि अब तक 3661 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 606461 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं।

छत्तीसगढ़ में कोरोना के सक्रिय मामले 50 बढ़कर 5964 रह गये हैं। वहीं 975077 लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं जबकि एक और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 13439 हो गयी है।

पंजाब में सक्रिय मामले 213 घटकर 3134 रह गये हैं तथा संक्रमण से निजात पाने वालों की संख्या 575971 हो गयी है जबकि 16052 मरीजों की जान जा चुकी है।गुजरात में सक्रिय मामले 217 घटकर 3013 रह गये हैं तथा अब तक 10059 लोगों की मौत हुई है। वहीं 10059 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं।

पिता को संरक्षक पद से हटाने की ब्रिटनी की अपील खारिज

वाशिंगटन, वार्ता। लॉस एंजिल्स की अदालत ने बुधवार को एक बार फिर अमेरिकी पॉप गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स के अपने पिता जेम्स स्पीयर्स को उनके संरक्षक पद से हटाने के अनुरोध को खारिज कर दिया।वैराइटी मैगजीन ने गुरुवार को इस आशय की जानकारी दी।

वैरायटी ने अदालत दस्तावेजों के हवाले से कहा,कैलिफोर्निया की बेसेमर ट्रस्ट कंपनी को संपत्ति के एकमात्र संरक्षक के रूप में नियुक्त करने के तुरंत बाद जेम्स पी स्पीयर्स को संरक्षक पद से निलंबित करने के अनुरोध को बिना किसी पूर्वाग्रह के अस्वीकार कर दिया गया है।अदालत ने फैसला सुनाया कि ब्रिटनी स्पीयर्स कथित तौर पर अभी भी अपने वित्तीय संसाधनों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने और अनुचित प्रभाव का विरोध करने में असमर्थ हैं। हालांकि, उसने नई याचिकाएं प्रस्तुत करने का अधिकार बरकरार रखा है।

अफगानिस्तान कार बम विस्फोट में आठ पुलिस अधिकारी और एक जवान की मौत

काबुल,वार्ता। अफगानिस्तान के पश्चिमी प्रांत हेरात में एक कार बम विस्फोट में आठ पुलिस अधिकारियों और एक जवान की मौत हो गई।सुरक्षा सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि घौरियां जिला पुलिस मुख्यालय के पास बुधवार रात कार बम विस्फोट हुआ। अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों का स्वदेश जाना शुरू हो गया है। सैनिकों के वापस लौटने पर अफगानिस्तान में हिंसक घटनाएं बढ़ने लगी हैं।

तालिबान ने हाल ही में आक्रामक रुख अख्तियार किया है और उत्तरी अफगानिस्तान के कुछ क्षेत्रों में अपना कब्जा करना शुरू कर दिया है।

डेल्टा के प्रभावी स्ट्रैन बनने की आशंका -स्पैन

बर्लिन, वार्ता। जर्मनी के स्वास्थ्य मंत्री जेन्स स्पैन ने गुरुवार को कहा कि अत्यधिक संक्रामक डेल्टा कोरोना वायरस वेरियंट के इस महीने की शुरुआत में देश भर में प्रभावी स्ट्रैन बनने की आशंका है।श्री स्पैन ने कोरोना वायरस पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा,डेल्टा जल्द ही जर्मनी में प्रभावी स्वरुप बन जाएगा। यह अनुमान है कि हम जुलाई की शुरुआत में डेल्टा के मामलों की हिस्सेदारी 70-80 फीसदी से अधिक देखेंगे।उन्होंने चेतावनी दी कि म्यूटेशन पूरे यूरोप में तेजी से फैल रहा है। ब्रिटेन जैसे बड़े पैमाने पर टीकाकरण वाले देशों में संक्रमण संख्या ऊपर की ओर बढ़ रही है।

रूसी नौसेना ने तोपखाने की फायरिंग का किया अभ्यास

मॉस्को, वार्ता। रूस के बड़े लैंडिंग जहाजों ओर्स्क और सेराटोव ने नाटो के सी ब्रीज अभ्यास की पृष्ठभूमि के खिलाफ समुद्र में संयुक्त कार्यों का अभ्यास करने के लिए तोपखाने की फायरिंग की कवायद शुरू की है।

नौसेना ने गुरुवार को कहा,काले सागर में समुद्री सीमा पर काला सागर बेड़े के बड़े लैंडिंग जहाजों के नौसैनिक बल के लिए युद्ध प्रशिक्षण योजना के अनुसार गोलीबारी हुई।

अभ्यास के दौरान, नागरिक नौवहन के लिए शूटिंग क्षेत्र को पहले से ही बंद कर दिया गया था। वार्षिक सी ब्रीज वार्षिक सैन्य अभ्यास का 2021 संस्करण सोमवार को काला सागर के उत्तर-पश्चिमी भाग में शुरू हुआ, जिसमें रूसी नौसेना भाग लेने वाले जहाजों की आवाजाही की निगरानी कर रही थी। यह अभ्यास 10 जुलाई तक चलेगा और इसमें 32 देशों के लगभग 5,000 सैनिक और 32 युद्धपोत शामिल हैं।

दर्शकों के बिना ओलंपिक आयोजन से इंकार नहीं : सुगा

टोक्यो,वार्ता। जापान के प्रधान मंत्री योशीहिदे सुगा ने गुरुवार को कहा कि अगर कोरोना के कारण स्थिति बिगड़ती है तो उन्हें दर्शकों के बिना ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के आयोजन से इंकार नहीं किया जा सकता है।इससे पहले, जापान के कोरोना वायरस मामलों के प्रभारी मंत्री यासुतोशी निशिमुरा ने कई मौकों पर पुष्टि की है कि सरकार ओलंपिक में दर्शकों पर प्रतिबंध लगाने सहित कोरोना मामलों में वृद्धि के कारण सुरक्षा को कड़ा करने पर विचार कर रही है।टोक्यो में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक, शुरू में 2020 के लिए निर्धारित किया गया था। लेकिन महामारी के कारण एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया था और वर्तमान में 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होने वाला है। यह आयोजन विदेशों से दर्शकों के बिना आयोजित किया जाएगा, जबकि घरेलू दर्शकों की संख्या प्रत्येक स्थल पर 10 हजार तक सीमित कर दी गई है।

चीन निर्मित युद्धक टैंक पाकिस्तानी सेना में शामिल

इस्लामाबाद वार्ता। पाकिस्तान सेना ने अत्याधुनिक चीनी निर्मित वीटी -4 टैंकों के पहले बैच को गुरुवार को अपने सैन्य बेड़े में शामिल किया।

अंग्रेजी दैनिक डॉन के मुताबिक, सेना की मीडिया इकाई इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने यहां जारी एक बयान में कहा कि मंगला कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल शाहीन मजहर महमूद ने आर्मर्ड डिवीजन का दौरा किया और वीटी-4 टैंकों के पहले बैच का निरीक्षण किया।बयान में कहा गया है कि मेजर जनरल राशिद महमूद ने कमांडर को टैंकों के इस पहले बैच के शिपमेंट के बाद चल रहे निरीक्षण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने टैंकों की गतिशीलता और गतिशीलता परीक्षण भी देखा और प्रेरण प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।वीटी-4 टैंक चीनी सरकारी बख्तरबंद वाहन निर्माता, नोरिन्को द्वारा निर्मित किए गए हैं, और उनकी डिलीवरी पिछले साल अप्रैल में शुरू हुई थी। थाईलैंड और नाइजीरिया के बाद पाकिस्तान तीसरा देश है जिसने चीन से ये टैंक खरीदे हैं।

आईएसपीआर ने कहा कि टैंकों को शामिल करने के बाद इन्हें स्ट्राइक फॉर्मेशन की ओर से आक्रामक भूमिका में लगाया जाएगा।

पाकिस्तान में छह दिनों के बाद कोरोना के 1000 से अधिक मामले

इस्लामाबाद,वार्ता। पाकिस्तान में छह दिनों के अंतराल के बाद फिर से 1000 से अधिक नये दैनिक मामले सामने आये हैं।

पिछले 24 घंटों के दौरान 46,145 लोगों की कोरोना जांच की गयी जिनमें से 1,037 लोग कोरोना से संक्रमित पाये गये। देश में कोरोना पाजिटिविटी दर घट कर अब 2.2 फीसदी पहुंच गयी है।

देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 9,58,408 हो गयी है। इसी अवधि में 40 और कोरोना मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 22,321 हो गया है। राहत की बात यह है कि 9,04,320 मरीज कोरोना को मात भी दे चुके हैं।

सिंध प्रांत में सबसे अधिक 622 लोग संक्रमित पाये गये और 24 मरीजों की मौत हो गयी। इसके बाद पंजाब का स्थान रहा जहां 121 मामले सामने आये और आठ की मौत हुई। खैबर पख्तूनख्वाह में 117 मामले और चार मरीजों की मौत हुई। बलूचिस्तान में 33 मामले दर्ज हुए और एक मरीज की मौत हुई। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 50 मामले और एक की मौत हुई जबकि गिलगित बाल्टिस्तान में 40 मामले सामने आये। राजधानी इस्लामाबाद में 54 नये मामले सामने आये तथा दो और मरीजों की मौत हो गयी।

उइगरों पर चीनी वक्तव्य को हमने स्वीकार कर लिया है : इमरान

इस्लामाबाद वार्ता। प्रधानमंत्री इमरान खान ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान ने चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगर मुस्लिमों के साथ व्यवहार के संबंध में चीनी वक्तव्य को स्वीकार कर लिया है।

चीन की राजधानी बीजिंग में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के शताब्दी वर्ष के अवसर पर यहां चीनी पत्रकारों से बात करते हुए, श्री खान ने कहा कि चीनी प्रारुप पश्चिमी मीडिया में बताई जा रही बातों से बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा,चीन के साथ हमारी अत्यधिक निकटता और संबंधों के कारण, हम वास्तव में चीनी वक्तव्य को स्वीकार करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह पाखंड है कि जहां उइगर मुस्लिमों की स्थिति और हांगकांग को उजागर किया जा रहा है, वहीं अधिकृत कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा,यह पाखंडपूर्ण है। दुनिया के अन्य हिस्सों जैसे कि अधिकृत कश्मीर में मानवाधिकारों का और भी बुरा उल्लंघन हो रहा है। लेकिन पश्चिमी मीडिया शायद ही इस पर टिप्पणी करता है।

नौ यूरोपीय देशों ने कोविशील्ड को मान्यता दी, एस्टोनिया ने कोवैक्सीन को भी स्वीकारा

नयी दिल्ली वार्ता। यूरोपीय संघ के नौ देशों ने भारत मे निर्मित कोविशील्ड वैक्सीन को मान्यता दे दी है तथा एस्टोनिया ने कोवैक्सीन सहित सभी भारतीय टीकों को मान्यता देने का ऐलान किया है।

इन यूरोपीय देशों ने यह कदम भारत द्वारा इस आशय के आग्रह के बाद उठाया है। भारत ने कल यूरोपीय संघ के सदस्य देशों से कोविड के भारतीय टीकों एवं कोविन प्रमाणपत्र को मान्यता देने का आग्रह करते हुए कहा था कि ऐसा होने पर ही भारत में यूरोपीय संघ (ईयू) के डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र को कोविड प्रोटोकॉल से छूट दी जायेगी।

सूत्रों ने बताया कि अभी तक ऑस्ट्रिया, जर्मनी, स्लोवेनिया, आइसलैंड, यूनान, आयरलैंड और स्पेन ने ईयू डिजीटल कोविड प्रमाणपत्र में कोविशील्ड को शामिल कर लिया है। स्विट्ज़रलैंड ने भी शेनजेन समूह का देश होने के नाते कोविशील्ड को मान्यता दे दी है। इसबीच एस्टोनिया ने पुष्टि की है कि वह भारत सरकार द्वारा अधिकृत सभी टीको को मान्यता देगा और टीका लगा कर आने वाले भारतीय नागरिकों को यात्रा की अनुमति प्रदान करेगा।

बुधवार की देर शाम भारत ने एक जुलाई से प्रभावी ईयू डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र फ्रेमवर्क में भारतीय टीकों को शामिल नहीं किये जाने पर नाराज़गी व्यक्त की थी। यूरोपीय संघ ने इस फ्रेमवर्क के तहत यूरोपीय मेडिकल एजेंसी (ईएमए) द्वारा अधिकृत टीके लगवाने वाले लोगों को यूरोपीय संघ के दायरे में यात्रा प्रतिबंधों से छूट देने और मुक्त आवाजाही सुलभ करने का ऐलान किया था।

सूत्रों के अनुसार भारत ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों से आग्रह किया था कि वे अपने राष्ट्रीय स्तर पर भारत में कोविड टीका लगवाने वाले लोगों को भी इसी तरह की छूट प्रदान करें और कोविन पोर्टल पर जारी प्रमाणपत्र को मान्यता दें। भारत ने यूरोपीय संघ के देशों से कहा था कि भारत में यूरोपीय संघ डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र को मान्यता देने की नीति पारस्परिकता पर आधारित होगी। भारतीय टीके कोविशील्ड और कोवैक्सीन को ईयू डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र में अधिसूचित करने और कोविन टीकाकरण प्रमाणपत्र को मान्यता दिए जाने पर भारतीय स्वास्थ्य विभाग पारस्परिकता के आधार पर उक्त ईयू सदस्य देश या देशों के ईयू डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र धारक लोगों को अनिवार्य क्वारंटीन से छूट प्रदान करेगा।

कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड की सेवाएं बहाल

कोच्चि, वार्ता। कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (केएमआरएल) ने 53 दिनों के बाद गुरुवार को अपनी सेवाएं बहाल कर दी।कोरोना महामारी को नियंत्रित करने के लिये लगाये गये लॉकडाउन के कारण 53 दिनों तक कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड की सेवा स्थगित रही थी।कोच्चि में मेट्रो ट्रेन सुबह आठ बजे से लेकर तक शाम आठ बजे चलेगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिये मेट्रो परिसर की नियमित रूप से सफाई की जाएगी। मेट्रो परिसर में प्रवेश से पहले यात्रियों के शरीर के तापमान की जांच की जाएगी और थर्मल स्क्रीनिंग जैसे अन्य सुरक्षा उपायों को अपनाया जाएगा।सभी मेट्रो स्टेशनों पर बिना संपर्क में आये टिकट उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

प्रतिबंधों में ढील के साथ ही छुट्टियाँ मनाने के लिए निकलने लगे लोग

नयी दिल्ली वार्ता। कोविड-19 के मामलों में कमी और राज्य सरकारों द्वारा प्रतिबंधों में छूट मिलने के साथ जून में छुट्टियाँ मनाने के लिए जाने वालों की संख्या भी बढ़ गई।

दिल्ली के इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों के बीच कराये गये एक सर्वेक्षण में पता चला है कि जून में यात्रा करने वाले 25 प्रतिशत यात्री छुट्टियाँ मनाने जा रहे थे। यह संख्या कोविड-पूर्व काल में जून 2019 के 44 प्रतिशत से काफी कम है, लेकिन जून 2020 के दो प्रतिशत की तुलना में काफी अधिक है जब दो महीने बाद घरेलू मार्गों पर नियमिति यात्री उड़ान दुबारा शुरू करने की अनुमति दी गई थी।हवाई अड्डे का संचालन करने वाली कंपनी दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने आज जारी एक श्वेत पत्र में कहा कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के मद्देनजर कई राज्यों द्वारा लगाये गये लॉकडाउन और यात्रा संबंधी प्रतिबंधों के कारण हवाई यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आई थी। जून में कई राज्यों द्वारा लॉकडाउन और यात्रा की शर्तों में ढील के बाद दिल्ली हवाई अड्डे पर यात्रियों की संख्या स्थिर गति से बढ़ रही है।

राजधानी दिल्ली में भीषण गर्मी और उमस का दौर जारी

नयी दिल्ली वार्ता। राजधानी दिल्ली में इन दिनों लोगों को लू और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है और जो लोग जुलाई में बारिश की उम्मीदें लगाए थे उन्हें अभी भी मौसम की मार झेलनी पड़ रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहा और चार बजे दिन में अधिकतम 44 डिग्री दर्ज किया गया। आम तौर पर जून में भीषण गर्मी पड़ती है लेकिन इस बार लोगों को जुलाई में भी लू के जोरदार थपेड़ों का सामना करना पड़ रहा है। इन दिनों उमस ने लोगों को बाहर निकलना दूभर कर दिया है।

मौसम विभाग के अनुसार राजधानी में मानसून कम से कम एक सप्ताह बाद आ सकता है जिसके बाद लोगों को इस गर्मी से निजात मिलने की संभावना है। राजधानी में जून के अंत तक लोगों को बारिश देखने को मिल जाती थी लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ है और इसमें थोड़ी देरी हुई है।भारतीय मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत के कुछ भागों के लिए दक्षिण पश्चिम हवाएं कुछ राहत प्रदान कर सकती हैं लेकिन गर्म हवाएं और लू लोगों को अगले चार पांच दिनों तक परेशान कर सकती है।अभी मानसून आने में कम से कम एक हफ्ता लग सकता है।

राजधानी में हवा की गुणवत्ता अभी भी खराब श्रेणी की बनी हुई और और प्रदूषक कणों पीएम10 की अधिकता से वजह से प्रदूषण काफी बढ़ा है। सतह से चलने वाली हवाओं के कारण धूल की मात्रा में भी इजाफा हुआ है। अगले दो से तीन दिनों तक हवा की गुणवत्ता ऐसे ही रहने का अनुमान है और इसमें धूल कणों की अधिकता होगी। अगले पांच दिनों तक हवा की गुणवत्ता मध्यम दर्जे का रहने का अनुमान है। दिन में आर्द्रता का स्तर 22 प्रतिशत दर्ज किया गया।

आज दिन में दिल्ली की पश्चिमी और दक्षिण पश्चिमी तरफ से सतही वायु की रफ्तार 18 से 24 किलोमीटर प्रति घंटा रही और कई स्थानों पर गर्म हवाएं भी चली जिनकी रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। बुधवार को राजधानी में न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

रोजगार बाजार बेरोजगारों के लिए बना लाइफलाइनः सिसोदिया

नयी दिल्ली वार्ता। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री एवं रोजगार मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार की बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए रोजगार बाजार शुरू किया था जो लाइफ़लाइन साबित हो रहा है।

श्री सिसोदिया ने गुरुवार को कहा कि केजरीवाल सरकार कोरोना महामारी के आर्थिक प्रभाव को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित है। इसलिए पिछले साल बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए रोजगार बाजार पोर्टल लॉन्च किया था। पिछले साल लाखों युवाओं ने पंजीकरण कराया और नौकरी प्राप्त की थी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल में लोगों का यह भरोसा है कि अब भी हजारों नौकरी तलाशने वाले और रोज़गार देने वाले, रोजगार बाजार में पंजीकरण कर रहे हैं। इस संकट के समय में युवाओं को नौकरी दिलाने में मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि पिछले साल दिल्ली सरकार की ओर से रोजगार बाजार पोर्टल शुरू किया गया था। राजधानी दिल्ली में महामारी कोविड लहर के बाद अनलॉक प्रक्रिया के दौरान रोजगार बाजार दिल्ली के बेरोजगारों के लिए लाइफलाइन बना हुआ है। रोज़गार बाजार में जून में रोज़ाना लगभग एक हजार नए नौकरी खोजने वालों को पंजीकृत किया गया और 300 नई नौकरियां पोस्ट की गईं। दिल्ली में कुल 34,212 नौकरी खोजने वालों को पंजीकृत किया गया। इसके अलावा एक से 30 जून 2021 के बीच 9,522 नई भर्तियां पोस्ट की गईं। इसके अलावा नौकरी चाहने वालों और रोजगार देने वालों के बीच में हर दिन 2500 बार व्हाट्सएप, फोन कॉल और सीधे आवेदन के माध्यम से संपर्क हुआ है। जून में नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं के बीच कुल मिलाकर 75,000 बार संपर्क हुआ है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने पिछले साल कोरोना महामारी से प्रभावित नौकरी खोजने वालों और नियोक्ताओं को जोड़ने के लिए रोजगार बाजार जॉबडॉटदिल्लीडॉटजीओवीडॉटइन लॉन्च किया था इसके अलावा लॉकडाउन के दौरान रोजगार बाजार पोर्टल ने व्यवसायों को डिलीवरी और उपभोक्ता सहायता के लिए कर्मचारी रखने में मदद की। जबकि अनलॉकिंग प्रक्रिया के दौरान नौकरियों में फिर से बढ़ोतरी आयी है। रोज़गार बाज़ार सभी वर्गों के लिए वन-स्टॉप पोर्टल साबित हुआ है।

अफगानिस्तान से खतरा होने पर रूस ताजिकिस्तान की करेगा मदद

दुशाम्बे, वार्ता। सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ) के सदस्य देश के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अमेरिकी सैनिकों की वापसी के मद्देनजर अफगानिस्तान के क्षेत्र से आतंकवादी खतरों में वृद्धि की स्थिति में रूस ताजिकिस्तान को आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।निचले सदन की रक्षा समिति के प्रमुख व्लादिमीर शमानोव ने गुरुवार को इस आशय की बात कही।

उन्होंने दुशांबे में सीएसटीओ संसदीय सभा की बैठक से पहले यह बयान दिया।रूसी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य शामानोव ने संवाददाताओं से कहा, यदि आवश्यक हो, तो निश्चित रूप से, हम सीएसटीओ प्रतिबद्धताओं के ढांचे के भीतर ताजिकिस्तान को व्यापक सहायता प्रदान करेंगे। स्वाभाविक रूप से, हम इसे अकेला नहीं छोड़ेंगे।उन्होंने कहा,हमारी समिति स्थिति का आकलन करने के लिए व्यवस्थित रूप से उपायों को लागू कर रही है। हमने कई साल पहले यूरोपीय देशों और अमेरिका के विमानों को अपनी प्रभुता साबित करने संबंधी योजनाओं के हिस्से रूप इराक से उत्तरी अफगानिस्तान में स्थानांतरित करने से रोका था।गौरतलब है कि अफगानिस्तान में इसी सप्ताह सभी विदेशी सैनिकों को वापस लौटना है। अमेरिका समेत विदेशी सैनिकों की वापसी के बाद अफगानिस्तान में फिर से गृह युद्ध शुरू होने जैसी आशंकायें व्यक्त की जा रही हैं।

जून माह में मौसम में परिवर्तन दशहरी की गुणवत्ता के लिए प्रतिकूल

नयी दिल्ली वार्ता। जून माह में मौसमी बदलाव अपने लजीज स्वाद और खूबसूरत रंग रुप को लेकर दुनियाभर में प्रसिद्ध लखनवी दशहरी की गुणवत्ता को प्रभावित करने लगा है ।

इसके फलों के पक कर तैयार होने के दौरान मौसम खुश्क और गर्म होता था । मई-जून में चलने वाली लू से लोग परिचित है और यही कारण है कि दशहरी की गुणवत्ता लखनऊ के आसपास के आसपास के क्षेत्रों में बेहतरीन होती है।

कुछ दशक पूर्व यदि जून में बारिश होती थी तो केवल 3-4 से फुहारें आम के बाग का मौसम खुशनुमा बना देती थी । लेकिन पिछले दशक से ही मौसम में परिवर्तन आना प्रारंभ हो गया है और विभिन्न कारणों से मई और जून में भी कई बार बारिश होने लगी । गत दो वर्षों से देखा गया है कि जून के महीने में लगभग आठ बार बारिश हुई। इतना ही नहीं बारिश की मात्रा भी काफी अधिक थी। खेतों में पानी भर गया और वातावरण में नमी की अधिकता हो गई ।

केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ के अनुसार सामान्यतः आम की गुणवत्ता समुद्र तटीय क्षेत्रों एवं अधिक वर्षा वाले स्थानों पर अच्छी नहीं होती है । पकने के दौरान आम पर कई बार होने वाली वर्षा आम की क्वालिटी के लिए उपयुक्त नहीं। शायद यही कारण है कि लखनऊ और जिन स्थानों पर उत्तम कोटि का आम पैदा होता है वहां फल के पकने के दौरान सामान्यतः वर्षा कम होती है ।

वर्षा अधिक होने के कारण फल में मिठास लगभग 30-40 प्रतिशत तक घट जाती है । देखने में फल रसीले जरूर होते हैं परंतु मिठास में कमी होती है। दशहरी को आमतौर पर चौसा और लखनवी के मुकाबले बारिश कम पसंद है । दो से तीन बार होने वाली बारिश से दशहरी की क्वालिटी में सुधार जरूर आता है लेकिन जब इस बारिश की संख्या पांच से ऊपर हो जाती है तो तरह-तरह की समस्याएं होने लगती ।

अधिक नमी की अवस्था में एंथ्रेक्नोज और डिप्लोडिया जैसी बीमारियां फल को संक्रमित करती हैं । वातावरण में अनुकूल तापक्रम और नमी के करण बीमारियों के विषाणु अधिक संख्या में वातावरण में फैल जाते हैं । बागों में संक्रमण बढ़ने से फल तोड़ने के बाद जल्दी सड़ने लगते हैं जिसके कारण उन्हें अधिक दिन तक नहीं रखा जा सकता है । जबकि वर्षा रहित गर्मी के मौसम में तैयार हुए फल खाने में स्वादिष्ट, देखने में अधिक रंगीन और तोड़ने के बाद अधिक दिन तक रखे जा सकते हैं ।

दशहरी और कई किस्मों में यह भी पाया गया है कि आम का फल ऊपर से हरा और साबुत दिखता है परंतु काटने पर गुठली के पास का भाग गलन रोग से प्रभावित हो जाता है । फल के गूदे में पकने के बाद दृढ़ता कम हो जाती है ।

सिन्धु टाइम्स (हिन्दी दैनिक), स्वामी, प्रकाशक / मुद्रक-उरूषा इमरान द्वारा विश्नू ऑफसेट,वैसी की मस्जिद,भानमती चौराहा हुसैनगंज,लखनऊ से मुद्रित कराकर 126/21/1, राना होटल, इस्लामिया कालेज के सामने, लालबाग लखनऊ (उ.प्र.)- 226001 से प्रकाशित।

*संपादक - इमरान हसन सिद्दीकी, R.N.I. No.UPHIN/2010/39063, MOB.- 9935403111, प्रबंध संपादक- एस.वी.सिंह उजागर, मो- 9451988443, E-Mail : sindhutimes99@gmail.com फोन-0522-4029211 (नोट- किसी भी वाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।)